MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 09 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-277

नहीं रहे क्रांतिवीर

नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

पुणे, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गोवा स्थित उनके घर में हृदयाघात के बाद उन्हें करीब 45 मिनट तक हृदय-फुफ्फुसीय पुनर्जीवन (सीपीआर) दिया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर पुणे लाया गया, जहां डोंजे गांव में रात को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता जैकी श्रॉफ और निर्देशक अनिल शर्मा भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए और नाना पाटेकर को अंतिम विदाई दी।

मणिपाल अस्पताल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के समय नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। उनके दोस्त और देखभाल करने वाले कर्मचारी वहां मौजूद थे।

डॉ. शेखर ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे नाना ने एक दोस्त को संदेश भेजकर तबीयत ठीक नहीं लगने की बात कही थी। दोस्त ने उस समय संदेश नहीं देखा। बाद में फोन करने पर वह करीब 4 बजे नाना के घर पहुंचा। उस समय नाना को काफी पसीना आ रहा था और उनकी हालत बिगड़ रही थी। कुछ देर बाद वह बेहोश होने लगे।

इसके बाद देखभाल करने वाले कर्मचारी को अस्पताल भेजा गया और एंबुलेंस बुलाई गई। आपातकालीन चिकित्सा दल जब घर पहुंचा, तब नाना पूरी तरह प्रतिक्रिया देना बंद कर चुके थे। दल ने तुरंत हृदय की मालिश शुरू की। उन्हें सुबह करीब 4:20 से 4:30 बजे के बीच मणिपाल अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, उन्हें मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था।

नाना पाटेकर का चार दिन पुराना आखिरी वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह ढोल बजाते, नृत्य करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।

100 से अधिक फिल्मों में किया काम

नाना पाटेकर ने अपने लंबे फिल्मी करियर में 100 से अधिक फिल्मों में काम किया। 1989 में आई फिल्म 'परिंदा' में उन्होंने अन्ना का किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

1994 की फिल्म 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इसके बाद 1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इस तरह नाना पाटेकर को अपने करियर में तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। ▶8पर

दया के नायक!

नाना थे प्रेरणा स्रोत : एनकाउंटर स्पेशलिस्ट

जिंदगी कला की नकल उससे कहीं ज्यादा करती है, जितना कला जिंदगी की नकल करती है। ऑस्कर वाइल्ड के ये सदाबहार शब्द मुंबई के चर्चित मुठभेड़ विशेषज्ञ और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी दया नायक तथा अभिनेता नाना पाटेकर की कहानी में अनोखे अंदाज में सच साबित हुए।

दया नायक 2004 में आई बॉलीवुड फिल्म 'अब तक छप्पन' में नाना पाटेकर द्वारा निभाए गए चर्चित किरदार 'साधु अगाशे' के लिए वास्तविक जीवन की प्रेरणा थे। लेकिन वर्षों बाद जिस अभिनेता ने पर्दे पर उनका किरदार निभाया, वही अभिनेता उस किरदार के पीछे मौजूद वास्तविक व्यक्ति के लिए प्रेरणा बन गए। नाना पाटेकर के निधन के बाद दया नायक की भावुक श्रद्धांजलि ने फिल्मी दुनिया और वास्तविक जिंदगी के बीच की दूरी को लगभग मिटा दिया। ▶8पर

गिरफ्तारी का पॉवर अब नहीं

जीएसटी खौफ खत्म

- ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए सामान या सेवाएं बेचने वाले छोटे करदाताओं के जीएसटी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सरल होगी
- आगे दर से जुड़े मुद्दों पर साल में एक बार विचार किया जाएगा।
- बैठक में किसी जीएसटी दर में बदलाव नहीं किया गया।
- सरकार सीजीएसटी में फेसलेस

टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन लागू करने की दिशा में काम कर रही।
- 10,000 रुपये से कम की टैक्स राशि के लिए जीएसटी डिमांड जारी नहीं होगी।

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। परिषद ने जीएसटी कर अधिकारियों के करदाताओं या अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के अधिकार को समाप्त करने को मंजूरी दी है। साथ ही अभियोजन शुरू करने की सीमा को एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है।

अभियोजन सीमा वह निर्धारित सीमा होती है, जिसके आधार पर किसी अपराध या मामले में अदालत द्वारा संज्ञान लिया जा सकता है। परिषद की बैठक में व्यापारी छूट दर (एमडीआर) को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में एमडीआर के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। हालांकि, इससे पहले एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) पर एमडीआर को रोकने को लेकर चर्चा चल रही थी।

किसी उत्पाद या सेवा पर कर दर में बदलाव नहीं

जीएसटी परिषद की इस बैठक में किसी भी उत्पाद या सेवा पर कर दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जिन उत्पादों पर पहले जितना जीएसटी लागू था, उतना ही अब भी लागू रहेगा।

जुर्माना और रिफंड पर भी बड़ा फैसला

जीएसटी परिषद ने सामान्य जुर्माने को 25,000 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये करने, जीएसटी रिफंड प्रक्रिया में तेजी लाने, छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने और कारोबारियों के लिए अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को आसान बनाने को भी मंजूरी दी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि गुरुवार को घोषित ये सुधार अगले वित्त वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2027 से लागू होंगे।

परिषद ने यह भी फैसला किया है कि जीएसटी दरों से संबंधित मामलों पर साल में एक बार कर दरों के लिए समर्पित बैठक में विचार किया जाएगा।

जीएसटी अधिकारियों के अधिकारों में कटौती

जीएसटी कानून के तहत कर अधिकारियों के पास अब करदाताओं या अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं रहेगा। परिषद ने अभियोजन शुरू करने की सीमा को भी एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया है।

इसमें न्यूनतम सजा के प्रावधान को हटा दिया गया है। इसके बाद जुर्माना, जेल या दोनों के संबंध में फैसला न्यायिक विवेक के आधार पर किया जाएगा।

सामान्य जुर्माना 25 हजार से घटकर 10 हजार

जहां किसी विशेष अपराध के लिए कोई अलग दंड निर्धारित नहीं है, वहां लागू होने वाले सामान्य जुर्माने को 25,000 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया जाएगा।

देर से रिटर्न दाखिल करने, गलतियां करने या भुगतान में देरी करने वाले करदाताओं को कर रिफंड, ब्याज और अनुपातिक दंड का सामना करना पड़ेगा। ऐसी चूकों के लिए कोई अतिरिक्त दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

जीएसटी रिफंड अब सिर्फ 10 दिन में

परिषद ने रिफंड दावों को स्वीकार करने की समय सीमा 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दी है। यदि इस अवधि के भीतर मंजूरी या कमी से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी जाती है, तो दावे को मंजूर माना जाएगा।

नई रिफंड व्यवस्था के तहत जोखिम मूल्यांकन के बाद पात्र रिफंड दावों में से 90 प्रतिशत को स्वचालित तरीके से मंजूरी दी जाएगी। इसके आदेश भी सात दिन के बजाय तीन कार्य दिवस के भीतर जारी किए जाएंगे।

ग्रीन कार्ड रेड सिग्नल

अमेरिका भारतीय कंपनियों पर सख्त

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
अमेरिका ने कई बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। इनमें भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिकी श्रम विभाग ने इन कंपनियों को ग्रीन कार्ड से जुड़े स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम (पीईआरएम) से निलंबित कर दिया है। इनमें कॉग्निजेंट, इंफोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल और कैपजेमिनी जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा माइक्रोसॉफ्ट और एडोब को भी इस कार्यक्रम से निलंबित किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इन कंपनियों पर ग्रीन कार्ड कार्यक्रम के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ▶8पर

हूतियों पर पाक के हमले से मचा हड़कंप!

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर बड़ा दावा सामने आया है। अमेरिकी अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, हूती ठिकानों पर किए जा रहे हमलों में पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह घटनाक्रम मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के सक्रिय होने के बाद सामने आया है।हालांकि, पाकिस्तान ने इस दावे का खंडन किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने न्यूयॉर्क टाइम्स की ▶8पर

मस्क-अंबानी लिंक!

राहुल बोले-इंतजार कीजिये

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
भारत में स्टारलिंक की उपग्रह इंटरनेट सेवा की शुरुआत और लाइसेंस को लेकर विवाद के बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने भारतीय दूरसंचार उद्योग और कारोबारी जगत को लेकर सवाल उठाए हैं। मस्क के बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी है। एलन मस्क ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता की पोस्ट का जवाब देते हुए भारत सरकार और कारोबारी जगत पर सवाल उठाए। एक उपयोगकर्ता ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया था कि सरकार भारतीय नागरिकों के हितों के बजाय चुनिंदा पूंजीपतियों के हितों ▶8पर

राजघाट में खटपट

धरना खतम, आज हल्लाबोल

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसद कनॉट प्लेस में दोपहर के भोजन के बाद बसों से राजघाट पहुंचे और वहां शांतिपूर्ण धरना दिया। नेताओं ने महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रार्थना की। कुछ घंटे बाद विपक्षी सांसद वहां से लौट गए। विपक्षी दलों ने कहा है कि उनका आंदोलन शुक्रवार को भी जारी रहेगा। शुक्रवार के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शामिल होने की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी दिल्ली में हैं और शुक्रवार के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगी। विपक्षी नेताओं की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने और अपनी मांगें रखने की भी तैयारी की जा रही है। ▶8पर

सर के सपोर्ट में 42 पूर्व जज

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)।
चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। पूर्व जजों ने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील करते हुए कहा कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को भी सही बताया है। पूर्व जजों ने एक खुले पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया है कि चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों के समर्थन में सबूत पेश नहीं किए गए हैं।
▶8पर

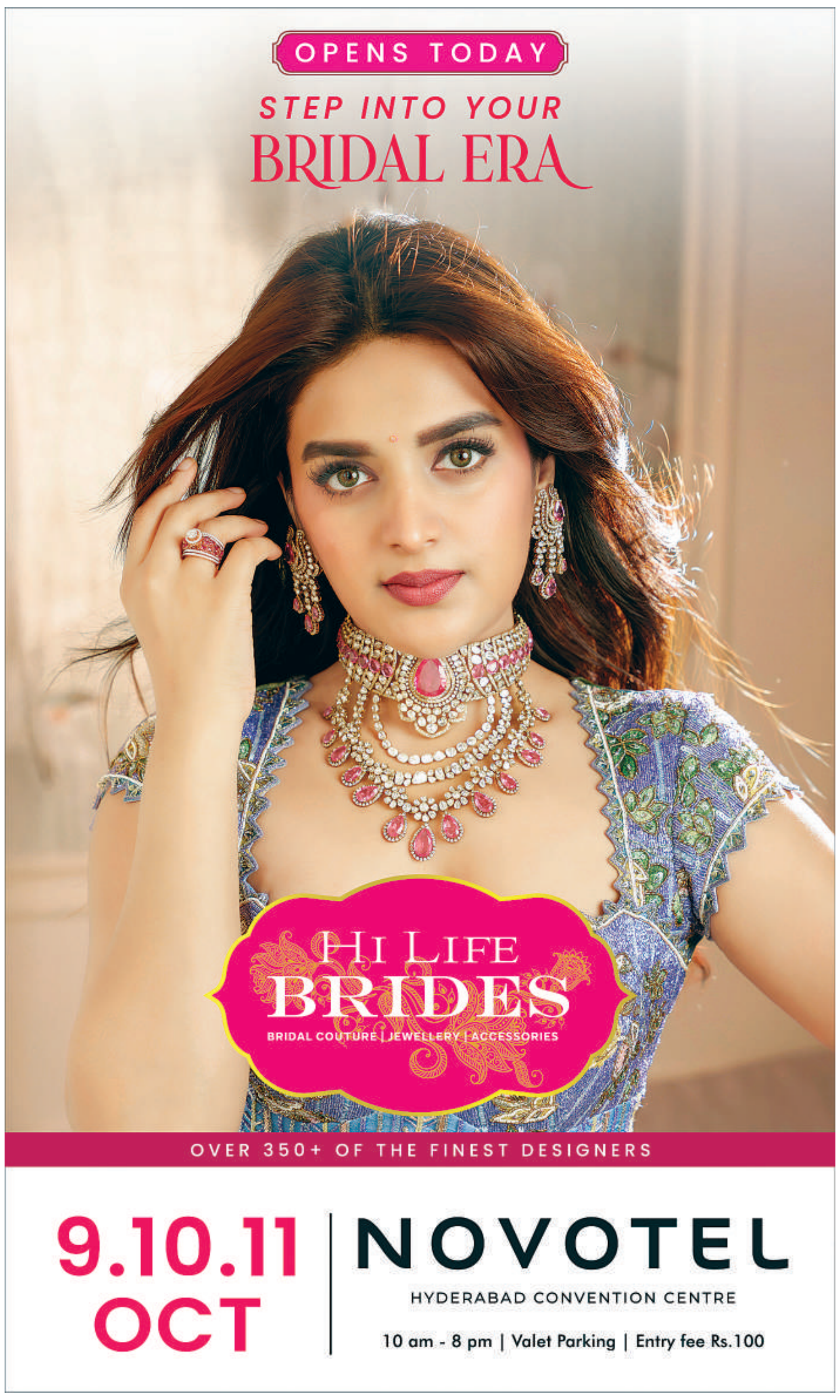

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल बाढ़ प्रभावितों के लिए ऑस्ट्रेलिया देगा अतिरिक्त 15 मिलियन डॉलर की सहायता

काठमांडू

नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री सीनेटर पेनी वोंग के बीच नेपाल-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। गुरुवार को मेलबर्न में हुई बैठक में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत बनाने तथा आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया।

विदेशमंत्री खनाल के सचिवालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने नेपाल और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंबे समय से कायम घनिष्ठ, मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों पर संतोष व्यक्त किया। लोकतांत्रिक मूल्यों, पारस्परिक सम्मान और मजबूत जनस्तरीय संबंधों पर आधारित सहयोग को आगे और विस्तार देने पर भी जोर दिया गया। बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने नेपाल में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित परिवारों और समुदायों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आपदा के बाद राहत, शुरुआती पुनर्वास और पुनर्निर्माण के प्रयासों में ऑस्ट्रेलिया नेपाल के साथ खड़ा है।

वोंग ने बाढ़ और आपदा प्रभावित नेपाल के लिए अतिरिक्त 15 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 161 करोड़ नेपाली रुपये) की सहायता देने की घोषणा की। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए 11 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई थी। नई सहायता राशि राहत और शुरुआती पुनर्वास कार्यों पर खर्च की जाएगी।

विदेश मंत्री खनाल ने संकट के समय ऑस्ट्रेलियाई सरकार और वहां के लोगों की ओर से मिली त्वरित और उदार मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपदा के समय मिली यह एकजुटता नेपाल और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाती है। बैठक में नेपाल और प्रशांत क्षेत्र के देशों पर जलवायु परिवर्तन से पैदा हो रहे साझा जोखिमों पर भी चर्चा हुई।

खनाल ने ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय नेतृत्वकारी भूमिका का उपयोग करते हुए, विशेष रूप से आगामी सीओपी-31 के संदर्भ में, हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के असमान और गंभीर प्रभावों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावी ढंग से उठाने का आग्रह किया। उन्होंने जलवायु अनुकूलन, पूर्व चेतावनी प्रणाली, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, आपदा तैयारी और जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे के निर्माण में नेपाल-ऑस्ट्रेलिया सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों मंत्रियों ने शैक्षिक सहयोग के विस्तार पर भी चर्चा की। नेपाल में ऑस्ट्रेलिया से मान्यता प्राप्त तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने तथा ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के संभावित सैटेलाइट कैंपस नेपाल में स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

खनाल ने ऑस्ट्रेलिया के बहुसांस्कृतिक समाज और अर्थव्यवस्था में नेपाली विद्यार्थियों तथा नेपाली डायस्पोरा के योगदान का उल्लेख करते हुए हाल में हुए छात्र वीजा संबंधी नीतिगत बदलावों के बीच वास्तविक और योग्य नेपाली विद्यार्थियों के लिए अनुकूल एवं न्यायसंगत व्यवस्था करने का आग्रह किया। बैठक में नेपाल-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने को भी प्राथमिकता दी गई। व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, तकनीक हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, टिकाऊ कृषि, पर्यटन और श्रम गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

डीपफेक के बढ़ते खतरे को देख पीएम जॉर्जिया मेलोनी करवा रहीं अपनी आवाज का ट्रेडमार्क

रोम। एआई का बढ़ता इस्तेमाल जितनी सहूलियतें पैदा कर रहा है, उतनी चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है। इस डिजिटल युग में किसी की भी आवाज और चेहरे की नकल करना बहुत आसान है, जिसे डीपफेक कहा जाता है। इस खतरे से निपटने और अपनी सार्वजनिक छवि की कानूनी सुरक्षा के लिए, इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने अनोखा कदम उठाया है। वह अपनी आवाज का ट्रेडमार्क करवा रही हैं, जो डीपफेक और एआई के दुरुपयोग के खिलाफ एक सुरक्षा कवच का काम करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेलोनी ने यूरोपीय संघ के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑफिस में अपनी आवाज के ट्रेडमार्क के लिए आवेदन दिया है। यह आवेदन चार सेकंड की ऑडियो क्लिप पर आधारित है, जिसमें वह दो बार कहती हैं- मैं जियोर्जिया मेलोनी हूं। हालांकि, यह आवेदन अभी समीक्षाधीन है और इसे आधिकारिक रूप से मंजूरी मिलना बाकी है। यह रिकॉर्ड किया गया वाक्य मेलोनी के 2019 के एक प्रसिद्ध राजनीतिक भाषण की याद दिलाता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं जियोर्जिया हूं, मैं एक महिला हूं, मैं एक मां हूं, मैं इटैलियन हूं, मैं ईसाई हूं। यह नारा इटली में काफी लोकप्रिय हुआ था और इस पर एक वायरल डांस रीमिक्स भी बना था। विशेषज्ञों और मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भले ही यह ट्रेडमार्क अनुमोदित हो जाए, लेकिन यह अकेले एआई-जनित डीपफेक को पूरी तरह से नहीं रोक पाएगा। हालांकि यह उन लोगों के लिए अतिरिक्त कानूनी दिक्कतें जरूर पैदा कर देगा जो बिना इजाजत के उनकी आवाज की नकल करने की कोशिश करते हैं। यदि यह ट्रेडमार्क मंजूर हो जाता है, तो जियोर्जिया मेलोनी इस प्रकार की आवाज सुरक्षा पाने वाली दुनिया की पहली ऐसी नेता बन जाएंगी। इससे पहले इस तरह के ट्रेडमार्क मुख्य तौर पर गायकों और मशहूर सेलिब्रिटी द्वारा लिए जाते रहे हैं, लेकिन नेताओं की तरफ से ऐसा पहली बार किया जा रहा है।
यदि ट्रेडमार्क मंजूर हो जाता है, तो पूरे यूरोप में उनकी आवाज का विशेष अधिकार उन्हें मिल जाएगा और कोई दूसरा बिना अनुमति के उनकी आवाज का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा, जिससे नकली कंटेंट और धोखाधड़ी से बचाव होगा। यह ट्रेडमार्क 10 साल के लिए मिलता है और बाद में नवीनीकरण कराना पड़ता है।

बांग्लादेश में शारदीय नवरात्रि पर सुरक्षा का जिम्मा अंसार और वीडीपी को

ढाका। देश में शारदीय नवरात्रि और इस अवसर पर सजने वाले दुर्गा पंडालों की सुरक्षा बांग्लादेश अंसार एंड विलेज डिफेंस पार्टी (वीडीपी) को सौंपा गया है। बांग्लादेश अंसार एंड विलेज डिफेंस पार्टी गृह मंत्रालय के अधीन सहायक अर्धसैनिक बल है। इस बल ने शारदीय दुर्गा पूजा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए पूरे देश में सुरक्षा के अग्रिम उपाय शुरू कर दिए हैं। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार देररात जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि बल के सदस्यों ने देशभर में मूर्ति बनाने वाली जगह, पूजा पंडालों और मंदिरों का दौरा शुरू कर दिया है। आयोजन समितियों के नेताओं, मंदिर अधिकारियों और मूर्ति बनाने वालों के साथ बातचीत की जा रही है। यह उपाय बांग्लादेश अंसार एंड विलेज डिफेंस पार्टी के महानिदेशक मेजर जनरल अब्दुल मोतालेब सज्जाद महमूद के निर्देश पर जिला और उपजिला स्तर पर किए जा रहे हैं। बताया गया है कि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए स्थानीय प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय पर भी जोर दिया जा रहा है। महानिदेशक ने दुर्गा पूजा पंडालों में समग्र सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने तथा आपात स्थिति में त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने में सहयोग करने के लिए भी कहा है।

नेपाल में अमेरिकी परियोजना एमसीसी कॉम्पैक्ट की अवधि एक साल बढ़ेगी

काठमांडू। नेपाल वित्त मंत्रालय के अनुसार, नेपाल और अमेरिका के बीच मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन कॉम्पैक्ट के कार्यान्वयन की अवधि को अधिकतम एक वर्ष बढ़ाने को लेकर सहमति करीब पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद विदेशी सहायता की समीक्षा के कारण एमसीसी से वित्तपोषित परियोजनाओं का काम कई महीनों तक प्रभावित रहा। इसके अलावा, त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण भी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। इन्हीं कारणों से अवधि बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। एमसीसी कॉम्पैक्ट के तहत परियोजनाओं को आम तौर पर समझौते के लागू होने की तारीख से पांच वर्ष के भीतर पूरा करना होता है। नेपाल का एमसीसी कॉम्पैक्ट 30 अगस्त 2023 को लागू हुआ था। इसके अनुसार परियोजनाएं अगस्त 2028 तक पूरी होनी है। मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित विस्तार 'नो-कॉस्ट एक्सटेंशन' होगा। यानी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन इसके लिए परियोजना की कुल लागत नहीं बढ़ाई जाएगी। इस मुद्दे पर वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान भी चर्चा हुई। उन्होंने एमसीसी के कार्यवाहक उपाध्यक्ष जेसन स्मॉल से मुलाकात की थी।

हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट पर किया बड़ा हमला, 3 लोगों की मौत, 36 घायल

काहिरा

ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दो बड़े हवाई अड्डों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 36 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सऊदी जनरल अथॉरिटी फॉर सिविल एविएशन ने आभा और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमलों के लिए किसी पक्ष को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया, लेकिन हूती विद्रोहियों ने पहले ही इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी। अधिकारियों ने बताया कि आभा एयरपोर्ट पर हुए हमले में मोरक्को और अल्जीरिया के रहने वाले लोगों की मौत हुई और 28 अन्य लोग घायल हो गए, जबकि किंग खालिद एयरपोर्ट पर हुए हमले में सूडान के एक नागरिक की मौत हुई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी

नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने कहा कि सेना ने रियाद के उत्तर में एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका और यमन की राजधानी सना में उस प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया जिसका इस्तेमाल सऊदी राजधानी पर हमले के लिए किया गया था।

तेल कंपनियों की सुरक्षा बढ़ाई गई

जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में रियाद को निशाना बनाए जाने के बाद राजधानी के एयरपोर्ट के पास सऊदी सरकार की तेल कंपनी 'अरामको' के फ्यूल टैंक और अन्य उपकरणों के चारों ओर पिंजरे जैसी नई बाड़ लगाई गई है। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देश सऊदी अरब में हाल के दिनों में तेल और सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया गया है। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक शिपिंग मार्ग पर खतरा पैदा हो गया है, जहां ईरान के साथ संघर्ष के कारण आवाजाही कम हो गई है।

हूतियों पर जवाबी कार्रवाई

सऊदी अरब और सहयोगी यमनी सेनाओं ने ज़मीन और हवा से एक बड़ा हमला शुरू किया है। इसका मकसद उन इलाकों को वापस हासिल करना है जिन पर विद्रोहियों ने एक महीने पहले यमन के पश्चिमी लाल सागर तट और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास कब्ज़ा कर लिया था। इन ठिकानों से हूती विद्रोहियों को बेहतर निगरानी की सुविधा मिलती थी, जिससे वे सऊदी-संबंधित जहाजों की आवाजाही को रोकने की कोशिश कर रहे थे।

7 अक्टूबर की बरसी पर लिकुड ने चैनल-12 पर साधा निशाना, नेतन्याहू का किया बचाव

तेल अवीव। इजराइल में 07 अक्टूबर 2023 के हमले की तीसरी बरसी पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए समाचार चैनल चैनल-12 पर निशाना साधा। पार्टी ने चैनल पर नेतन्याहू के खिलाफ ''झूठा राजनीतिक प्रचार'' प्रसारित करने का आरोप लगाया और हमास के हमले से पहले तथा उसके दौरान हुई सुरक्षा संबंधी विफलताओं के लिए प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी पर उठ रहे सवालों को खारिज करने की कोशिश की। लिकुड ने हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नेतन्याहू को 07 अक्टूबर की सुबह हमास के हमले की कोई पूर्व चेतावनी नहीं मिली थी। पार्टी के अनुसार, प्रधानमंत्री को पहली जानकारी सुबह 6:29 बजे मिली। लिकुड ने हमले से पहले की खुफिया आकलनों का हवाला देते हुए कहा कि उस समय हमास को नियंत्रित माना जा रहा था और वह तनाव कम करने की कोशिश कर रहा था। पार्टी ने हालांकि यह आरोप लगाया कि सुरक्षा तंत्र के कुछ अधिकारियों को हमले से पहले के घंटों में खतरे के संकेत मिले थे, लेकिन उन्होंने नेतन्याहू, पुलिस, सीमा से लगे समुदायों, स्थानीय सुरक्षा टीमों, सैनिकों या नोवा संगीत समारोह में मौजूद लोगों को समय रहते इसकी जानकारी नहीं दी। लिकुड ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री को वास्तविक समय में जानकारी दी गई होती तो परिस्थितियां अलग होतीं। लिकुड ने अपने बयान में बाद में युद्ध के दौरान नेतन्याहू के नेतृत्व में इजराइल की सैन्य उपलब्धियों का उल्लेख किया और चैनल-12 पर दक्षिणपंथी सरकार को गिराने तथा वामपंथी और अरब दलों की सरकार स्थापित कराने की कोशिश का आरोप लगाया। पार्टी ने दावा किया कि ऐसी सरकार फिलिस्तीन राज्य की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ेगी। ये आरोप लिकुड के राजनीतिक बयान का हिस्सा हैं। इस बीच, नेतन्याहू ने 07 अक्टूबर की तीसरी बरसी पर आयोजित कई स्मृति समारोहों में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने सोमवार को सरकार द्वारा तय आधिकारिक हिब्रू कैलेंडर की तारीख पर आयोजित स्मृति कार्यक्रम में भाग लिया था। बुधवार के कई कार्यक्रम पीड़ितों के परिवारों और हमले से बचे लोगों द्वारा आयोजित किए गए। बरसी के मौके पर 07 अक्टूबर की सुरक्षा विफलता को लेकर इजराइल में राजनीतिक और सार्वजनिक बहस भी जारी है।

जलवायु आपदा पर नेपाल का आपातकालीन प्रस्ताव आईपीयू महासभा में दो-तिहाई बहुमत से पारित

काठमांडू

तंजानिया के अरुशा में जारी अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 153वीं महासभा में नेपाल द्वारा प्रस्तुत जलवायु जनित आपदाओं से संबंधित आपातकालीन प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित हो गया है।

नेपाली संसद के स्पीकर डोल प्रसाद (डीपी) अर्याल द्वारा प्रस्तुत 'हिमालयी क्षेत्र तथा अन्य जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में जलवायु संबंधी आपदाओं से निपटने और लचीलापन मजबूत करने के लिए तत्काल संसदीय कदम' शीर्षक वाले आपातकालीन एजेंडे को महासभा में दो-तिहाई बहुमत मिला।

इस अवसर पर स्पीकर अर्याल ने हिमालय को मानवता की साझा विरासत और एशिया का 'वाटर टावर' बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय, ग्लेशियरों और हिमतालों पर बढ़ता खतरा पूरी मानव सभ्यता के लिए चुनौती बन रहा है।

नेपाल द्वारा हाल में झेली गई जलवायुजनित आपदाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु न्याय और संसदीय जवाबदेही के लिए दुनिया की संसदों के बीच साझा जिम्मेदारी और सहयोग आवश्यक है।

अर्याल ने कहा कि महासभा द्वारा नेपाल के प्रस्ताव को पारित किया जाना केवल नेपाल की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आईपीयू के सभी सदस्य देशों और सांसदों की भी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने जलवायुजनित आपदाओं से निपटने के लिए संसदीय जलवायु कूटनीति को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

प्रस्ताव में सदस्य देशों के बीच जलवायु और मौसम संबंधी सीमापार पूर्व चेतावनी प्रणाली तथा तकनीक तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कानूनी ढांचा तैयार करने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन के लिए संबंधित देशों की कार्यपालिका को संसदीय स्तर से जवाबदेह बनाने की आवश्यकता भी प्रस्ताव में उठाई गई है। स्पीकर अर्याल ने विश्व समुदाय से दोषारोपण के बजाय जलवायु आपदाओं से प्रभावित लोगों की सुरक्षा, न्याय और सुरक्षित भविष्य के लिए साझा समाधान विकसित करने का आह्वान किया। आपातकालीन प्रस्ताव को एजेंडे में शामिल करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के उद्देश्य से सभामुख अर्याल ने महासभा के सदस्यों से समर्थन मांगा था।

यरुशलम वाणिज्य दूतावास बंद होने का खतरा

यरुशलम। यरुशलम में एक पुराना ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास बंद होने की कगार पर है, और इसके साथ ही ब्रिटेन और इजरायल के बीच के संबंध भी एक अभूतपूर्व निचले स्तर पर पहुँच गए हैं। बताया जा रहा है कि अगर इजरायल इस हफ्ते पूर्वी यरुशलम में स्थित इस ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास को बंद करने के आदेश पर अमल करता है, तो ब्रिटेन जवाबी कार्रवाई में लंदन स्थित इजरायली दूतावास से राजनयिकों को निष्कासित कर सकता है। यह गंभीर राजनयिक टकराव इजरायली बस्तियों पर ब्रिटेन द्वारा लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के ऐलान के बाद उपजा है, जिसने दोनों पुराने सहयोगी देशों के बीच तनाव को और गहरा कर दिया है। इजरायल ने 8 सितंबर को ब्रिटेन को यह आदेश दिया था कि वह 30 दिन के अंदर पूर्वी यरुशलम का वाणिज्य दूतावास बंद करे और वहां से अपने राजनयिकों को हटा ले। यह आदेश ब्रिटेन के उस ऐलान के तुरंत बाद आया, जिसमें उसने कब्जे वाले वेस्ट बैंक की इजरायली बस्तियों में बने सामान पर व्यापार प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। वाणिज्य दूतावास बंद करने की 30 दिन की यह समय-सीमा गुरुवार को समाप्त हो रही है। इस फैसले से वहां काम करने वाले करीब 30 ब्रिटिश राजनयिक और उनके परिवार सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। आशंका है कि अगर इजरायल इस वाणिज्य दूतावास को बंद करता है, तो ब्रिटेन भी लंदन में इजरायली दूतावास से उतने ही इजरायली राजनयिकों को निष्कासित कर सकता है। हालांकि, ब्रिटेन यह कदम कितनी जल्दी उठाएगा, इस बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

बलूच लड़ाकों ने ग्वादर पोर्ट जा रहे कार्गो काफिले पर हमला कर ट्रेलरों को जलाया

ड्रायवर को किया अगवा, वारदात में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की नाकामी सामने आई

क्वेटा

बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के साथ-साथ चीन के हितों को भी सीधे निशाना बनाया है। तुर्बत जिले के पास नासिराबाद इलाके में हथियारों से लैस बलूच विद्रोहियों ने ग्वादर पोर्ट की तरफ जा रहे एक बड़े कार्गो काफिले पर हमला कर दिया। भारी गोलीबारी करते हुए हमलावरों ने वाहनों को जबरन रोका, चालकों को बंदूक की नोक पर बाहर निकाला और फिर सामान से लदे दो बड़े हैवी ट्रेलरों को आग के हवाले कर दिया।

इस भीषण हमले में हमलावरों ने एक ड्राइवर का अपहरण भी कर लिया और सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले ही वे आसपास की दुर्गम पहाड़ियों में गायब हो गए। आग इतनी भयानक थी कि ग्वादर बंदरगाह के लिए भेजा जा रहा कीमती सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। यह हमला एक बार फिर साबित करता है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की रीढ़ माने जाने वाले ग्वादर प्रोजेक्ट पर बलूच विद्रोहियों का खौफ किस कदर हावी है और अब पाकिस्तान के साथ-साथ सीधे चीन के निवेश और हितों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

इस वारदात की सबसे चौंकाने वाली बात पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की नाकामी रही। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जब हमलावर कार्गो गाड़ियों पर गोलियां बरसा रहे थे और ट्रकों को फूंक रहे थे, उस दौरान पाकिस्तानी सेना या पुलिस का कोई भी जवान मौके पर नहीं पहुंचा। जब तक सुरक्षा बल पहुंचे, तब तक हमलावर ड्राइवर को अगवा कर आराम से फरार हो चुके थे। घटना के बाद अब सेना और फ्रंटियर कोर ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके आसपास के पहाड़ी इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है ताकि अगवा किए गए ड्राइवर को सुरक्षित वापस लाया जा सके। लॉजिस्टिक्स पर यह हमला इस बात का साफ संकेत है कि बलूच उग्रवादियों ने अब अपनी रणनीति पूरी तरह बदल ली है। वे केवल सुरक्षा बलों की चौकियों पर ही हमले नहीं कर रहे, बल्कि ग्वादर को पूरे पाकिस्तान से जोड़ने वाले आर्थिक और व्यापारिक रास्तों को तबाह कर रहे हैं। जब ग्वादर जाने वाले सामान से लदे ट्रेलरों को इस तरह सरेआम जलाया जाएगा और ड्राइवरों का अपहरण किया जाएगा, तो कोई भी निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी या ड्राइवर इस रूट पर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा। इसका सीधा असर ग्वादर पोर्ट के वाणिज्यिक ऑपरेशन्स पर पड़ेगा और चीन द्वारा अरबों डॉलर के निवेश से बनाया जा रहा यह ड्रीम प्रोजेक्ट कागजों तक ही सीमित रह जाएगा।

बलूचिस्तान में लगातार हो रहे इन हमलों से बीजिंग में बैठे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के आला अधिकारी नाराज हैं। चीन कई बार पाकिस्तान से अपने प्रोजेक्ट्स और अपने नागरिकों को पुख्ता सुरक्षा देने की मांग कर चुका है] लेकिन पाकिस्तान सरकार की आर्थिक तंगी और कमजोर सैन्य खुफिया तंत्र के कारण बलूचिस्तान में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। तुर्बत के पास हुआ यह हमला उस वक्त आया है जब पाकिस्तान पहले से ही भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में व्यापारिक रास्तों पर हमले होना, लॉजिस्टिक्स का जलना और चीनी कंपनियों का भरोसा टूटना इस्लामाबाद के लिए किसी बड़े राष्ट्रीय आपदा से कम नहीं है।

भारी बर्फबारी से हिल्सा-सिमकोट सड़क बंद, चीन के पुरंग में फंसे करीब 300 नेपाली

काठमांडू

नेपाल-चीन सीमा पर हिल्सा-सिमकोट सड़क मार्ग पर भारी बर्फ गिरने से आवागमन बाधित होने के बाद हुम्ला से चीन गए करीब 300 नेपाली नागरिक तिब्बत के पुरंग में फंस गए हैं। सड़क बंद होने के कारण वे नेपाल वापस नहीं लौट पा रहे हैं और चीन में ही रहने को मजबूर हैं।

पुरंग में मौजूद साम चेन द्वारा ऑनलाइन दी गई जानकारी के अनुसार, हुम्ला के विभिन्न स्थानीय निकायों के करीब 300 नेपाली नागरिक इस समय पुरंग में रुके हुए हैं। इनमें अकेले नाम्खा गांवपालिका के 150 से अधिक नागरिक शामिल हैं। चेन के अनुसार, बर्फबारी के कारण हिल्सा से सिमकोट आने वाला सड़क मार्ग बंद है। इसलिए वे घर वापस नहीं लौट पा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हुम्ला के विभिन्न स्थानीय निकायों के नागरिकों के अलावा भारत से आए कुछ लोग भी पुरंग में फंसे हुए हैं। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के डारी प्रीफेक्चर में स्थित पुरंग काउंटी, हुम्ला के हिल्सा नाके से जुड़ा प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र है। हुम्ला से व्यापार, रोजगार और अन्य कामों के लिए पुरंग गए नेपाली नागरिक सड़क बंद होने के बाद वहीं रुक गए हैं।

हिल्सा से सिमकोट लौटने वाले मार्ग पर भारी बर्फ जमने के कारण वाहनों का संचालन नहीं हो पा रहा है। पैदल आवागमन भी जोखिमपूर्ण हो गया है। ऐसे में नेपाली नागरिक पुरंग में ही रहने को मजबूर हैं। पुरंग में फंसे नागरिकों का कहना है कि जब तक बर्फ हटाकर सड़क को चालू नहीं किया जाता, तब तक नेपाल लौटना संभव नहीं है। लंबे समय तक सड़क बंद रहने के कारण उनके रहने, खाने-पीने और अन्य दैनिक जरूरतों पर भी असर पड़ने लगा है।

हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोलानाथ गुरागाई ने बताया कि हिल्सा-सिमकोट सड़क पर बर्फ जमा होने के कारण चीन की ओर गए व्यापारी और स्थानीय लोग वहीं रुके हुए हैं। उनके अनुसार, पुरंग क्षेत्र में जमा बर्फ हटाए जाने के बाद ही हिल्सा के रास्ते हुम्ला लौटने की स्थिति बनेगी। उन्होंने कहा, 'हिल्सा से सिमकोट आने वाली सड़क पर बर्फ होने के कारण व्यापारी और स्थानीय लोग ताक्लाकोट की ओर रुके हुए हैं। रास्ता नहीं खुलने तक फिलहाल समस्या बनी हुई है।'

सड़क बंद होने से हुम्ला के उत्तरी क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियां और स्थानीय लोगों का आवागमन भी प्रभावित हुआ है। खासकर चीन के पुरंग पहुंचे नेपाली नागरिक सड़क खुलने का इंतजार कर रहे हैं। लगातार बर्फबारी के कारण यदि लंबे समय तक सड़क नहीं खुली तो पुरंग में फंसे नेपाली नागरिकों की परेशानी और बढ़ सकती है। नाम्खा गांवपालिका के ही 150 से अधिक नागरिकों के वहां फंसे होने की जानकारी के बाद स्थानीय निकाय, जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय की जरूरत महसूस की जा रही है।

चीन में फंसे नेपाली नागरिकों ने तत्काल सड़क खोलने या ऐसा संभव नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक माध्यम से वहां से निकालने की व्यवस्था करने की मांग की है। ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्र में लगातार बर्फबारी के कारण सड़क खोलने में समय लगने की संभावना है। हुम्ला के नागरिकों के लिए हिल्सा-सिमकोट सड़क मुख्य आवागमन मार्ग है। इसके बंद होने से दैनिक जीवन, व्यापार और आवाजाही पर सीधा असर पड़ा है। सड़क जल्द नहीं खुली तो पुरंग में फंसे नेपाली नागरिकों की परेशानी और लंबी हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है– इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अक्टूबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 09:37 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 09:20 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 11:20 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:54 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:58 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : चतुर्दशी श्राद्ध , शस्त्राहितानां श्राद्ध , भद्रा प्रातः 09:54 तक , विश्व डाक दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गो सम्मान आह्वान अभियान की मांग–गो माता को राष्ट्रीय सम्मान और संवैधानिक दर्जा मिले

देशभर में गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध और केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना की मांग

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गो सम्मान आह्वान अभियान समिति ने गुरुवार को केंद्र और राज्य सरकारों से गो माता के संपूर्ण संरक्षण, देखभाल और राष्ट्रीय सम्मान को सुनिश्चित करने की मांग की। समिति ने देशभर में गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा गो माता को संवैधानिक दर्जा देने की भी मांग की।

हैदरगुडा स्थित एनएसएस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शिव मंदिर गोशाला, गोवत्स फाउंडेशन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन और तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में श्रद्धालु पूज्यपाद प्रकाश दास, वैदिक गुरु डॉ. अमिताचार्य महाराज, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम धर्म प्रचार बोर्ड के पूर्व सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, राधे महाराज, शिव मंदिर गोशाला के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी मुकेश चौहान, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार, अधिवक्ता विनोद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

'गो सम्मान अब राष्ट्रीय अभियान और जनांदोलन'

पूज्यपाद प्रकाश दास महाराज ने कहा कि सभी लोग एक ऐसे पवित्र और राष्ट्रव्यापी उद्देश्य के लिए एकत्र हुए हैं, जो केवल सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि भावी राष्ट्र के स्वास्थ्य और स्वावलंबन की नींव है। उन्होंने कहा कि 'गावो विश्वस्य मातरः' अर्थात गाय पूरे विश्व की माता है। भारत वह भूमि है, जहां गाय को केवल एक पशु नहीं, बल्कि माता का दर्जा दिया गया है। गो माता की उपस्थिति मात्र से वातावरण में पवित्रता, शांति और सकारात्मकता का संचार होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गो सम्मान केवल एक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अभियान और जनांदोलन बन चुका है।

गोमाता को सड़कों पर बेसहारा न छोड़ने का आह्वान

वैदिक गुरु डॉ. अमिताचार्य महाराज ने कहा कि अभियान के तहत यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि कोई भी गोमाता सड़कों पर बेसहारा, भूखी या प्लास्टिक और कचरा खाने को मजबूर न हो। गोवंश के गोबर और गोमूत्र से बनने वाली खाद और जीवामृत ही भारत भूमि की उर्वरता को वापस लौटा सकते हैं। गो-आधारित खेती से मिट्टी स्वस्थ होगी और जहरीले रसायनों से मुक्त भोजन आने वाली पीढ़ियों को बीमारियों से बचा सकेगा।

उन्होंने गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दूध के साथ-साथ पंचगव्य, धूप और औषधीय गो-उत्पादों को दैनिक जीवन में अपनाने पर बल दिया।

'गो सम्मान प्रत्येक नागरिक का व्यक्तिगत कर्तव्य'

कमलेश महाराज ने कहा कि गो सम्मान अभियान किसी एक संस्था या सरकार का काम नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का व्यक्तिगत कर्तव्य है। जब तक हर घर से पहली रोटी गोमाता के लिए नहीं निकलेगी और हर गांव-शहर में गोवंश के संरक्षण का संकल्प नहीं लिया जाएगा, तब तक यह अभियान पूर्ण नहीं होगा।

राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा देने की मांग

जसमत पटेल ने कहा कि गत 27 अप्रैल और 27 जुलाई को भारतवासियों एवं गोप्रेमियों के माध्यम से पूरे भारतवर्ष के मंडल और तहसील स्तर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों के नाम से मंत्री, जिलाधीश, तहसीलदार, ब्लॉक अधिकारी तथा विभिन्न सरकारी अधिकारियों से भेंट कर गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत गोमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा दिलाने, केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना तथा एकीकृत केंद्रीय कानून निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपे गए।

उन्होंने बताया कि गो सम्मान आह्वान अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र एवं भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना करना है। अभियान के तहत गोमाता को तीन प्रमुख अधिकार दिलाने की मांग की जा रही है। सेवा, जिसमें गोमाता के लिए उचित अनुसंधान और अनुदान मिले; सुरक्षा, जिसके तहत भारत से गोहत्या पूरी तरह समाप्त हो; तथा सम्मान, जिसके तहत गोमाता को राष्ट्रमाता, राष्ट्रदेव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर और राष्ट्र आधार का दर्जा मिले।

जसमत पटेल ने कहा कि गो सेवा के लिए केंद्रीय कानून बनाया जाए, जिससे पूरे भारत में समान रूप से गो सेवा हो सके। भारतवर्ष में गोहत्या पूरी तरह समाप्त हो, जिससे गोमाता पूर्णतः सुरक्षित हो।

780 जिलों में संतों और गोप्रेमी कार्यकर्ताओं को जोड़ने की योजना

अमित अग्रवाल ने कहा कि देशभर में गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्तर पर तीन संत और तीन गोप्रेमी कार्यकर्ता जोड़े जाएंगे। ये कार्यकर्ता जिले के अन्य गोप्रेमी संतों और गौरक्षकों को जोड़ेंगे तथा अपने-अपने क्षेत्र के तहसीलदार और संबंधित सरकारी अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल, संगठन अथवा केंद्र या राज्य सरकार के विरुद्ध नहीं है, बल्कि गोमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित है। गोवंश की वर्तमान पीड़ादायक स्थिति को देखते हुए समाधान के लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम से 40 करोड़ हस्ताक्षरित निवेदन पत्र प्रेषित किए जाएंगे।

गोहत्या और गो तस्करी पर कठोर कानून की मांग

मुरली मनोहर पलोड ने सरकार से कानून संबंधी प्रमुख आग्रह करते हुए कहा कि गो हत्यारों और गो तस्करी में लिप्त अपराधियों के लिए आजीवन कठोर कारावास जैसी सजा का प्रावधान होना चाहिए। गो तस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की जब्ती के बाद जमानत का प्रावधान नहीं होना चाहिए और उन्हें स्थायी रूप से राजसात कर नीलाम किया जाए अथवा गोशालाओं को उपयोग के लिए सौंपा जाए।

उन्होंने कहा कि कंपनियों के सीएसआर कोष में से एक निश्चित राशि गो सेवा से जुड़े कार्यों के लिए खर्च करने की अनिवार्यता लागू की जाए। पशु मेले के नाम पर हो रही अवैध गो तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय कानून बनाया जाए।

हर प्रांत में गो अभ्यारण्य और प्रत्येक ग्राम पंचायत में नंदीशाला की मांग

रिद्धीश जागीरदार एवं महेश अग्रवाल ने गोशाल-ाओं से संबंधित प्रमुख मांगों की जानकारी देते हुए कहा कि भारत के प्रत्येक प्रांत में कम से कम एक गो अभ्यारण्य उपयुक्त वन भूमि या गोचर भूमि पर खोला जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में निराश्रित नर गोवंश के लिए नंदीशाला की स्थापना की जाए।

उन्होंने गोशालाओं को मनरेगा से जोड़ने की मांग की, ताकि गोशाला में काम करने वाले लोगों को 100 दिन का वेतन मनरेगा से प्राप्त हो और मनरेगा योजना के तहत गोशालाओं में निर्माण कार्य कराया जा सके। पूरे देश में गोवंश की संख्या के आधार पर गोशालाओं को बिजली की यूनिट निःशुल्क आवंटित करने अथवा बिजली बिल में छूट देने की मांग की गई। अधिक दान प्राप्त करने वाले सरकारी नियंत्रण में चल रहे मंदिरों के साथ गोशाला संचालन अनिवार्य करने की भी मांग रखी गई।

गो-संरक्षण और जैविक उत्पाद अपनाने का संकल्प

अभियान समिति ने सभी लोगों को संकल्प दिलाया कि वे गोमाता के संरक्षण और संवर्धन में अपनी शक्ति, समय और संसाधनों का योगदान करेंगे। सभी जैविक और गो-आधारित उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, अपने आसपास की गोशालाओं का सहयोग करेंगे और समाज में गो-सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाएंगे।

अन्य वक्ताओं ने गायों के कल्याण के लिए केंद्रीय कानून बनाने और एक समर्पित मंत्रालय के गठन की मांग की। उन्होंने चारा बोर्ड की स्थापना तथा पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चारा सुरक्षा नीति लागू करने की भी मांग रखी। साथ ही सरकारों से गो-आधारित कृषि और पंचगव्य उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की गई।

11 दिसंबर को मनाया जाएगा 'गो सम्मान दिवस'

आह्वान समिति ने घोषणा की कि आगामी 11 दिसंबर को 'गो सम्मान दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन सभी गोप्रेमी सुबह 8 बजे से 8:15 बजे तक विजय मंत्र का जाप करेंगे और 40 करोड़ जनता के हस्ताक्षर वाला ज्ञापन संबंधित सरकारी अधिकारियों को सौंपेंगे।

समाज की जिम्मेदारी है कि हम सब साथ आगे बढ़ें : योगेश अग्रवाल

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नियमित रूप से चल रही इस अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराते हुए ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम में सदस्यों ने पूरे सेवा भाव के साथ अन्न वितरण किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए योगेश अग्रवाल ने कहा कि समाज की जिम्मेदारी है कि हम सब एक-दूसरे का सहयोग करते हुए साथ आगे बढ़ें। समाज तभी मजबूत बनता है, जब उसमें रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझे और जरूरत के समय दूसरे के काम आए। उन्होंने कहा कि सेवा किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

योगेश अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना मानवता की सबसे सहज और प्रभावी सेवा है। अन्नदान के माध्यम से केवल किसी व्यक्ति की भूख शांत नहीं होती, बल्कि उसके साथ संवेदना और अपनत्व का रिश्ता भी जुड़ता है। सेवा का यह भाव समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना है। सेवा में दिखावा नहीं, बल्कि निस्वार्थ भावना महत्वपूर्ण है।

जब समाज के लोग मिलकर छोटे-छोटे सेवा कार्यों को निरंतरता के साथ करते हैं, तो वही प्रयास आगे चलकर एक बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार बनता है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलालजी गुप्ता, योगेश अग्रवाल, रियान अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए अन्नसेवा को निरंतर जारी रखने और समाज में मानवता, सहयोग एवं सेवा संस्कारों को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया।

मेरू इंटरनेशनल स्कूल ने छात्र-लेखकों की एंथोलॉजी 'द एटलस ऑफ बिकमिंग' का विमोचन किया

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेरू इंटरनेशनल स्कूल ने कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों द्वारा लिखी गई मूल कहानियों का संकलन 'द एटलस ऑफ बिकमिंग' का विमोचन समारोह मनाया। स्कूल के मियापुर परिसर में प्रधानाचार्य द्वारा पुस्तक के आवरण का अनावरण किया गया। यह छह महीने की साहित्यिक यात्रा का उत्कर्ष था। समारोह में गणमान्य अतिथि, छात्र-लेखक, आवरण कलाकार और गर्वित अभिभावक उपस्थित रहे।

इस परियोजना की शुरुआत छात्रों के सामने एक महत्वाकांक्षी चुनौती के साथ हुई0ऐसी कहानियाँ लिखना जो पेशेवर प्रकाशन के मानकों पर खरी उतरें। छह महीने में छात्रों ने 67 मूल कहानियाँ प्रस्तुत कीं, जिनमें से पेशेवर संपादकीय पैनल ने 40 का चयन किया। चयनित रचनाओं को कई दौर के संपादन, मौलिकता और प्रामाणिकता की जाँच के बाद अंतिम रूप दिया गया।

टीवागा पब्लिशिंग के सहयोग से प्रकाशित इस एंथोलॉजी ने युवा लेखकों को कक्षा से आगे बढ़कर पेशेवर प्रकाशन प्रक्रिया का अनुभव दिया। छात्रों ने अपनी रचनाओं को विकसित करने, परिष्कृत करने और संपादकीय सुझावों पर काम करने का अनुशासन सीखा।

पुस्तक का आवरण भी एक मेरू छात्र ने डिज़ाइन किया है, जिससे यह प्रकाशन साहित्यिक और दृश्य दोनों स्तरों पर छात्र-नेतृत्व वाला प्रयास बन गया।

शीर्षक 'द एटलस ऑफ बिकमिंग' युवाओं की उन यात्राओं को दर्शाता है, जिनमें वे अपनी आवाज़, दृष्टिकोण और संभावनाओं को खोजते हैं। एंथोलॉजी में 40 अलग-अलग छात्र आवाज़ें हैं, जो अनुभवों और विचारों की अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत करती हैं तथा मेरी समुदाय की कल्पना और विचारों की विविधता को प्रतिबिंबित करती हैं।

यह पहल मेरू इंटरनेशनल स्कूल की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें छात्रों को अपनी रुचियों को खोजने, अपनी व्यक्तिगत आवाज़ विकसित करने और पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे अनुभवों से जुड़ने के लिए प्रामाणिक मंच उपलब्ध कराए जाते हैं।

40 छात्र-लेखक, 67 प्रस्तुत कहानियाँ और एक मेरी छात्र द्वारा डिज़ाइन किया गया आवरण0द एटलस ऑफ बिकमिंग' युवा आवाज़ों, रचनात्मक महत्वाकांक्षा और छात्रों को अपनी रचनात्मकता को साकार करने का अवसर देने पर उभरने वाली संभावनाओं का जीवंत प्रमाण है।

अष्टविनायक दर्शन से आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हुआ संस्कारी जैनजी समूह

'दी इवॉल्व फेस्ट' के दूसरे अध्याय में 80 प्रतिभागियों ने की चार दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा

पुणे, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व धर्म चेतना मंच, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति की युवा शाखा द्वारा आयोजित 'दी इवॉल्व फेस्ट' के दूसरे अध्याय के अंतर्गत 'दी एट डिवाइन ट्रेल्स' की चार दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा संपन्न हुई। देशभर से चयनित 80 जैनजी प्रतिभागियों ने पुणे के समीप स्थित अष्टविनायक मंदिरों में दर्शन कर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की।

आयोजन में सिद्धेश्वर वंदना की अध्यक्ष प्रिया सांखला, सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन तिरुपति के युवा अध्यक्ष प्रखर गोलेछा सहित निशांत जैन, गौरव मोदी, संयम जैन, सौरभ जैन, मयंक सोलंकी, राहुल जैन, वानिया अग्रवाल, प्राची, इशिता, विनीत जैन, वंदना मिश्रा और याशिका का सम्मान किया गया। यात्रा में सहयोग देने वाले श्रद्धालुओं तथा निशनाई टूर की टीम को भी सम्मानित किया गया।

समापन अवसर पर प्रिया सांखला ने गणपति बप्पा की महिमा और आध्यात्मिक चेतना पर प्रकाश डाला। प्रखर गोलेछा ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

पंडित जितेंद्र श्रीमाली ने गणेश महिमा एवं बीज मंत्रों की जानकारी दी। मयंक सोलंकी और साहिल आहूजा ने संचालन किया, जबकि युवा शाखा के सचिव श्रीकांत विभूतिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सूर्य स्वरूपा गायत्री

वेदमाता गायत्री सूर्य स्वरूपा कही गई हैं। सूर्य ऐसा, जो बाच् ही नहीं, अंतस को भी आलोकित कर देता है।

दूसरे शब्दों में मां गायत्री परमात्मा का ऐसा प्रतीक हैं, जिनकी उपासना से मन में सद्बुद्धि या विवेक को जन्म दिया जा सकता है। यदि मनुष्य यह अनुभूत करने लगे कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, तो सृष्टि का कौन पदार्थ उसके लिए दुर्लभ हो सकता है। इसी कारण गायत्री को 'कामधेनु' या 'कल्पवृक्ष' भी कहा गया है।

ज्ञान की आदि श्रोत होने के कारण ही वे वेदमाता कही गई हैं। उनका कमंडल पवित्रता और माला साधना का प्रतीक है। आदि शक्ति मां गायत्री की विविध स्वरूपों में आराधना की जाती है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं–

मां सरस्वती– विद्या और कला की प्रतीक मां सरस्वती को बहमा की पत्नी माना गया है। साथ ही वे संस्कृति की प्रतीक कही जाती हैं। उनके हाथों में वीणा कला से प्राप्त होने वाले असीम आनंद का प्रतीक है।

मां पार्वती : भगवान शिव की अर्द्धांगिनी पार्वती उस तपश्चर्या की प्रतीक हैं, जिसके माध्यम से शिव अर्थात परमात्मा का प्रतीकात्मक सान्निध्य प्राप्त किया जा सकता है।

मां दुर्गा : आसुरी प्रवृत्तियों के उन्मूलन के लिए विभिन्न देवताओं की शक्तियों के संगम से जन्मी दुर्गा संगठन शक्ति की सुंदर प्रतीक हैं।

> माता गायत्री की उपासना मां सरस्वती, पार्वती, दुर्गा, लक्ष्मी और काली आदि स्वरूपों में की जाती है। प्रत्येक स्वरूप में वे हमें कोई न कोई प्रेरणा प्रदान करती हैं।

मां लक्ष्मी : आदिशक्ति गायत्री का लक्ष्मी स्वरूप परमात्मा के वैभवमय स्वरूप का प्रतीक है। यह स्वरूप देवताओं एवं दैत्यों दोनों को प्राप्त हो सकता है, शर्त मात्र समुद्र मंथन जैसा कठोर श्रम करने की है।

मां काली : अत्याचार की हर सीमा लांघ जाने के बाद सृजनकारी मां रौद्र रूप धारण कर काली का स्वरूप धारण कर लेती हैं और अन्याय के कटे सिर उनके गले की शोभा बनते हैं। वे अन्याय से संघर्ष करने की प्रेरणा देती हैं। (साभार : देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार)

जीवन में संतुलन लाना है श्रीकृष्ण होना

> कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफलिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है।

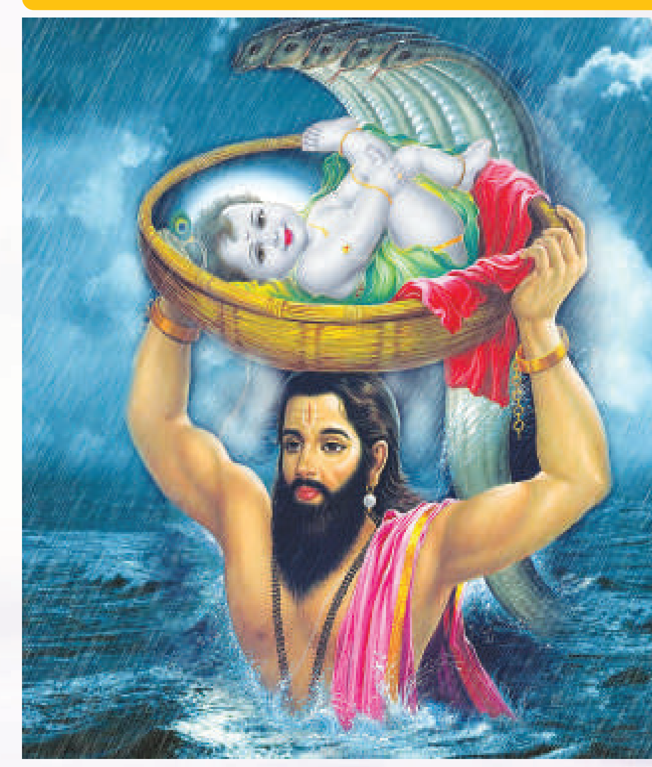

कृष्ण जीवन की संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने म।

कृष्ण जीवन की संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है। अष्टमी का आधा चांद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह सत्य के प्रकट और अप्रकट पहलुओं के बीच एक पूर्ण संतुलन का द्योतक है, दिखने वाले भौतिक जगत और न दिखने वाले आध्यात्मिक जगत के बीच में। आध्यात्मिक और भौतिक दोनों जगत में श्रीकृष्ण पारंगत थे। अष्टमी पर उनके जन्म होने का यही प्रतीक है। कृष्ण का ज्ञान हमारे समय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि न ही वह भौतिक सुखों को बटोरने में आपको खोने देता है और न ही आपको सब कुछ त्यागने देता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाने का अर्थ है कि अत्यंत विपरीत, लेकिन संगत गुणों को आत्मसात करना और अपने जीवन में उन्हें प्रकट करना।

कृष्ण का अर्थ है हमारा सबसे आकर्षक अस्तित्व या आत्मा। राधे-श्याम अनंत का प्रतिनिधित्व करता है। राधे व्यक्तिगत जीवन और श्याम अनंत जीवन हैं। कृष्ण हर जीव की आत्मा हैं और जब व्यक्तित्व में हमारे सच्चिदानंद स्वरूप की चमक दिखने लगती है, तब स्वत: ही जीवन का संपूर्ण संवर्धन होने लगता है। कहा जाता है कि कृष्ण मक्खन चोरी करते थे। इस रूपक का क्या अभिप्राय है। मक्खन एक प्रक्रिया का अंतिम उत्पाद है। पहले दूध को दही बनाया जाता है और फिर अच्छी तरह से मथकर ही वह दही मक्खन बन जाता है। दूध या दही की तरह जीवन का भी मंथन बहुत सारी घटनाओं, परिस्थितियों और उतार-चढाव द्वारा होता है। अंत में मक्खन बाहर निकलता है। वही आपका संतत्व है। इसका सार यह है कि जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। आनंदित और केंद्रित रहना चाहिए। जब सब कुछ जीवन में ठीक है, तब एक बडी मुस्कान रखना आसान है, परंतु यदि आप प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कुरा सकते हैं, तब समझिए कि आपने जीवन में सच में कुछ पाया है।

कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा कुछ ऐसी ही है। उनका एक पांव पृथ्वी पर मजबूती से जमा हुआ है और दूसरा उठा हुआ है, परंतु संतुलित है। ऐसे ही नृत्य हो सकता है। यह पूर्णत: संतुलित जीवन जीने के सही तरीके को दर्शाता है। जब आप मन में खोये हों तो नृत्य संभव नहीं हो पाता है। साक्षी भाव से मन की अशांति को देखने से ही हम उससे ऊपर उठ सकते हैं। यानी जब भी आप अशांत हों, तो यह सोचने के बजाय कि ऐसा नहीं होना चाहिए था, आप बस समर्पण कर दीजिए।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'ऐसा क्यों है कि इतने सारे लोग मेरे बारे में जानने में सक्षम नहीं हैं। इसका कारण यह है कि वे हमेशा अपने राग और द्वेष के बीच फंसे हुए हैं।' जो व्यक्ति तीव्रता से किसी के लिए राग रखता है या किसी के लिए बहुत ज्यादा द्वेष रखता है, वह मोह के मायाजाल में फंस जाता है। इस तरह के व्यक्ति को जब जीवन में कोई समस्या आती है, तो उसका मन पूरी तरह से समस्या को सुलझाने में उलझ जाता है और वह अपना बहुमूल्य समय चिंता में खो देता है। इसके लिए, भगवान कृष्ण कहते हैं, 'जिनके पुण्य फलित होते हैं, वे अपने दुख से मुक्त हो जाते हैं और वे मेरी ओर आकर्षित होने लगते हैं। जिनके पाप (बुरे) कर्म अभी शुद्ध नहीं हुए हैं, वे अज्ञान और भ्रम में फंसे रहते हैं।' जब तुम प्रकाश की ओर चलते हो, तो अज्ञान का अंधकार स्वत: ही गायब होना शुरू हो जाता है। लेकिन पाप तुम्हें प्रकाश की ओर बढने नहीं देता। यही दुख, दर्द और पीडा का कारण बनता है। जब व्यक्ति पूरी तरह से यह जान लेता है कि वह शरीर नहीं है, शुद्ध चेतना है, तो उसे भरपूर शक्ति मिल जाती है। परमात्मा में विश्वास ही पर्याप्त है। वास्तव में परमात्मा को जानने का यही मतलब होता है।

कृष्ण सभी संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना मानव और दिव्यता के सभी पहलुओं का पूरी तरह से खिलना है। जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के उस विराट स्वरूप को अपनी चेतना में एक बार फिर सजीव करने के लिए अपने दैनिक जीवन में अपने सच्चे स्वरूप को प्रकट करना ही कृष्ण के जन्म होने का असली रहस्य है।

एकादशी व्रत करने का अर्थ है- अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना

> ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है। इस दिन व्रत और पूजन की बडी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है।

इस दिन व्रत और पूजन की बडी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। यह माना जाता है कि यह सभी तरह के पापों का नाश करती है।

अचला एकादशी के दिन व्रत से जन्म-जन्मांतर के पाप और कलुषों का नाश होता है। माना जाता है कि माघ में सूर्य के मकर राशि में होने पर प्रयाग स्नान, शिवरात्रि पर काशी में रहकर किया गया व्रत, गया में पिंडदान, वृषभ राशि में गोदावरी स्नान, बद्रिकाश्रम में भगवान केदार के दर्शन या सूर्यग्रहण पर कुरुक्षेत्र में स्नान और दान करने से जो फल मिलता है, वही फल अपरा एकादशी के व्रत से प्राप्त होता है।

इस दिन उपवास करके भगवान के वामन अवतार की पूजा करने से मनुष्य को अपने पापों से मुक्ति मिलती है और विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन तुलसी, चंदन, कपूर, गंगाजल सहित भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। देश में कहीं-कहीं बलराम-कृष्ण भी पूजा भी होती है। कहते हैं इस एकादशी के फल के बारे में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया था कि अपरा एकादशी पुण्य प्रदाता और बडे पापों का नाश करने वाली है। इस दिन व्रत करने वाला किसी भी तरह के पाप से मुक्त होकर अंतत: विष्णुलोक में प्रतिष्ठा पाता है।

विष्णु पूजन शुभ फलदायी

अपरा एकादशी व्रत के दिन पूजा अर्चना का विशेष विधान रहता है। इस व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि से ही हो जाता है। व्रतधारक को दशमी तिथि से ही भोजन और आचार-विचार में संयम रखना चाहिए। एकादशी के दिन प्रात: जल्दी उठकर अन्य क्रियाओं से निवृत्त हो स्नान आदि के पश्चात भगवान विष्णु का पूजन किया जाना चाहिए। संध्या समय में भगवान को फल-फूल का भोग लगाकर धूप दीप से उनका पूजन करना चाहिए। इस व्रत की कथा का श्रवण करने से भी विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है।

इंद्रियों पर नियंत्रण के लिए एकादशी व्रत

शास्त्रों में कहा गया है- आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु। बुद्धिं तु सारथि विद्धि येन श्रेयोऽहमाप्यनुयाम। अर्थात आत्मा को रथी जानो, शरीर को रथ और बुद्धि को सारथी मानो। इनके संतुलित व्यवहार से ही श्रेय अर्थात श्रेष्ठत्व की प्राप्ति होती है।

इसमें इंद्रियों का अश्व तथा मन का लगाम होना भी अंतर्निहित है। ऋषियों ने अन्य मंत्रों में इसका भी जिक्र किया है। इस प्रकार दस इंद्रियों के बाद मन को ग्यारहवीं इंद्रि माना गया है। अतएव इंद्रियों की कुल संख्या एकादश होती है।

एकादशी तिथि को मन:शक्ति का केंद्र चंद्रमा क्षितिज की एकादशवीं कक्षा पर अवस्थित होता है। यदि इस अनुकूल समय में मनोनिग्रह की साधना की जाए तो वह सद्य: फलवती सिद्ध हो सकती है।

इसी वैज्ञानिक आशय से एकादशी पर धर्मानुष्ठान और व्रतोपवास का विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो एकादशी व्रत करने का अर्थ है- अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना।

चार मठ स्थापित कर आदि शंकराचार्य ने फूंके थे सनातन धर्म में प्राण

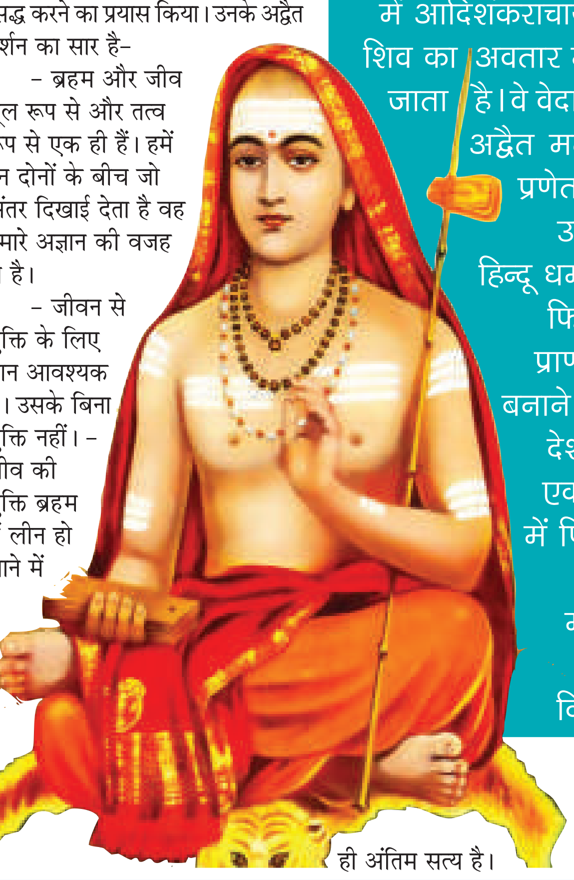

> भारतीय प्राचीन परंपरा में आदिशंकराचार्य को शिव का अवतार माना जाता है। वे वेदांत के अद्वैत मत के प्रणेता थे। उन्होंने हिन्दू धर्म को फिर से प्राणवान बनाने और देश को एकसूत्र में पिरोने का महती कार्य किया।

शंकराचार्य कहा कि परमात्मा एक ही समय में सगुण और निर्गुण दोनों ही स्वरूपों में रहता है। उन्होंने वेदों के ज्ञान को पूरे भारतवर्ष में पहुंचाने का काम किया और इस तरह भारतीय संस्कृति के उत्कर्ष में अहम भूमिका निभाई।

आदिशंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में धार्मिक मठों की स्थापना की। उन्होंने दक्षिण के श्रृंगेरी में शंकराचार्य पीठ, जगन्नाथपुरी में गोवर्धनपीठ, पश्चिम द्वारका में शारदामठ और बद्रिकाश्रम में ज्योतिर्पीठ स्थापित किया। ये मठ भारत की एकात्मकता के परिचायक हैं।

इन चारों मठों के लिए उन्होंने शंकराचार्य पद की स्थापना करके अपने चार प्रमुख शिष्यों को यहां आसीन किया।

आदि शंकराचार्य आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए थे, बारह वर्ष की आयु में पहुंचते हुए वे सभी शास्त्रों में पारंगत थे, चौदह वर्ष की उम्र में ब्रहमसूत्र, गीता, उपनिषद पर भाष्य रचकर अल्पायु में उन्होंने संसार त्याग दिया।

अद्वैत मत के प्रवर्तक शंकराचार्य का दृष्टिकोण समन्वयवादी था। एक तरफउन्होंने अद्वैत चिंतन को पुनर्जीवित किया, तो दूसरी तरफउन्होंने जनसामान्य में प्रचलित मूर्तिपूजा का औचित्य भी सिद्ध करने का प्रयास किया। उनके अद्वैत दर्शन का सार है–

- ब्रहम और जीव मूल रूप से और तत्व रूप से एक ही हैं। हमें इन दोनों के बीच जो अंतर दिखाई देता है वह हमारे अज्ञान की वजह से है।

- जीवन से मुक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है। उसके बिना मुक्ति नहीं। - जीव की मुक्ति ब्रहम में लीन हो जाने में ही है। ब्रहम ही अंतिम सत्य है।

मन का संदेह

एक व्यक्ति की घडी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घडी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कडाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घडी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपडों के साथ अपनी घडी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था। व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते हैं।

गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है

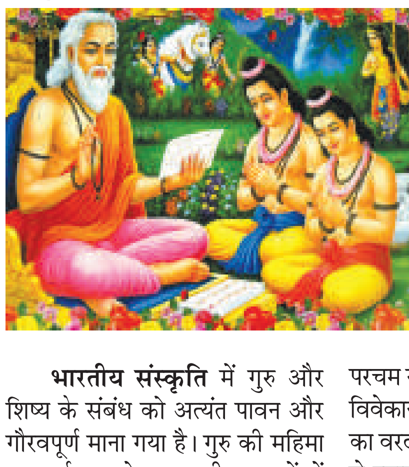

> हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य के संबंध को अत्यंत पावन और गौरवपूर्ण माना गया है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है। इसलिए हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

गुरु वह ऊर्जावान और ज्ञान का पुंज है जो हमारे भीतर आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करके सत्य से हमारा साक्षात्कार कराता है। गुरु के सानिध्य से जीवन की दिशा और दशा, दोनों बदल जाती है। उदाहरणस्वरूप अपनी विलक्षण प्रतिभा और ओजस्वी वाणी के द्वारा भारत की संस्कृति का परचम संपूर्ण विश्व में लहराने वाले स्वामी विवेकानंद को जब गुरु रामकृष्ण परमहंस का वरदहस्त प्राप्त हुआ तब वह नरेंद्रनाथ से स्वामी विवेकानंद के रूप में प्रसिद्ध हुए। इसी प्रकार गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा, प्रेरणा और आशीर्वाद ने अजरुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के रूप में प्रतिष्ठित किया।1वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का निरंतर हास होता जा रहा है। गुरु शिष्य के पवित्र संबंधों पर भी इसका प्रभाव दिखाई पड रहा है। समाज में आवश्यकता है, ऐसे गुरुओं की जो दया, क्षमा, सदाचार इत्यादि मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए धैर्य, विवेक और त्याग आदि सद्गुणों के माध्यम से शिष्य को अंधकार से निकाल कर प्रकाश की ओर ले चलें। इस प्रकार मानव मन में व्याप्त विष रूपी बुराई को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान होता है, परंतु सद्गुरु बडे भाग्य से मिलता है। सद्गुरु की तलाश शिष्य को ही नहींहोती, बल्कि गुरु भी अपने ज्ञान की धरोहर को सुरक्षित हाथों में सौंप कर परमानंद की अनुभूति करता है। शिष्य के समर्पण और श्रद्धा भाव को देखकर उसका अंतर्मन आश्वस्त हो जाता है।

वह शिष्य की कमियों को धैर्यपूर्वक सुधारते हुए उसे दिव्य ज्ञान प्रदान करता है। सौभाग्यवश ऐसे स्वयंसिद्ध गुरु का संरक्षण यदि किसी को भी प्राप्त हो जाए, तो उसके जीवन में संकट रूपी बादलों के छाने के बावजूद उसका मन कभी विचलित नहींहोता। कल्याण के मार्ग में प्रवृत्त करने वाले ऐसे गुरुजनों को शत-शत नमन।

ये 7 उपाय हों साथ तो जिंदगी बन सकती है खास

> **वास्तु जिंदगी** पर कैसे प्रभाव डालता है। इस बात को आप आजमा कर ही समझ सकते हैं। भले ही वास्तु के उपाय भले ही छोटे-छोटे होते हैं, लेकिन जिंदगी में ये बहुत कारगर सिद्ध होते हैं।

ऐसे ही कुछ वास्तु उपाय आजमाकर, जिंदगी को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

- पूजाघर में बांसुरी रखना बहुत शुभ माना जाता है। यदि घर में मछलीघर रखते हैं तो इसे ईशान के समीन रखें।
- शयनकक्ष में बैड के सामने शीशा न रखें। यदि मजबूरी हो तो इसे ढककर रखें।
- घर के मालिक का शयनकक्ष हमेशा दक्षिण या नैऋत्य कोण में होना चाहिए। यदि यह संभव नहीं हो तो उसका बिस्तर नैऋत्य कोण में लगाएं।
- घर में हंसता बच्चा किसे अच्छा नहीं लगता इसीलिए शयनकक्ष में हंसते बच्चे के चित्र लगाएं। ऐसा करना शुभ होता है।
- स्वागत कक्ष में सोफे दरवाजे के एकदम सामने न रखें। यदि आप किसी नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह कैसे शमशान आदि से आ रहे हैं तो स्नान करने के बाद ही घर में प्रवेश करें।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हें कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है। अगर आपको कंधे पर बैग कैरी करना अच्छा लगता है, तो आप उन महिलाओं में से एक हैं जो काम और फैमिली दोनों को एक साथ हैंडल करके चलती हैं और जो काफी व्यस्त रहती हैं। आप दिखावे में यकीन नहीं करती हैं और आप काफी प्रैक्टिकल इंसान हैं। आप फैशन से ज्यादा अपने काम पर फोकस करना पसंद है। अगर आप अपना बैग हाथ में पकड़ती है, तो आपको ऐश-ओ-आराम की लाइफ पसंद है। आपको महंगे लेकिन छोटे क्लचेज कैरी करना काफी अच्छा लगता है। अगर आप बैग को बांह के नीचे दबाकर रखती हैं तो आप उन महिलाओं में से हैं, जो लोगों से आसानी से घुलती-मिलती नहीं हैं और उनसे दूरी बनाकर रखती हैं।

आकर्षक चेहरे को देखने से तेज होती है याददाश्त

अगर आप अपनी याददाश्त बढ़ाना चाहते है तो इसके लिए शोधकर्ताओं ने बेहद आसान और अनोखा तरीका खोजा है। विपरीत लिंग के आकर्षक व्यक्ति की ओर लगातार देखने से स्मरण शक्ति बढ़ सकती है विशेषकर पुरुषों की। अमेरिकी पत्रिका पैसिफिक स्टैण्डर्ड में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अपने से विपरीत लिंग के व्यक्ति की ओर देखने से याददाश्त तेज होती है। शोधकर्ताओं ने इसका पता लगाने के लिए दो शोध किए जिसमें पुरुषों को एक आकर्षक और एक साधारण महिला की तस्वीरें दिखाई गई। आकर्षक तस्वीर की ओर देखने वाले पुरुषों की याददाश्त साधारण महिला की तस्वीर देखने वालों की तुलना में बेहतर दिखी। पहले प्रयोग में मनोविज्ञान के 58 छात्रों को विपरीत लिंग के 10 चेहरों को सात सेकंड तक दिखाते हुए एक कहानी सुनाई गई। इन चेहरों में बेहद आकर्षक और साधारण महिलाओं की तस्वीरें शामिल थीं। बाद में पाया गया कि सुंदर चेहरों को देखने वाले पुरुषों को कहानी अच्छे तरीके से याद रही।

हल्के लहंगे चलन में...

जब हम किसी फ्रैंड या किसी रिश्तेदार की पार्टी में जाने के लिए शॉपिंग करते हैं तो हम सोचते है कि ऐसी कौन सी ड्रैस पहनी जाएं जिसमें हम कूल और स्टाइलिश भी लगें तो ऐसे में हमारे मन में सबसे पहला ख्याल लहंगे का आता है, लेकिन आजकल हल्के लहंगे चलन में बहुत हैं। यहां तक की ब्राइडल लुक के लिए यह लहंगे फैशन में बने हुए है। इन लहंगों को आप भारी एम्ब्रॉयडरी की हुई चोली या ब्लाउज के साथ मैच कर पहन सकती हैं। सबसे बड़ी बात कि हल्के लहंगों के साथ आपको ज्वैलरी मैच करने में भी ज्यादा सोचना नहीं पड़ता क्योंकि इस पर कोई भी ज्वैलरी मैच कर जाती है। अगर आप भी किसी फंक्शन के लिए ड्रैस चुन रही है तो आप हल्के लहंगों को चुन सकती है।

ऐसे पाएं लंबी पलकें...

बॉलीवुड अदाकाराओं जैसी लंबी पलकें आप भी पा सकती हैं। पेट्रोलियम जैली जैसे वैसलीन को पलकों पर अप्लाई करने से पलकें और तेजी से बढ़ने लगेंगी। इस घरेलू नुस्खे से आपकी पलकें थिकर और स्ट्रॉन्ग भी हो जाएंगी। आपको हर तीन महीने में अपनी पलकें ट्रिम करनी चाहिए, लेकिन इसके सिर्फ एक छोटे से पार्ट को ही ट्रिम करें। पलकें ट्रिम करने से ये और तेजी से बढ़ने लगेंगी। जैतून का तेल पलकों को विकसित करने के लिए काफी पुराना नुस्खा है। सोने से पहले अपनी पलकों के आसपास एक रुई की मदद से जैतून का तेल लगा लें। पूरी रात जैतून के तेल में मौजूद आवश्यक विटामिन पलकों में समा जाएंगे।

स्टाइलिश दिखने और खुद को अप टू डेट रखने के लिए लोग बॉडी में कहीं न कहीं पियर्सिंग करवा रहे हैं। पियर्सिंग एक पारंपरिक तरीका है जिसमें शरीर पर किसी भी जगह पर त्वचा में छेद कर ज्वेलरी पहनने लायक बनाया जाता है। इयरलोब और नाक की पियर्सिंग बहुत कॉमन है जबकि दूसरे हिस्से जैसे आईब्रो, होंठ, जीभ और अन्य अनेक हिस्सों की पियर्सिंग कराने का चलन इन दिनों बना हुआ है। किसी अन्य बॉडी मॉडिफिकेशन प्रोसेस की तरह ही पियर्सिंग के साथ भी कुछ जोखिम जुड़े हुए हैं और इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

पियर्सिंग के खतरों को जानें...

जिस तरह स्टाइलिश कपड़ों के साथ अच्छे फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह शरीर या होंठ में कौन सी एक्सेसरीज वियर करनी चाहिए, इसके चलते पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। फैशन के लिए पियर्सिंग कराना बहुत अच्छा है लेकिन यह कराने से पहले जरा सावधानियां भी बरतें। जेवर पहनने के लिए कान नाक में छेद करवाने का चलन दुनियाभर में सदियों से रहा है, लेकिन अब फैशन के चलते नाभि से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों को छिदवाने का चलन है, जबकि इस दौरान घाव या संक्रमण होने पर लेने के देने पड़ सकते हैं और लंबे समय तक इलाज कराने की नौबत आ सकती है। ज्यादातर मामलों में पियर्सिंग को बिना किसी एनेस्थेसिया के पियर्सिंग गन या स्टैंडर्ड नीडिल से किया जाता है। अगर साफ सफाई का ध्यान रखते हुए संक्रमण रहित सुई से पियर्सिंग की जाए तो कोई समस्या नहीं होती वर्ना संक्रमण हो जाता है। सुई संक्रमण रहित न हुई तो हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी से लेकर सिफिलिस और एचआईवी जैसी संक्रामक बीमारियों का संक्रमण हो सकता है और रक्त में संक्रमण से सेप्सिस भी हो सकता है। कई महिलाएं कान के बाहरी हिस्से में कई छेद करवाती हैं। ऐसा होने पर कानों को आकार देने वाली कार्टिलेज में भी छेद किया जाता है और इसमें घाव बन सकता है। ऐसे घाव को भरने में बहुत समय लगता है और संक्रमण की भी आशंका होती है।

घाव भरने में देरी

इन दिनों मुंह, जीभ, नाक, भौंह, नाभि आदि में छेद करवाने का चलन है। हर स्थान का घाव भरने में समय लगता है और इसके लिए सावधानी भी बेहद जरूरी है। लेकिन कुछ स्थानों पर पियर्सिंग करवाने पर खास ध्यान देना पड़ता है। मुंह और नाभि में छेद करवाने पर अगर सावधानी नहीं बरती गई तो संक्रमण की आशंका बहुत होती है। नाभि में अक्सर कपड़ों की रगड़ लगने की वजह से घाव भरने में बहुत समय लगता है। जिस जगह छेद करवाया गया हो, जरूरी नहीं है कि उस छेद में हर तरह की धातु के गहने पहने जा सकें। कुछ धातुओं से शरीर की त्वचा को एलर्जी होती है और यह भी नुकसानदेह हो सकता है। कुछ धातुओं से शरीर के किसी भाग की त्वचा में समस्या हो सकती है और किसी भाग में नहीं। अक्सर कहा जाता है कि मधुमेह के रोगियों के घाव भरने में बहुत मुश्किल होती है। लेकिन न्यूमोनिया से लेकर ल्यूपस तक कई बीमारियां ऐसी हैं जिनकी वजह से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और इसका पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में यदि पियर्सिंग हो तो संक्रमण की आशंका अधिक होती है। अगर घाव बन गया तो उसके ठीक होने के बाद भी उसका निशान लंबे समय तक रह सकता है।

टंग पियर्सिंग

जिस तरह अच्छे कपड़ों के साथ अच्छे सैंडल और फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह होंठ या शरीर में कौन सी एक्सेसरीज इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके लिए बॉडी पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। जीभ की पियर्सिंग कराना फैशन स्टेटमेंट बन चुका है। जीभ छिदवाकर स्टड्स पहनना या फिर छोटी सी बाली पहनना उनके लिए खुद को स्टाइलिश साबित करने का एक तरीका है। लेकिन एक नए शोध के अनुसार यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे दांतों से जुड़ी कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जीभ की पियरसिंग कराने से मसूड़ों पर चोट लगती है और हड्डी के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। पियरसिंग कराने वालों में आगे चलकर नर्वस-सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं भी घर कर जाती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीभ की पियर्सिंग के कारण आप दिनभर अपनी जीभ को मुंह में ही इधर-उधर करते रहते हैं। इसकी वजह से मसूड़ों में इन्फेक्शन हो सकता है। इसके चलते बोन-लॉस का खतरा भी हो सकता है। पियर्सिंग टूटकर मुंह से पेट में जा सकती है या फिर किसी नाल में फंस सकती है।

बेली पियर्सिंग

आजकल के फैशन के दौर में अधिकतर युवतियां बेली पियर्सिंग कराना चाहती हैं। नाभि में पियर्सिंग कराना वैसे तो काफी दर्द भरा होता है लेकिन अधिकतर जगहों पर इसे करने से पहले उस स्थान को सुन्न किया जाता है। फिर भी जहां पियर्सिंग कराने जा रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें, हो सके तो अपने दोस्तों और नेट का सहारा लेकर सही जगह का पता लगाएं। पीयर्सिंग का एक मतलब कई गंभीर बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शंस को भी दावत देना है। नाभि और जुबान पर होने वाली पीयर्सिंग से हेपेटाइटिस के संक्रमण होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। यही नहीं जो लोग डाइबिटीज या अन्य स्किन इन्फेक्शंस से पीड़ित होते हैं वे इस तकनीक की वजह से गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। वहीं बुखार, पेट दर्द आदि जैसे संक्रमण होने का भी बहुत खतरा होता है। नार्मल की पीयर्सिंग के बाद त्वचा अक्सर ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लेती है ऐसे में उसके पूरी तरह ठीक होने तक हाइजीन का पूरा खयाल रखना बहुत जरूरी है।

नोज पियर्सिंग

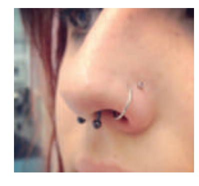

नाक में पियर्सिंग तो आम है लेकिन यदि यह ठीक से न हो तो इसकी वजह से टिश्यूस क्षतिग्रस्त हो सकते हैं जिससे केलॉइड स्कार होने की आशंका भी हो सकती है। ठीक ऐसे ही स्कार होंठों और कान की पीयर्सिंग के कारण भी हो सकते हैं। प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा न करवाए जाने पर किसी भी तरह की ब्लीडिंग या हेमरेज का कारण भी बन सकती है पियर्सिंग। हृदय रोग की फैमिली हिस्ट्री वाले लोगों के लिहाज से विशेषतौर पर पियर्सिंग गंभीर स्थितियां पैदा कर सकती है।

लिप पियर्सिंग

एकदम हटके लुक पाने के लिए इन दिनों लिप पियर्सिंग का चलन भी बढ़ा है लेकिन आपको बता दें कि लिप पियर्सिंग करवाने में सबसे ज्यादा दर्द होता है और साथ ही ये नार्मल होने में भी टाइम लेता है। चूंकि धातुएं आम तौर पर त्वचा के संपर्क में आने पर डरमेटाइटिस यानी त्वचा की सूजन को बढ़ाती हैं, कुछ लोगों को गहनों से एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। इन रिएक्शन्स में सांस लेने में समस्या हो सकती है, छेदन किये गए स्थान पर रेशेज और सूजन आ सकती है। कभी कभी गंभीर होने पर अस्पताल में भी एडमिट होना पड़ सकता है।

चिन पियर्सिंग

इन दिनों चिन पर डबल व सिंगल पियर्सिंग ट्राई किए जा रहे हैं। इसमें स्टोन लगाए जा रहे हैं। वैसे मेटल स्टड्स भी ट्रेंड में हैं। गलत तरीके से छेदने पर कोई तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो सकती है जिससे कि छेद किए जाने वाला और इसके आसपास का स्थान हमेशा के लिए मृत हो सकता है। खासकर जब इसे किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया गया हो। कभी कभी जब छेदन किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया जाता है या छेदने वाला स्थान गलत हो तो सुई किसी नस को छेदकर उसे क्षतिग्रस्त कर सकती है अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है और शरीर में खून की कमी हो सकती है।

आइब्रो पियर्सिंग

इन दिनों आइब्रो पियर्सिंग खूब चल रही है लेकिन पियर्सिंग के घाव को भरने में 2 से 12 महीने का समय लगता है, इसलिए आइब्रो पियर्सिंग बहुत सावधानी से करवाएं। आइब्रो पियर्सिंग में केलोइड्स हो जाए तो सुंदरता को बिगाड़ सकता है। केलोइड्स छेदन किये गए स्थान पर सख्त गांठें या उतकों की अतिरिक्त वृद्धि होते हैं जो बाहर निकले हुए होते हैं और बहुत बदसूरत दिखाई देते हैं। जब भी केलोइड्स के उपचार की बात आती है तो इसकी रोकथाम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी प्रकार का उपचार इन्हें पूरी तरह से नहीं हटा सकता या उपचार पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता।

फिंगर पियर्सिंग

इन दिनों सबसे ज्यादा डिमांड में है फिंगर पियर्सिंग। यह देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं और आप अपने हाथ की किसी भी उंगली पर डबल पियर्सिंग करवा सकते हैं। इसमें नग लगवा सकते हैं, लेकिन यह बात जरूर ध्यान रखें कि शरीर को छेदने पर होने वाला सबसे आम खतरा है संक्रमण। यदि तुरंत उपचार नहीं किया गया तो इससे दाग पड़ सकता है और खून में भी संक्रमण हो सकता है। ध्यान न दिए जाने पर यह आपके ऊपर एक भद्दा दाग छोड़कर आपको बदसूरत बना सकता है।

लोअर वियर्स के नए फैशन...

महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होते या किसी पार्टी में जाने से पहले के समय में अक्सर यह सही सोची हैं कि क्या क्या पहनें? जिससे वे भीड़ में सबसे अलग दिख सके। तो आइए आज हम आपको इस सीजन फैशन की रेस में सबसे आगे चल रहे लोअर वियर्स के बारे में बताते हैं।

प्लीटेड बैगी पैंट

इस तरह के पैंट फॉर्मल वियर के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इन ट्राउजर्स के ऊपरी हिस्से में प्लीट्स होती हैं और ये निचले हिस्से में फिटेड होते हैं। ग्रे, पीच और ऑफ व्हाइट जैसे रंगों के प्लीटेड बैगी ट्राउजर सबसे ज्यादा चलन में हैं। एक अन्य प्रकार के प्लीटेड बैगी ट्राउजर्स ऊपर से नीचे तक ढीले होते हैं। इन्हें कैजुअल परिधानों के रूप में पहना जाता है। इन्हें आप चाइनीज कॉलर वाली शर्ट, कफ वाली हाफ स्लीव शर्ट या पिनस्ट्राइप्स प्रिंट वाली शर्ट के साथ पहन सकती हैं।

क्यूलॉट्स

ऑफिस वियर्स के रूप में आजकल क्यूलॉट्स सबसे ज्यादा पसंद की जा रही पैंट हैं। ये सीधी और चौड़ी दोनों कट्स में आती हैं। आजकल साइड से कट लगी क्यूलॉट्स भी चलन में हैं। इन्हें बनारसी कुर्ते, असिमिट्रिकल टॉप, घुटनों तक लंबे टॉप या फॉर्मल टॉप के साथ पहना जा सकता है।

पलाजो

ढीला-ढाला पलाजो इन दिनों मेट्रो शहरों से लेकर छोटे शहरों तक की महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। इसने अधिकांश वॉर्डरोब में चूड़ीदार पैजामे और सलवार की जगह ले ली है। इन दिनों लिनन, होजरी, जॉर्जट से बने पलाजो चलन में हैं। इन्हें पहन कर वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के लुक पाए जा सकते हैं। इन्हें लॉन्ग कुर्ते, श्रग, क्रोशिया टॉप, जैकेट, अचकन स्टाइल के बटन डाउन टॉप के साथ पहना जा सकता है।

मिडी स्कर्ट

लायक्रा, जॉर्जेट या नियोप्रीन जैसे फैब्रिक्स से बनी मिडी स्कर्ट्स इन दिनों काफी चलन में हैं। किसी पार्टी में या दोस्तों के साथ मूवी देखने जाते समय इन्हें पहना जा सकता है। कॉकटेल पार्टी में भी इन्हें पहन कर बेहतरीन लुक पाया जा सकता है। बिना बाजू या आधी बाजू वाले टॉप और क्रॉप टॉप के साथ ये स्कर्ट्स कमाल लगती हैं।

बलून स्कर्ट

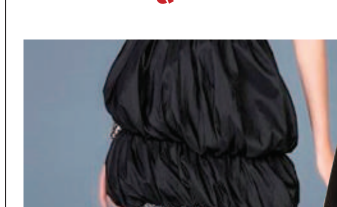

फूले हुए फैब्रिक से बनी इस तरह की स्कर्ट ब्रिटिश लुक देती है। आमतौर पर ये स्कर्ट नियोप्रीन, नेट आदि फैब्रिक से बनी होती है। यह स्पैगटी, स्लीवलेस, लेयर्ड और क्रॉप टॉप के साथ अच्छी लगती है।

महलों की शाही दुनिया...

मैसूर पैलेस

आज हम आपको बताएंगे किसी जमाने में बादशाहों के शाही निवास और आज दुनिया के प्रसिद्ध स्मारक बन चुके महलों के बारे में। सैकड़ों साल पहले बसे इन महलों की दिलचस्प बात है कि इनमें इंडिया का मैसूर पैलेस भी है, जिसकी खूबसूरती के चर्चे दुनिया भर में हैं।

मैसूर पैलेस, भारत

इसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह दक्षिण भारत के मैसूर शहर में स्थित है। इसमें दो दरबार हॉल्स हैं। भारत में ताज महल के बाद टूरिस्ट्स के लिए मैसूर पैलेस आकर्षण का केंद्र है। इसे देखने के लिए हर साल यहां करीब 27 लाख टूरिस्ट्स आते हैं।

पैना नेशनल पैलेस, पुर्तगाल

इस महल का निर्माण 1840 में शुरू होकर 1885 में खत्म हुआ। इसी साल इसे बनाने वाले राजा फर्डिनेंड द्वितीय की मृत्यु हो गई। यह महल लिस्बन में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक मठ पर बना है। यह एक राष्ट्रीय स्मारक है और यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित हुआ है।

स्कॉनब्रून पैलेस, वियना

70 के दशक से यह महल वियना में आकर्षण का केंद्र है। इसमें 1441 शाही और आलीशान कमरे हैं। इस महल को सम्राट लियोपोल्ड-प्रथम के अनुरोध पर 1696 और 1712 के बीच बनाया गया था। यहां प्रिवी गार्डन, दुनिया का सबसे पुराना चिड़ियाघर, भूलभुलैया और पहाड़ की 60 मीटर ऊंची चोटी पर संगमरमर का एक कुंज भी है।

समर पैलेस, चीन

बीजिंग स्थित इस महल में बनी कुनमिंग लेक आकर्षण का केंद्र है। यह महल 2.9 स्क्वॉयर किलोमीटर के एरिया को कवर करता है। इसका तीन तिहाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है। यह जगह चीन के साम्राज्यवादी शासकों द्वारा एक ग्रीष्मकालीन आवास के रूप में इस्तेमाल की गई थी।

पैलेस ऑफ वर्सेल्स, फ्रांस

यह महल फ्रांस में है। इसे 1624 में लुई तेरहवें द्वारा बनाया गया। महल के अंदर एक मीटर ऊंचा और आधा टन का एक झूमर लगाया गया है। यह झूमर स्वारोस्की क्रिस्टल से सजा है। स्टील से बने ढांचे में इसे लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें एक लीड लाइटिंग सिस्टम भी है।

शैटा दे चमबोर्ड, फ्रांस

यह शाही महल भी फ्रांस में है। यह अपनी भव्य वास्तुकला के लिए दुनिया में पहचाना जाता है। यह इमारत राजा फ्रैंकोइस द्वारा बनाई गई थी। इस महल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। इस महल से प्रेरणा लेकर यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में फाउंडर्स बिल्डिंग बनी।

बकिंघम पैलेस, लंदन

बकिंघम हाउस वेस्टमिंस्टर के शहर में स्थित है। यहां शाही दावतें होती हैं और यह ब्रिटिश सम्राट का प्रमुख कार्यस्थल और निवास भी है। जब भी टूरिस्ट्स लंदन आते हैं, इस पैलेस को जरूर देखकर जाते हैं। हर साल ज्यादातर अगस्त और सितंबर में महल के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक तौर पर खोला जाता है।

अलहम्ब्रा, स्पेन

स्पेन में स्थित अलहम्ब्रा एक पैलेस और किला है। इसका निर्माण 889 में हुआ था और इसे एक किले के रूप में बनाया गया था। बाद में 1333 में ग्रेनेडा के सुल्तान यूसुफ प्रथम द्वारा इसे शाही महल में परिवर्तित किया गया। 1492 में इसके कुछ भाग को ईसाई शासकों ने भी इस्तेमाल किया।

पोताला पैलेस, चीन

पोताला पैलेस ल्हासा, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन में स्थित है। यह मार्पोरी पहाड़ी पर बना हुआ है और ल्हासा की घाटी से 130 मीटर की ऊंचाई पर है। यह तिब्बत में सबसे बड़ी स्मारकीय संरचना है। इस पैलेस का निर्माण 1645 में पांचवें दलाई लामा के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ और 1648 में पूरा हुआ। पोताला पैलेस तब तक दलाई लामा का निवास बना रहा, जब तक कि 14वें दलाई लामा भारत नहीं आ गए।

फॉरबिडन सिटी, चीन

यह दुनिया के सबसे सुंदर शाही महलों में से एक है। इसका निर्माण 1406 से 1420 के बीच हुआ था। यह बीजिंग, चीन के मध्य में स्थित है और अब इस पैलेस में संग्रहालय भी है। लगभग 500 वर्षों के लिए यह सम्राटों और उनके परिवारों का घर रहा है। इसमें 980 भवन हैं और यह 720,000 स्क्वॉयर मीटर कवर करते हैं।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

संपादकीय

'आकाशवाणी' बना जंतर-मंतर

विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन ने 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला, लेकिन वह हुजूम के अलावा कुछ भी साबित नहीं हुआ। अंततः विरोध-प्रदर्शन 'बंजर' ही रहा। यदि विपक्ष को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों से मिल कर अपना ज्ञापन सौंपना था, तो संवैधानिक संस्था के प्रोटोकॉल के मुताबिक, समय मांगना चाहिए था। करीब 200 या 300 सांसद एकसाथ चुनाव आयोग में न तो जा सकते हैं और न कोई सार्थक संवाद संभव है, लिहाजा विपक्ष के 5-7 नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल तय किया जाना चाहिए था, जो चुनाव आयोग से संवाद कर सकता था। बैरिकेड्स पर चढ़ना, अपनी पहलवानी मुद्राएं दिखाना और अनाप-शनाप नारेबाजी करने से न तो सत्ताएं घबराती हैं और न ही सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता डर कर इस्तीफा दे सकते हैं। सूची भी संविधान का संरक्षण हासिल है। सवाल आंदोलन की नीयत और हुजूम की अराजकता का भी है। जब विपक्ष को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च करना था, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी और कुछ पिछलग्गू कांग्रेसी सांसद अचानक 'आकाशवाणी भवन' में क्यों घुस गए? वहां सरकारी दफ्तर हैं, जो कामकाज करते रहते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाना भी दंडनीय अपराध है। कांग्रेस गच्चा देकर चुनाव आयोग तक पहुंचने की 'पहलवानी' की रणनीति खेल रही होगी, क्योंकि 'आकाशवाणी भवन' के पिछले दरवाजे से आयोग का मुख्य दरवाजा कुछ मीटर के फासले पर ही था, लेकिन सुरक्षा-व्यवस्था अपेक्षाकृत ज्यादा चौकन्नी होती है। वह दरवाजा स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अंततः राहुल गांधी और सहयोगी प्रदर्शनकारियों को हार कर, 'आकाशवाणी भवन' के भीतर ही, बरगद के पुराने पेड़ की छाया में, कथित धरना देना पड़ा। यह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के प्रति सम्मान का भाव ही था कि पुलिस अधिकारी और बाद में गृह मंत्रालय के आला अफसरों ने राहुल गांधी को समझाया कि 'आकाशवाणी भवन' जंतर-मंतर नहीं है। धरने-प्रदर्शन का अधिकृत स्थान नहीं है, लिहाजा उन्हें धरना समाप्त कर देना चाहिए। लेकिन राहुल, प्रियंका, वेणुगोपाल, दीपेन्द्र हुड्डा, पवन खेड़ा आदि कांग्रेसी सांसद करीब 9 घंटे तक पेड़ के नीचे बैठे रहे। वहीं खाना-पीना जारी रहा। यह कैसा विरोध-प्रदर्शन था! नारेबाजी भी थक कर खामोश हो चुकी थी। सांसद अलसा रहे थे। अंततः गृह मंत्रालय के शीर्ष आदेशों के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन उठाया और हिरासत में लेकर किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन भेज दिया। रात्रि करीब 10 बजे सभी को मुक्त भी कर दिया गय

राहुल गांधी और सहयोगी प्रदर्शनकारियों को हार कर, 'आकाशवाणी भवन' के भीतर ही, बरगद के पुराने पेड़ की छाया में, कथित धरना देना पड़ा। यह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के प्रति सम्मान का भाव ही था कि पुलिस अधिकारी और बाद में गृह मंत्रालय के आला अफसरों ने राहुल गांधी को समझाया कि 'आकाशवाणी भवन' जंतर-मंतर नहीं है। धरने-प्रदर्शन का अधिकृत स्थान नहीं है, लिहाजा उन्हें धरना समाप्त कर देना चाहिए। लेकिन राहुल, प्रियंका, वेणुगोपाल, दीपेन्द्र हुड्डा, पवन खेड़ा आदि कांग्रेसी सांसद करीब 9 घंटे तक पेड़ के नीचे बैठे रहे। वहीं खाना-पीना जारी रहा। यह कैसा विरोध-प्रदर्शन था! नारेबाजी भी थक कर खामोश हो चुकी थी। सांसद अलसा रहे थे। अंततः गृह मंत्रालय के शीर्ष आदेशों के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन उठाया और हिरासत में लेकर किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन भेज दिया। रात्रि करीब 10 बजे सभी को मुक्त भी कर दिया गया। क्या हासिल हुआ? क्या ऐसे हुजूम से चुनाव आयोग घुटने टेक सकत मतदाताओं को उनका मताधिकार बहाल कराया जा सकता है? दिन भर के नाटक का तो पटाक्षेप हो गया, उसी दौरान कुछ पुराने वीडियो टीवी चैनलों पर दिखाई दिए। उनमें खुद राहुल गांधी, राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट आदि 'डुप्लीकेट' और 'फर्जी' मतदाताओं की शिकायत कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर भी बयान दे चुके हैं कि केरलम में मतदाता सूचियों से 'फर्जी' नाम काट देने का फायदा पार्टी को मिला और सरकार बन सकी।

हुजूम से चुनाव आयोग घुटने टेक सकता है? क्या करोड़ों मतदाताओं को उनका मताधिकार बहाल कराया जा सकता है? दिन भर के नाटक का तो पटाक्षेप हो गया, उसी दौरान कुछ पुराने वीडियो टीवी चैनलों पर दिखाई दिए। उनमें खुद राहुल गांधी, राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट आदि 'डुप्लीकेट' और 'फर्जी' मतदाताओं की शिकायत कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर भी बयान दे चुके हैं कि केरलम में मतदाता सूचियों से 'फर्जी' नाम काट देने का फायदा पार्टी को मिला और सरकार बन सकी। वीडियो में कांग्रेसी नेता 'डुप्लीकेट' नामों को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। अब चुनाव आयोग के अभियान में कई विसंगतियां, गलतियां, लापरवाहियां सामने आई हैं, लेकिन अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। कमोबेश उसे 'न्याय' करने दीजिए। अदालत का 'न्याय' भी उचित न लगे, तो आंदोलन का रास्ता तो हमेशा खुला है। एक और ऐतिहासिक तथ्य सामने रखने का मन कर रहा है। यदि तमिलनाडु में 1967 से, बंगाल में 1977 से, उप्र में 1989 से, गुजरात में 1995 से और ओडिशा में 2005 से कांग्रेस सत्ता से बाहर है, तो ये 'वोट चोरी' के नतीजतन नहीं हैं। जनता ने उसे खारिज किया है, लिहाजा जनमत लगातार कांग्रेस के खिलाफ रहा है। कांग्रेस करीब 280 लोकसभा सीटों के समान क्षेत्रों में 'शून्य' हो चुकी है। यह शून्यता चुनाव आयोग के किसी अभियान की वजह से नहीं है, लिहाजा कांग्रेस को देश के ज्वलंत मुद्दों पर भी सडक़ों पर बिछ जाना चाहिए। यह भी जन-सरोकार का मुद्दा है, लेकिन इसे गंभीरता और कानूनी दायरे में रह कर लेना चाहिए, आंदोलन में जनता को सम्मिलित करना चाहिए। अलबत्ता हुजूम इक_ करते रहिए, नतीजा बहुत अच्छा मिलना बेहद मुश्किल है। हमारा मानना है कि लोकतंत्र में विपक्ष की भी बड़ी भूमिका होती है, इसलिए कांग्रेस को मजबूत किया जाना चाहिए।

ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा

एसआईआर पर हंगामा, हकीकत से ज्यादा फसाना

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा भ्रम और डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है। लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है। मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं। सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर

विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा भ्रम और डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है। लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ।

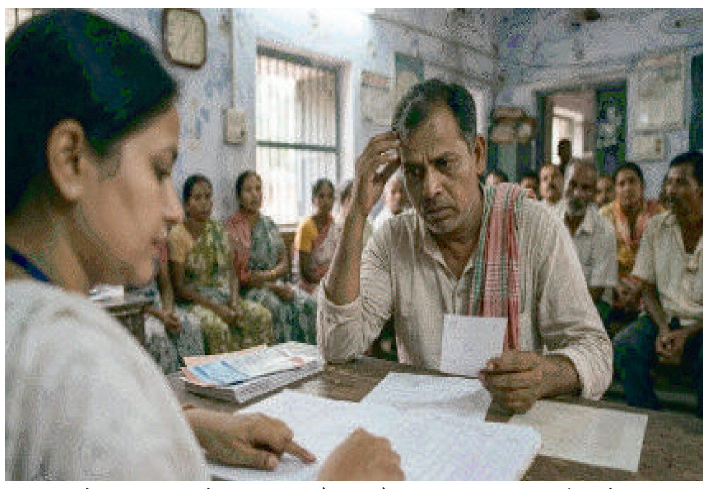

उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं। मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है। दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरातफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम ना होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना है। अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ ही गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब आयोग के अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रही है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। वैसे भी इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है। एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग बार-बार यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि एसआईआर मतदाताओं को बेहतर सुविधा देने की व्यवस्था है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है, कोई भी वैध और योग्य मतदाता छूटे नहीं। मोटे तौर पर एसआईआर का एक ही मकसद है, हर योग्य और वैध मतदाता को सूची में जोड़ना, दिए गए पते पर न रहे मतदाताओं और मृतकों का नाम सूची से हटाना। इसके साथ ही विदेशी और घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना है। एक आरोप यह लग रहा है कि मतदाता सूची तैयार करने में ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर की भूमिका बीएलओ और ईआरओ की तुलना में बढ़ गई है, जिसकी वजह से मतदाता सूची को फाइनल करने के ईआरओ के अधिकार दरकिनार हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ईसीआईनेट सिर्फ तकनीकी मंच है, जिसकी बुनियाद अधिकारियों द्वारा घर-घर से जुटाए आंकड़े हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मतदाता सूची में किसी नाम को जोड़ने या उससे हटाने का निर्णय सिर्फ ईआरओ ही ले सकता है और वह भी जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 और मतदाता सूची पंजीयन नियम 1960 के तहत, नोटिस और सुनवाई के बाद ही ऐसा कर सकता है।

देश दुनिया से

आदिवासी और जंगल संस्कृति पर भी खतरा

ओडिशा में गत माह विधानसभा में जब राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री ने लिखित सवाल के जवाब में आंकड़ा पेश किया कि 2023-24 से 2025-26 के बीच राज्य में कुल 256 जंगली हाथियों की मौत हो चुकी है, तो सदन में सन्नाटा छा गया। इनमें से 13 हाथियों को शिकारियों ने सीधे मार गिराया, जबकि बाकी भोजन-पानी की कमी, बीमारी और मानव-हाथी संघर्ष का शिकार बने। राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद हाथियों की मौत न केवल एक लुप्त हो रही प्रजाति पर संकट है, बल्कि यह उजड़ते जंगलों और जंगल पर निर्भर आदिवासियों के अस्तित्व का भी प्रश्न बनता जा रहा है। इसी सवाल का जवाब कुछ महीने पहले कंधमाल जिले में मिला था। बालिगुडा वन प्रभाग में एक हाथी की करंट लगने से संदिग्ध मौत हुई। विभागीय कार्रवाई और जांच से बचने के लिए वन अधिकारियों ने बिना किसी उच्च अधिकारी को सूचित किए शव को टुकड़ों में काटकर कंधमाल और कालाहांडी के अलग-अलग हिस्सों में दफना दिया। जिस विभाग की ज़िम्मेदारी हाथियों को बचाना है, वही उनकी मौत के सबूत मिटाने में जुट जाए, तो समझ आता है कि संकट सिर्फ जंगल में भोजन की कमी का नहीं, बल्कि तंत्र की नीयत का भी है। कुछ ही महीने बाद ढेंकानाल के हिंदोल क्षेत्र में एक फार्महाउस मालिक ने अपनी ज़मीन की सुरक्षा के नाम पर सोलर फेंसिंग में करंट दौड़ा दिया, जिसकी चपेट में आकर एक दंतैल हाथी मारा गया। मामले को दबाने के लिए शव को खेत में ही दफना दिया गया। वहीं, अगस्त महीने में, जिस दिन दुनिया विश्व हाथी दिवस मना रही थी, ठीक उसी दिन संबलपुर के मुंडेर

जंगल से एक हथिनी का सड़ा-गला शव बरामद हुआ, जिसकी मौत की वजह आज तक साफ नहीं हो पाई। ये तीनों घटनाएं बताती हैं कि हाथियों की मौत अब कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक तयशुदा सिलसिला बन चुकी है, जिस पर पर्दा डालना प्रशासन की आदत में शुमार हो गया है। इस सिलसिले में तीन कारण नज़र आते हैं। पहला, जंगल में प्राकृतिक भोजन और पानी की लगातार घटती उपलब्धता है। हाथी मजबूरन खेतों और बस्तियों की ओर रुख करते हैं और वहीं टकराव में या ज़हरीले पदार्थों की चपेट में आकर जान गंवाते हैं। दूसरा, खनिज संपदा से भरपूर ओडिशा के जंगलों में खनन के लिए होने वाले लगातार धमाके हैं, जो न सिर्फ हाथियों के सदियों पुराने आवागमन गलियारों को तोड़ते हैं, बल्कि उनकी सुनने की क्षमता और सामान्य व्यवहार को भी बिगाड़ देते हैं। इससे भ्रमित झुंड अनजान इलाकों में भटककर मुसीबत में फंसते हैं। तीसरा, सघन जंगलों का लगातार सिकुड़ना—चाहे वह विकास परियोजनाओं की वजह से हो, अवैध कटाई से या अतिक्रमण से—जिसने हाथियों के परंपरागत विचरण क्षेत्र को टुकड़ों में बांट दिया है। इन्हीं कारणों के चलते ओडिशा के गुस्सैल और भूखे हाथी अब पड़ोसी राज्यों का रुख करने लगे हैं। हाल ही में झारखंड के चंपुआ वन क्षेत्र में हाथी के हमले में एक किसान की जान गई। वहीं, छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जान बचाकर भाग रही एक बुजुर्ग महिला को हाथी ने पटककर मार डाला। यानी यह संकट अब पूरे मध्य-पूर्वी भारत की समस्या बन चुका है। ओडिशा के जिन जिलों में हाथियों की मौतें सबसे ज़्यादा हो रही हैं—क्योंझर, ढेंकानाल, कंधमाल, कालाहांडी, संबलपुर—ये सभी आदिवासी-बहुल क्षेत्र हैं, जहां जंगल सिर्फ पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पूरी जीवन-पद्धति की रीढ़ है। सदियों से आदिवासी समुदाय जंगल पर ही जलाऊ लकड़ी, वनोपज, दवा-जड़ी-बूटियों और आजीविका के लिए निर्भर रहे हैं। वहीं, हाथी को इन समुदायों की लोक-परंपरा और मान्यताओं में देवत्व तथा समृद्धि का प्रतीक माना जाता रहा है। अब जब खनन के लिए यही जंगल उजाड़े जाते हैं तो सबसे पहली गहरी चोट आदिवासी समुदायों पर ही पड़ती है। उनकी ज़मीन और आजीविका के साधन खत्म होते हैं। साथ ही, हाथियों के भटकते झुंड उन्हीं की बस्तियों में घुसकर तबाही मचाते हैं। यानी जंगल के उजड़ने की कीमत आदिवासी समाज दोहरी चुका रहा है—एक तरफ अपनी परंपरागत जीवनशैली और संसाधनों की, और दूसरी तरफ हाथियों के हमलों में अपनी जान और घर-बार की। हाथी और जंगल का संरक्षण सिर्फ वन्यजीव सुरक्षा का मसला नहीं, बल्कि ओडिशा के लाखों आदिवासियों के अस्तित्व और सम्मान से जुड़ा सवाल है। सरकार की तरफ से एंटी-पोचिंग कैंप, वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा और जन-जागरूकता अभियान जैसे दावे दोहराए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और है। जिन अधिकारियों को हाथियों की जान बचाने का दायित्व है, वही मौत के मामलों को छिपाने में लग जाते हैं। न खनन क्षेत्रों में विस्फोटों को नियंत्रित करने की कोई ठोस नीति है और न ही अवैध बिजली फेंसिंग पर सख्त कार्रवाई होती है। हर घटना के बाद जांच के आदेश ज़रूर दिए जाते हैं, लेकिन मूल समस्या जस की तस बनी रहती है। हालिया घटना से, दरअसल, नुकसान सिर्फ हाथियों तक सीमित नहीं है। जंगल और बस्ती, दोनों तरफ लगातार खून बह रहा है। हाथी जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र में बीज फैलाव और वन पुनर्जनन की अहम भूमिका निभाते रहे हैं, इसलिए उनकी लगातार होती मौतें सिर्फ एक प्रजाति का संकट नहीं, बल्कि पूरे जंगल के भविष्य पर मंडराता खतरा है।

आप का नज़रिया

चिकित्सा क्षेत्र का असली नूर

चिकित्सा क्षेत्र की डिग्रियों का एक मेला हमने बिलासपुर के एम्स परिसर में देखा। डाक्टरी ज्ञान से परिपूर्ण होते 89 छात्रों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से डिग्रियां लीं, तो कहीं सरोकारों की जमीन भी तैयार हुई। राष्ट्रपति ने उत्कृष्ट शिक्षा के तरानों के बीच अगर गोल्ड मेडल पहनाए, तो यह भी कहा कि इस प्रोफेशन की मिलकीयत में नैतिकता जिंदा रहे। चिकित्सा क्षेत्र का असली नूर दुर्गम क्षेत्रों की सेवा में है। दीक्षांत भाषण की पंक्तियां हिमाचल में चिकित्सा सेवाओं के मर्म को छू रही हैं, तो ये चिराग दूर तक जलने चाहिएं। जाहिर तौर पर हिमाचल के चिकित्सा क्षेत्र की एक क्रांति हमें एम्स के बनने के अलावा शृंखलाबद्ध छह सरकारी मेडिकल कालेजों की स्थापना में दिखाई देती है, तो एक निजी मेडिकल कालेज के अलावा ऊना में पीजीआई के सेटेलाइट सेंटर से भी भविष्य की उम्मीदें रेखांकित हो रही हैं। बावजूद इसके जिस क्षेत्र की तरफ राष्ट्रपति इशारा कर रही हैं, वह असली हिमाचल की पहचान है या किसी गांव की डिस्पेंसरी तक जब स्वास्थ्य सेवाएं आसान और सक्षम हो जाएंगी तो इस अभियान की तारीफ होगी। पिछले दो दशकों में हिमाचल की चिकित्सा सेवाएं पारंगत होने की दिशा में उच्च अध्ययन की भूमिका तराश रही हैं। बेशक मात्रात्मक दृष्टि से मेडिकल कालेजों का प्रसार बेहतर दिखाई देता है, लेकिन जमीनी हकीकत का वर्णन पीएचसी, सीएचसी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में इतना प्रशंसनीय नहीं मिलता है। मेडिकल कालेजों का इतिहास लिखने की कोशिश ने सामान्य, जिला या क्षेत्रीय अस्पतालों का महत्त्व तथा जरूरत का पैमाना कमजोर कर दिया है। उदाहरण के लिए कभी धर्मशाला का जोनल अस्पताल कांगड़ा के अलावा ऊना, हमीरपुर व चंबा तक के मरीजों की देखभाल में अपनी काबीलियत का प्रदर्शन करता था, लेकिन टीएमसी के हर कदम ने इसका हुलिया बिगाड़ दिया और आज हालात ये हैं कि विशेषज्ञ डाक्टरों का लगातार टोटा रहता है। इतना ही नहीं, आईजीएमसी ने टीएमसी बनाने में, तो टीएमसी ने चंबा, हमीरपुर, नेरचौक तथा एम्स का साहस बढ़ाने में अपनी फैकल्टी का योगदान दिया। जिस दिन सिविल अस्पतालों में हिमाचल की चिकित्सकीय सेवाओं का मूल्यांकन सफल होगा, उस दिन राष्ट्रपति मुर्मू का भाषण पूर्ण होगा। बात सिर्फ डाक्टरों की नहीं उस रूपरेखा की भी है जहां इरादे तो बड़े हैं, लेकिन आधारभूत ढांचा आज भी कमजोर है। ऐसे में अगर चिकित्सा सेवाओं की सारी जिम्मेदारी ही मेडिकल कालेजों के द्वार पर पहुंचती रहेगी, तो व्यवस्था के नेक कर्म भी असफल हो जाएंगे। तमाम मेडिकल कालेजों के प्रसूति वार्डों में बढ़ती भीड़ का कुप्रभाव यह कि कई बार एक-एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों का होना चिंताएं बढ़ा देता है। इसी तरह अगर जिला स्तर के अस्पताल भी इमरजेंसी सेवाएं देने में सक्षम नहीं होंगे, तो ऐसी सेवाओं का दबाव सारे इंतजामों को सिर्फ प्रचार का साक्ष्य ही बनाता रहेगा। मेडिकल कालेजों के अध्ययन, शोध तथा उपकरणों का लाभ दुर्गम क्षेत्रों तक तब होगा, यदि फील्ड के संस्थान आरंभिक सेवाओं का निर्वहन सही ढंग से कर पाएं। चिकित्सा क्षेत्र का रैफरल सिस्टम गांव की डिस्पेंसरी से शुरू होकर सीएचसी-पीएचसी से सिविल अस्पताल-क्षेत्रीय या जोनल अस्पताल होता हुआ ही मेडिकल कालेज के औचित्य को सशक्त कर पाएगा, वरना बोर्डों पर चस्पां स्वास्थ्य संस्थानों की कैटेगिरी के अनुसार सारी प्राथमिकताएं व लक्ष्य धूमिल होते रहेंगे।

डाक्टरी ज्ञान से परिपूर्ण होते 89 छात्रों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से डिग्रियां लीं, तो कहीं सरोकारों की जमीन भी तैयार हुई। राष्ट्रपति ने उत्कृष्ट शिक्षा के तरानों के बीच अगर गोल्ड मेडल पहनाए, तो यह भी कहा कि इस प्रोफेशन की मिलकीयत में नैतिकता जिंदा रहे। चिकित्सा क्षेत्र का असली नूर दुर्गम क्षेत्रों की सेवा में है। दीक्षांत भाषण की पंक्तियां हिमाचल में चिकित्सा सेवाओं के मर्म को छू रही हैं, तो ये चिराग दूर तक जलने चाहिएं। जाहिर तौर पर हिमाचल के चिकित्सा क्षेत्र की एक क्रांति हमें एम्स के बनने के अलावा शृंखलाबद्ध छह सरकारी मेडिकल कालेजों की स्थापना में दिखाई देती है, तो एक निजी मेडिकल कालेज के अलावा ऊना में पीजीआई के सेटेलाइट सेंटर से भी भविष्य की उम्मीदें रेखांकित हो रही हैं। बावजूद इसके जिस क्षेत्र की तरफ राष्ट्रपति इशारा कर रही हैं, वह असली हिमाचल की पहचान है या किसी गांव की डिस्पेंसरी तक जब स्वास्थ्य सेवाएं आसान और सक्षम हो जाएंगी तो इस अभियान की तारीफ होगी। पिछले दो दशकों में हिमाचल की चिकित्सा सेवाएं पारंगत होने की दिशा में उच्च अध्ययन की भूमिका तराश रही हैं। बेशक मात्रात्मक दृष्टि से मेडिकल कालेजों का प्रसार बेहतर दिखाई देता है, लेकिन जमीनी हकीकत का वर्णन पीएचसी, सीएचसी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में इतना प्रशंसनीय नहीं मिलता है। मेडिकल कालेजों का इतिहास लिखने की कोशिश ने सामान्य, जिला या क्षेत्रीय अस्पतालों का महत्त्व तथा जरूरत का पैमाना कमजोर कर दिया है। उदाहरण के लिए कभी धर्मशाला का जोनल अस्पताल कांगड़ा के अलावा ऊना, हमीरपुर व चंबा तक के मरीजों की देखभाल में अपनी काबीलियत का प्रदर्शन करता था, लेकिन टीएमसी के हर कदम ने इसका हुलिया बिगाड़ दिया और आज हालात ये हैं कि विशेषज्ञ डाक्टरों का लगातार टोटा रहता है।

कुछ अलग

पुस्तक संस्कृति की मौत

हम जब इस जेन-जी और जेन-अल्फा के जमाने में जिंदगी और मौत की आवश्यक आमद पर विचार करते हैं, तो कुछ अजब-गजब सच हमारे सामने उतर आते हैं, जो शास्त्रों में वर्णित सत्यों से बिल्कुल विपरीत हैं और आपको कुछ और देर जिंदा रहने का बहाना दे जाते हैं। पहला सच जो हमारे सामने आया, वह यह है कि अपनी कल्पना का जीवन सुविधा से जीने के लिए कुछ पैसे अवश्य चाहिएं। ये पैसे आपके जीवन स्तर की, आदतों के और कुछ सुविधाओं के बिना जिन्हें हम जी नहीं सकते, उसके अनुरूप है, परंतु हैरानी यह कि इसे मानने और इसे प्राप्त करने के बाद आप में एक और लालसा पैदा हो जाती है जो आपके अंदर के उपेक्षित दंभ और साथियों की उपेक्षा भरी ईर्ष्या का परिणाम है। हर आदमी इस पैसे को प्राप्त कर लेने के बाद उसे येन-केन प्रकारेण पाने की इच्छा लिए 'धन कमाओ समर' से कूद जाता है।

दृष्टि कोण

मलेशिया से रोहिंग्याओं की वापसी और भारत

मलेशिया ने लगभग 1,500 रोहिंग्या शरणार्थियों को म्यांमार वापस भेजना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार समूहों की चेतावनियों के बावजूद कि म्यांमार उनके लिए सुरक्षित नहीं है, मलेशिया का कहना है कि उनकी वापसी स्वेच्छा से हो रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यूएन हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजीज़ को म्यांमार के नागरिकों तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे यह पता नहीं चल सका कि उनकी वापसी स्वेच्छा से हुई थी या नहीं। मंगलवार को उत्तर-पश्चिमी मलेशिया में लुमुत नौसैनिक अड्डे के पास एक स्टेडियम में पुलिस सुरक्षा के साथ दर्जनों बसें पहुंचीं। पत्रकारों को उस जगह से दूर रखा गया। म्यांमार की सेना ने देश के रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ बार-बार कार्रवाई की है, जिसमें 2017 में हुई हिंसा की लहर भी शामिल है। कई मानवाधिकार समूहों ने इसे नरसंहार बताया था। इस हिंसा के कारण एक बड़ा शरणार्थी संकट पैदा हुआ, जिसमें लाखों रोहिंग्या बांग्लादेश, मलेशिया, भारत और अन्य पड़ोसी देशों में भाग गए। म्यांमार आधिकारिक तौर पर रोहिंग्याओं को 'बंगाली' बताता है। एक तरह की छवि बन गई है कि रोहिंग्या बांग्लादेशी प्रवासी हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने जुलाई 2026 में कहा था कि म्यांमार 5,000 रोहिंग्याओं को किस्तों में वापस लेने पर सहमत हो गया है। मंगलवार को वापसी के लिए चुने गए 1,500 लोग उसी समूह का हिस्सा हैं। इस वास्ते म्यांमार के दो नौसैनिक युद्धपोतों और एक 'अस्पताल जहाज' का इस्तेमाल किया गया है। अब सवाल है, जब रोहिंग्या 'बांग्लादेशी प्रवासी' हैं, तो म्यांमार उन्हें क्यों वापस ले रहा है? संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त

(यूएनएचसीआर) ने कहा कि म्यांमार में जारी संघर्ष के दौरान रोहिंग्या शरणार्थियों की वापसी सही नहीं है। रोहिंग्याओं का प्रतिनिधित्व करने वाले समूह, 'अराकान रोहिंग्या नेशनल काउंसिल' (एआरएनसी) के सह-अध्यक्ष नाय सैन ल्विन ने बताया, 'नरसंहार कभी नहीं रुका। रोहिंग्याओं को वापस वहीं भेजना लोगों को मौत के मैदान में वापस भेजना है। हम मलेशिया से मांग करते हैं कि जब तक हालात सुरक्षित न हों, तब तक रोहिंग्याओं की म्यांमार वापसी रोक दी जाए।' नाय सैन ल्विन ने तर्क दिया कि शरणार्थियों को म्यांमार वापस भेजने का मलेशिया का फैसला ऐसे समय में आया है, जब सेना और अराकान आर्मी सहित विद्रोही समूहों के बीच भीषण लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा, 'म्यांमार की सेना का रोहिंग्याओं के ज़्यादातर इलाकों से नियंत्रण खत्म हो गया है और अराकान आर्मी के साथ उसकी लड़ाई अभी भी जारी है, जिसमें रोहिंग्या लोग बीच में फंसे हुए हैं। सेना और अराकान आर्मी, दोनों ही रोहिंग्याओं पर जुल्म कर रहे हैं।' बांग्लादेश के कॉक्स बाज़ार में स्थित सेंटर फ़ॉर रोहिंग्या क्राइसिस स्टडीज़ के संस्थापक अध्यक्ष रो मय्यु इस्लाम ने भी मौजूदा हालात में वापसी की प्रक्रिया का विरोध किया। उन्होंने कहा, 'वापसी को समस्या का समाधान न समझें। रोहिंग्याओं को मलेशिया के डिटेंशन सेंटरों से म्यांमार भेजने से रोहिंग्या संकट हल नहीं होता। उन हालात को ठीक करें, जिनकी वजह से उन्हें भागना पड़ा, और फिर वापसी को सचमुच सुरक्षित, स्वैच्छिक और लंबे समय तक चलने वाला बनाएं।' बांग्लादेश भी कन्फ्यूज़्ड है। एक तरफ वह म्यांमार के ख़राब हालात के हवाले से रोहिंग्याओं की म्यांमार में वापसी का सही समय नहीं समझता, दूसरी तरफ ख़ुद ढाका ने न्येपिदो पर दबाव बनाना शुरू किया है। बांग्लादेश का तटीय शहर कॉक्स बाज़ार, रोहिंग्या शरणार्थियों का एपिसेंटर है। बांग्लादेश की ओर से सौंपे गए 8,20,000 नामों में से म्यांमार ने कहा कि उसने लगभग 3,08,000 लोगों की पहचान की पुष्टि की है कि वे पहले हमारे यहां के निवासी थे, लेकिन वह उन्हें तब तक वापस नहीं लाएगा, जब तक कि गृहयुद्ध से जूझ रहे रखाइन राज्य में सुरक्षा हालात बेहतर नहीं हो जाते। तो फिर म्यांमार किस ख़ुशी में मलेशिया से रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस मंगा रहा है? संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं के अनुसार, मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश में अक्टूबर 2026 तक लगभग 12 लाख रोहिंग्या शरणार्थी हैं।

2027 एकदिवसीय विश्व कप में 3 बार हो सकता है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

दुबई

अगले साल 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारियों शुरु कर दी है। यह महाकुंभ कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। इसका एक कारण ये भी है कि इसमें चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच तीन बार मुकाबला हो सकता है। यह पहला मौका होगा जब पुरुष एकदिवीसय विश्व कप में रिकॉर्ड 14 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 57 मुकाबले खेले जाएंगे। अफ्रीकी महाद्वीप 24 साल बाद एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी कर रहा है, इससे पहले 2003 में यहां हुए टूर्नामेंट में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी।

इस बार के टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण भारत और पाकिस्तान का एक ही ग्रुप-ए में होना है। ग्रुप-ए में इन दोनों दिग्गजों के अलावा गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, मेजबान जिम्बाब्वे और एक क्वालीफायर टीम शामिल है, जबकि ग्रुप-बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और दूसरी क्वालीफायर टीम को जगह मिली है।नए फॉर्मेट के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के दीवानों को एक नहीं, बल्कि तीन बार रोमांचक भिड़ंत देखने को मिल सकती है। पहला मुकाबला तो ग्रुप स्टेज में 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग के ऐतिहासिक वांडरर्स स्टेडियम में तय हो चुका है। इस मैच पर दुनिया भर की निगाहें टिकी होंगी, खासकर यह देखते हुए कि एकदिवसीय विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान कभी भी भारत को हरा नहीं पाया है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए आठ विश्व कप मुकाबलों में भारत ने अजेय बढ़त बनाई हुई है। वहीं, अगर सभी बड़े आईसीसी इवेंट्स को मिला लिया जाए, तो 23 मुकाबलों में से 19 बार भारतीय टीम विजयी रही है।

ग्रुप स्टेज के बाद दूसरी भिड़ंत सुपर-7 चरण में संभव है। दोनों ग्रुप से शीर्ष टीमें इस दौर में पहुंचेंगी, जहां वे एक-दूसरे का सामना करेंगी। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर इस चरण में अपनी जगह बनाती हैं, तो प्रशंसकों को एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके बाद तीसरी और सबसे रोमांचक भिड़ंत नॉकआउट यानी सेमीफाइनल या फाइनल में संभव है। सुपर-7 चरण के बाद अंक तालिका की शीर्ष-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। अगर दोनों टीमें नॉकआउट मुकाबलों में भी जीत हासिल करती हैं, तो खिताबी जंग या सेमीफाइनल में वे तीसरी बार आमने-सामने आ सकती हैं। भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को केप टाउन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी, जो 2023 वनडे विश्व कप फाइनल की हार का बदला लेने का मौका होगा। इस बार कुल 12 चुनिंदा वेन्यू पर 57 मैच खेले जाएंगे, जिनमें दक्षिण अफ्रीका के 8, जिम्बाब्वे के 3 और नामीबिया का 1 मैदान शामिल है। यह नामीबिया के लिए पहला मौका होगा जब वह पुरुषों के सीनियर विश्व कप मैचों की मेजबानी करेगा।

न्यूज ब्रीफ

बीसीसीआई ने भारत और श्रीलंका सीरीज का कार्यक्रम घोषित किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम आगामी एकदिवसीय विश्व कप 2027 की तैयारियों में लगी है और इसी क्रम में उसका आगामी कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इसी के तहत ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के श्रीलंका के साथ होने वाली घरेलू एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भी कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इससे क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह की लहर है। इस सीरीज से भारतीय टीम को अपनी रणनीतियों और बेंच स्ट्रेंथ को आंकने का भी अवसर मिलेगा। तय कार्यक्रम के अनुसार, भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज दिसंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। श्रीलंकाई टीम भारत के दौरे पर आ रही है, और यह सीरीज विश्व कप की रणनीतियों को परखने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगी। सीरीज का पहला एकदिवसीय मैच 13 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद, दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 16 दिसंबर को चेन्नई के एम. चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं सीरीज का तीसरा और निर्णायक एकदिवसीय मैच 19 दिसंबर को गुजरात के अहमदाबाद स्थित विशाल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रीलंका सीरीज से पहले भारतीय न्यूजीलैंड दौरे पर जा रही है। यह दौरा 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज खेलनी है। इस दौरे से लौटने के तुरंत बाद भारतीय खिलाड़ी बिना किसी आराम के मैदान पर उतरेंगी। एकदिवसीय सीरीज के समापन के बाद, भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का भी आयोजन होगा। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 22 दिसंबर को राजकोट में खेला जाएगा। इसके बाद, दूसरा टी20 मैच कटक के बाराबती स्टेडियम में आयोजित होगा, जबकि सीरीज का तीसरा और आखिरी टी20 मैच 27 दिसंबर को पुणे में खेला जाएगा।

पोरेल को बंगाल ने रणजी ट्रॉफी के लिए शामिल किया

कोलकता। कानूनी विवादों में फंसे क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को बंगाल की टीम ने रणजी ट्रॉफी मुकाबलों के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। इसपर कई लोगों ने हैरानी भी जतायी है। इसका कारण है कि पोरेल को हाल ही में बलात्कार के एक मामले में जमानत मिली थी, और इसके बाद भी उन्हें अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी वाली टीम में शामिल किया गया है। बंगाल अपने सत्र का पहला मुकाबला कल्याणी के बंगाल क्रिकेट अकादमी मैदान पर दिल्ली से खेलेगा। यह फैसला जहां पोरेल के लिए राहत की सांस है, वहीं टीम प्रबंधन के अनुसार उन्हें मैदान पर अपनी योग्यता साबित करने का अवसर दिया है। पोरेल का टीम में शामिल होना दिखाता है कि चयनकर्ता उनके क्रिकेट कौशल पर विश्वास करते हैं, हालांकि विवाद का प्रभाव उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है। टीम का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना और खिताब के लिए मजबूत दावेदारी पेश करना होगा।

हसीन जहां की चुनौती पर बोले, शमी जिसे जहां से चुनाव में उतरना है उतरे

मुम्बई। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी पत्नी हसीन जहां के चुनावी मैदान में उतरने की चुनौती को लेकर कहा है कि जिसे लड़ना है वह लड़े इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इससे अगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में उनकी या उनके परिवार के किसी सदस्य की संभावित उम्मीदवारी की अटकलें और बड़ गयी हैं। गौरतब है कि हाल ही में शमी की मुलाकात राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अध्यक्ष जयंत चौधरी से हुई थी। इस मुलाकात के बाद यह अनुमान लगाए जाने लगे कि शमी आगामी यूपी चुनावों में किसी सीट से उम्मीदवार हो सकते हैं। मीडिया में यह बात फैलते ही, शमी की पत्नी हसीन जहां ने भी चुनाव मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया। हसीन जहां ने शमी को खुली चुनौती देते हुए कहा था कि वे या उनका भाई जहां से भी चुनाव लड़ेंगे, वह उनके खिलाफ मैदान में उतरेंगी। शमी की यह पहली प्रतिक्रिया रुड़की में निर्दलीय विधायक उमेश कुमार से मुलाकात के दौरान सामने आई, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में अपने इरादे साफ कर दिए। जिस बेबाकी से शमी ने हसीन जहां के चुनाव लड़ने पर जवाब दिया है, उससे यह स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि हो सकता है यह भारतीय क्रिकेटर खुद या उनका कोई करीबी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में हो।

आईपीएल के लिए सभी टीमों ने अपने कोच तय किये

4 भारतीय और 6 विदेशी और कोच संभालेंगे कमान

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए सभी 10 फ्रेंचाइजी टीमों ने अपने के मुख्य कोच तय कर लिए है जिससे लीग के लिए बेहतर तरीके से तैयारी की जा सके। इस के तहत ही पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स ने नया मुख्य कोच बनाया है, जबकि पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन बदलावों के साथ, फ्रेंचाइजी अब अपनी नीलामी की रणनीति बनाने और मजबूत टीमें तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स, जो आईपीएल इतिहास में अभी तक एक भी खिताब नहीं जीत पाई है, ने अपने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव करते हुए सौरव गांगुली को यह महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी है। गांगुली फ्रेंचाइजी के साथ पहले से ही जुड़े हुए थे, उन्होंने डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के पद पर कार्य किया था। वह हेमंग बदानी का स्थान लेंगे, जिन्होंने 2025 में हेड कोच का पद संभाला था। गांगुली का अनुभव और नेतृत्व दिल्ली की टीम को पहली ट्रॉफी जीतने की दिशा में प्रेरित कर सकता है।वहीं दूसरी ओर, चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने भी अपने प्रतिष्ठित कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को नया हेड कोच नियुक्त किया है। जहीर खान ने लंबे समय से टीम के साथ रहे स्टीफन फ्लेमिंग का स्थान लिया है, जिन्होंने सीएसके को कई सफलताएं दिलाई हैं। इन महत्वपूर्ण नियुक्तियों के साथ, अब सभी 10 फ्रेंचाइजी के शीर्ष कोचिंग पद पर अनुभवी चेहरे तय हो गए हैं, जिससे आगामी ऑक्शन की तैयारियों में तेजी आने की उम्मीद है।

आईपीएल 2027 में कोचिंग की भूमिकाओं पर नजर डालें तो, भारतीय और विदेशी कोचों का एक दिलचस्प मिश्रण देखने को मिल रहा है। इस सीजन में कुल 6 विदेशी कोच अपनी टीमों का मार्गदर्शन करेंगे, जबकि 4 भारतीय कोचों को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय कोचों में जहीर खान (चेन्नई सुपर किंग्स), सौरव गांगुली (दिल्ली कैपिटल्स), आशीष नेहरा (गुजरात टाइटंस) और अभिषेक नायर (कोलकाता नाइट राइडर्स) शामिल हैं, जो अपनी-अपनी टीमों को खिताबी जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के जस्टिन लैंगर, मुंबई इंडियंस के महेला जयवर्धने, पंजाब किंग्स के रिकी पोंटिंग, राजस्थान रॉयल्स के कुमार संगाकारा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एंडी फ्लावर और सनराइजर्स हैदराबाद के डेनियल विटोरी शामिल हैं। इन नियुक्तियों के साथ, अब फ्रेंचाइजी का पूरा ध्यान आगामी खिलाड़ियों की नीलामी पर केंद्रित होगा, जहां वे अपनी टीम के संतुलन को बेहतर बनाने और ट्रॉफी जीतने के लक्ष्य के साथ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनने की रणनीति बनाएंगे।

भुवनेश्वर को इन कारणों से शायद ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप में जगह मिले

मुम्बई। अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार की न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापसी होने के बाद से ही अब ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि भुवनेश्वनर को अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी अवसर मिल सकता है। भुवनेश्वर के प्रशंसकों का मानना है कि अगर वह चार साल के बाद वापसी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो उनकी दावेदारी मजबूत हो जाएगी। हालांकि क्या वास्तव में भुवनेश्वर 2027 विश्व कप टीम का हिस्सा बन पाएंगे, इसकी संभावना इन प्रमुख कारणों से बेहद कम है। इससे सबसे बड़ी बाधा ये हैकि भुवनेश्वर कुमार की उम्र 2027 तक 37 वर्ष हो जाएगी, जो उन्हें हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे युवा और उभरते हुए तेज गेंदबाजों के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में पीछे कर देती है। भले ही जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी गेंदबाजों को तीसरे या चौथे तेज़ गेंदबाज़ी पार्टनर की आवश्यकता हो पर बढ़ती उम्र और युवाओं की ऊर्जा के सामने भुवी के लिए जगह बनाना आसान नहीं होगा। जहां हर्षित राणा चोट से जूझ रहे हैं, प्रसिद्ध कृष्णा की फिटनेस पर सवालिया निशान हैं, और गुरनूर बराड़ के पास अनुभव की कमी है, वहीं भुवी को भी यह मानना होगा कि एकदिवसीय प्रारूप की लंबी अवधि के लिए उनका शरीर और फॉर्म कितना तैयार है।दूसरा महत्वपूर्ण कारण लंबे स्पैल फेंकने की क्षमता है। अनुभव के आधार पर ही किसी खिलाड़ी को विश्व कप टीम में शामिल करना चयनकर्ताओं की रणनीति का हिस्सा नहीं होगा। भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं और साल में केवल तीन महीने ही सक्रिय रहते हैं, मुख्य रूप से आईपीएल या घरेलू टी20 लीग में चार ओवर के स्पैल फेंकते हैं। ऐसे में, यह एक बड़ी चुनौती होगी कि क्या वह 10 ओवर के वनडे स्पैल को उतनी ही दक्षता और निरंतरता के साथ फेंक पाएंगे।

अब लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर है हॉकी टीम की नजर : कोच फुल्टन

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अब अपनी निगाहें लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों पर टिका दी हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि इसके लिए लिए अभी से विस्तृत रणनीति बनायी जाएगी। फुल्टन का मानना है कि भले ही आंलंपिक अभी दूर लग रहा हो, लेकिन समय तेजी से बीत जाता है और तैयारियों में कोई ढिलाई नहीं बरती जा सकती, इसलिए अभी से सही शेड्यूल और तैयारी का रोडमैप तैयार करना आवश्यक है।कोच फुल्टन ने कहा कि अभी ओलंपिक में दो साल है पर ये अधिक समय नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में टीम का मुख्य फोकस एक सटीक शेड्यूल और दीर्घकालिक योजना तैयार करने पर है। इसमें आगामी दो साल, एक साल और छह महीने की तैयारी के बड़े चरणों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा, ताकि हर कदम सोच-समझकर आगे बढ़ाया जा सके और ओलंपिक के लिए टीम को सर्वोत्तम स्थिति में लाया जा सके।

टीम संरचना के संबंध में, फुल्टन ने संकेत दिया कि हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के समापन के बाद टीम में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उनका लक्ष्य अनुभवी खिलाड़ियों के मजबूत समूह के साथ युवा और उभरती प्रतिभाओं को एकीकृत करके एक संतुलित और गतिशील टीम तैयार करना है। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय ए टीम और अंडर-21 टीम में मौजूद अभूतपूर्व प्रतिभा का जिक्र किया, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। फुल्टन का मानना है कि युवा जोश और अनुभवी खिलाड़ियों का ज्ञान एक मजबूत नींव तैयार करेगा जो टीम को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। फुल्टन ने कहा, हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह है और साथ ही कई प्रतिभावान युवा खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने आगे बताया कि हॉकी इंडिया लीग के बाद अगले दो-तीन महीनों में, हम सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर बारीक नज़र रखेंगे, एक नई टीम का चयन करेंगे और पूरी नई ऊर्जा के साथ एक नई शुरुआत करेंगे। यह प्रक्रिया युवा खिलाड़ियों को उच्च-स्तर के खेल का अनुभव प्रदान करने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, ताकि वे बड़े टूर्नामेंटों के दबाव को झेलने में सक्षम हो सकें।कोच ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब केवल एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने तक सीमित नहीं रहना चाहता। टीम का लक्ष्य अब विश्व स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ना और लगातार बेहतर प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, हम एशिया में जो प्रदर्शन करते हैं, उसे विश्व स्तर पर भी दोहराना चाहते हैं।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण पर जोर

चेक गणराज्य के टोमास मेसेक रिटर्न शॉट लगाते हुए

चीन में एटीपी टेनिस टूर में चेक गणराज्य के टोमास मेसेक रिटर्न शॉट लगाते हुए।

वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के दावेदारों में नीरज को नहीं मिली जगह

श्रीलंका के भाला फेंक चैंपियन रुमेश थरंगा सूची में शामिल

एजेंसी मोनाको

विश्व एथलेटिक्स ने इस साल के प्रतिष्ठित मेन्स वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए जिन 10 शीर्ष दावेदारों के नाम तय किये हैं। उसमें भारत के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा जगह नहीं मिली है। इस सूची में श्रीलंका के भाला फेंक चैंपियन रुमेश थरंगा पथिरागे का नाम भी शामिल है। हाल के दिनों रुमेश ने काफी असफलताएं हासिल की हैं। वहीं नीरज को इस सूची में जगह न मिलना उनके प्रशंसकों के लिए एक झटका है, खासकर चोटों से जूझने के बाद। यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह 29 नवंबर को मोनाको में होगा। इसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में वर्ल्ड एथलीट ऑफ़ द ईयर विजेताओं के नामों की घोषणा होगी।

गौरतलह है कि पथिरागे के लिए 2026 का सीज़न असाधारण रहा है, जहां उन्होंने अपने हर इवेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया है। उन्होंने अल्टीमेट चैंपियनशिप, डायमंड लीग, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे कई बड़े आयोजनों में भाला फेंक के खिताब अपने नाम किए। इस श्रीलंकाई एथलीट ने 92.62 मीटर का विश्व-अग्रणी राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया और सत्र के अपने 14 टूर्नामेंटों में से 13 में जीत हासिल कर अपनी उत्कृष्ट फॉर्म का प्रदर्शन किया। उनका यह लगातार शानदार प्रदर्शन ही उन्हें इस वैश्विक सम्मान के लिए दावेदारों की सूची में शामिल होने का अवसर प्रदान कर रहा है।वहीं दूसरी ओर विश्व चैंपियन रहे नीरज को इस साल खराब फिटनेस के कारण कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

चोटों के चलते नीरज डायमंड लीग के फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाए थे और उन्होंने एशियाई खेलों से भी बाहर रहे। इन प्रमुख आयोजनों में उनकी अनुपस्थिति का सीधा असर उनकी एथलीट ऑफ द ईयर के दावेदारों की सूची में शामिल होने की संभावनाओं पर पड़ा है। उनके प्रशंसकों को उम्मीद थी कि नीरज इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए दावेदारी पेश करेंगे, लेकिन मौजूदा स्थिति को उनके लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है।विश्व एथलेटिक्स के अनुसार, पुरुषों के लिए इन 10 शीर्ष दावेदारों का चयन विशेषज्ञों के आठ-सदस्यीय पैनल ने मिलकर किया है। इस पैनल में विश्व एथलेटिक्स के दो प्रतिनिधि और छह कॉन्टिनेंटल एरिया एसोसिएशन में से प्रत्येक का एक-एक प्रतिनिधि शामिल था। विजेता का निर्धारण एक चार-तरफा वोटिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर क्रिकेटरों ने जताया शोक

मुम्बई

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर खेल जगत भी दुखी है। नाना का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 75 साल के थे। उनके निधन पर क्रिकेट जगत ने भी शोक जताया है। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने नाना को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास कलाकार खो दिया है। उन्होंने कहा, नाना पाटेकर साहब, आपका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति। वहीं इसी तरह, पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने भी उनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। भगवन उनकी आत्मा को शांति दे।

गौरतलब है कि नाना पाटेकर क्रिकेट के प्रति अपनी दीवानगी के लिए जाने जाते थे। यहां तक कि यदि विराट कभी जल्दी आउट हो जाते, तो नाना खाना तक नहीं खाते थे। वहीं नाना ने एक बार स्वयं इस बात को बताया था। उन्होंने कहा था, विराट मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। अगर वह जल्दी आउट हो जाते हैं तो मेरा खाने तक का मन नहीं करता। मैं क्रिकेट से इतना जुड़ा हुआ हूं।

यहां तक कि जब भी विराट जल्दी आउट होते या मैदान पर रनों की बरसात करते, तो नाना की भूख से जुड़े ये मीम्स सोशल मीडिया पर छा जाते थे। अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना ने एक बार क्रिकेट और सिनेमा के बीच एक दिलचस्प तुलना भी की थी। उन्होंने कहा था कि दोनों ही क्षेत्रों में परीक्षा होती है। जहां क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिनों तक चलती है, वहीं कलाकारों की परीक्षा डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

नाना थे क्रिकेट के दिवाने, विराट के आउट होने पर खाना तक छोड़ देते थे

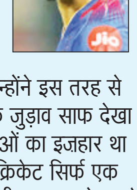

बॉलीवुड अभिनेता नाना पाटेकर अपनी दमदार भूमिकाओं के साथ ही एक जुनूनी क्रिकेट प्रेमी भी हैं। उनका क्रिकेट के प्रति प्रेम और खासकर विराट कोहली के लिए उनकी दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी, जो अक्सर उनके साक्षात्कारों में झलकती रही है।नाना की क्रिकेट के प्रति यह दीवानगी उस वक्त और भी स्पष्ट हो जाती थी, जब वह अपने पसंदीदा खिलाड़ी विराट कोहली के प्रदर्शन पर बात करते थे। एक पुराने और काफी चर्चित साक्षात्कार में नाना ने कहा था कि विराट कोहली उनके सबसे पसंदीदा क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने खुलासा किया था कि जब कोहली जल्दी आउट हो जाते थे, तो उनका खाना खाने का मन नहीं करता था। यह बात उन्होंने इस तरह से कही थी कि उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार और गहरा भावनात्मक जुड़ाव साफ देखा जा सकता था। यह महज एक बयान नहीं था, बल्कि एक सच्चे प्रशंसक की भावनाओं का इज़हार था जो खेल के हर उतार-चढ़ाव से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करता है। उनके लिए क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक ऐसी भावना थी जो उनकी भूख तक पर असर डाल सकती थी। नाना पाटेकर के इस बयान ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद जब भी विराट कोहली जल्दी आउट होते या मैदान पर रनों की बरसात करते, तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते थे। इन मीम्स ने नाना के क्रिकेट प्रेम को एक नए और युवा दर्शक वर्ग तक पहुंचाया, जिससे उनकी यह खासियत और भी लोकप्रिय हो गई।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मताधिकार की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व : वमसी कृष्णा

पेद्दापल्ली, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वमसी कृष्णा ने लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और मताधिकार की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्र एवं समान रूप से मतदान का अधिकार मिलना चाहिए। चुनाव आयोग को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कार्य कर जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए। उन्होंने गरीबों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों के मताधिकार की समान रूप से रक्षा की आवश्यकता बताई तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लोकतांत्रिक ताकतों से एकजुट होने का आह्वान किया।

यातायात समस्या के समाधान की व्यापक योजना बने

पेद्दापल्ली, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने पेद्दापल्ली शहर की यातायात समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए सभी प्रमुख चौराहों का जमीनी स्तर पर व्यापक अध्ययन करने के निर्देश दिए। गुरुवार को एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय में डीसीपी राम रेड्डी सहित संबंधित अधिकारियों के साथ यातायात प्रबंधन की समीक्षा की गई।कलेक्टर ने आवश्यक स्थानों पर एकतरफा व दोतरफा यातायात व्यवस्था प्रायोगिक रूप से लागू कर कम से कम एक सप्ताह तक परिणामों की समीक्षा करने तथा नियमों के अनुसार यातायात मार्ग परिवर्तन की योजनाएं तैयार करने को कहा। उन्होंने सड़कों पर मवेशियों की आवाजाही रोकने, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा यातायात नियंत्रण के लिए पुलिस, नगरपालिका और सड़क एवं भवन विभाग को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष मल्लैया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुकुल महिला डिग्री कॉलेज में भव्य बतुकम्मा उत्सव

बांसवाड़ा, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सदाशिवनगर मंडल के मरकल गांव स्थित तेलंगाना सामाजिक कल्याण गुरुकुल महिला डिग्री कॉलेज, कामारेड्डी में बतुकम्मा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। छात्राओं और शिक्षकों ने तेलंगाना की संस्कृति एवं परंपरा को दर्शाते हुए फूलों से बतुकम्मा सजाई और पारंपरिक गीतों व खेलों में भाग लिया। छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सी. शोभारानी, उप-प्राचार्य एस. कृष्णवेणी, सांस्कृतिक समिति समन्वयक डॉ. के. वनजा, सदस्य नवनीता सहित शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

पत्रकारों से किए वादे पूरे करे सरकार : अल्लम नारायण

पेद्दापल्ली, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मीडिया अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं तेलंगाना यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईजेयूएच-143) के प्रदेश अध्यक्ष अल्लम नारायण ने कांग्रेस सरकार से पत्रकारों से किए सभी वादे शीघ्र पूरा करने की मांग की। उन्होंने पत्रकारों के स्वास्थ्य कार्डों का नवीनीकरण, पात्र पत्रकारों को मान्यता पत्र तथा आवास के लिए भूखंड उपलब्ध कराने की मांग की। पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय स्थित सड़क एवं भवन विभाग के अतिथि गृह में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पत्रकार कल्याण कोष को वादे के अनुसार 200 करोड़ रुपये किया जाना चाहिए। दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को दी जाने वाली सहायता राशि भी एक लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का वादा पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जल्द ही जिला एवं राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर स्थानीय पत्रकारों ने अल्लम नारायण का सम्मान किया।

पोषण माह के तहत मंडल स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

मदनूर, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पोषण माह के अंतर्गत मदनूर परियोजना की ओर से किसान भवन में मंडल स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीडीपीओ कलावती ने पोषण, स्तनपान तथा 0 से 3 वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के महत्व पर जानकारी दी। इस अवसर पर मदनूर तहसीलदार मुजीब ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत 0 से 6 माह के शिशुओं की माताओं को शिशु किट वितरित किए। कार्यक्रम में मंडल पर्यवेक्षक देवकर्ण, ब्लॉक समन्वयक बालकृष्ण, आंगनवाड़ी शिक्षिकाएं, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाएं तथा अन्य लाभार्थी उपस्थित रहे।

सड़क हादसों की रोकथाम को लेकर अधिकारियों की बैठक

मंचेरियाल, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के निर्देश पर मंचिरियाल के पुलिस उपायुक्त कार्यालय में डीसीपी ए. भास्कर की अध्यक्षता में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की समन्वय बैठक हुई। डीसीपी ने मंचिरियाल और श्रीरामपुर नगरपालिका क्षेत्रों में दुर्घटना संभावित स्थानों, खतरनाक मोड़ों और चौराहों की पहचान कर रंबल स्टिक्स, चेतावनी संकेतक, यातायात सिग्नल, बैरिकेड्स तथा गति नियंत्रण के उपाय तत्काल करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी संबंधित विभागों को समन्वय से काम करना चाहिए। बैठक के बाद अधिकारियों ने मंचिरियाल और श्रीरामपुर क्षेत्र के विभिन्न ब्लैक स्पॉट का मौके पर निरीक्षण कर दुर्घटनाओं के संभावित कारणों और आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की।

बैठक में मंचिरियाल एसीपी आर. प्रकाश, श्रीरामपुर निरीक्षक अशोक कुमार, मंचिरियाल टाउन निरीक्षक प्रमोद राव, ग्रामीण सीआई रविंदर, यातायात निरीक्षक हन्नान, सड़क एवं भवन विभाग के अधिशासी अभियंता लक्ष्मीनारायण, डीई जगदीश, नगरपालिका डीई राजेंद्र, एई दुर्गम मधु तथा राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के साइट एई विनोद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खतरनाक तरीके से लटके बिजली के तार ठीक किए गए

बांसवाड़ा, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सहायक अभियंता (एई) संतोष कुमार के निर्देश पर लाइन निरीक्षक बलराम और लाइनमैन अशोक रेड्डी ने बुधवार को बांसवाड़ा शहर में बीड़ी वर्कर्स कॉलोनी की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर खतरनाक तरीके से लटके बिजली के तारों को ठीक किया। दो खंभों के बीच उचित दूरी पर नया खंभा लगाकर तारों को व्यवस्थित किया गया। इससे लोगों और पशुओं के तारों से टकराने का खतरा टल गया। कार्य के लिए कॉलोनीवासियों ने विद्युतकर्मियों का आभार जताते हुए उन्हें बधाई दी।

भवानी मालाधारणम 11 को, भक्तों से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील

बांसवाड़ा, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवी शरण नवरात्रि उत्सव के तहत काशी दंडी सुदर्शन स्वामीजी ने बताया कि 11 अक्टूबर, रविवार को सुबह 6 बजे से भवानी मालाधारणम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने भक्तों से इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक संख्या में देवी दीक्षा लेने की अपील की। मालाधारणम के बाद देवी के लिए विशेष कुमकुम अर्चना एवं पूजा का आयोजन होगा।

गायत्री विद्यानिकेतन में मनाया गया अग्रिम बथुकम्मा उत्सव

पेद्दापल्ली, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री विद्यानिकेतन में सद्दूला बथुकम्मा उत्सव के उपलक्ष्य में प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए अग्रिम बथुकम्मा उत्सव आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी बथुकम्मा सजाकर पारंपरिक गीतों और खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों को बथुकम्मा पर्व के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं प्राकृतिक महत्व की जानकारी दी गई तथा प्रकृति और परंपराओं के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया। गायत्री विद्या संस्थान के अध्यक्ष श्रीनिवास, संवाददाता रजनी एवं प्राथमिक शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

जुक्कल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन, कम उपस्थिति पर विधायक ने जताई नाराजगी

मदनूर, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित इंडिया गठबंधन के सांसदों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के विरोध में कामारेड्डी जिले के जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के एक्स रोड पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। एआईसीसी और टीपीसीसी के निर्देश तथा कामारेड्डी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एले मल्लिकार्जुन के आह्वान पर गुरुवार को यह विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदर्शन में मदनूर मंडल से अपेक्षाकृत कम संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पहुंचने पर जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मीकांत राव ने गुरुवार शाम स्थानीय ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यकर्ताओं के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नहीं...

भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने हिंदी के साथ-साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया। 2007 में आई फिल्म 'वेलकम' में नाना पाटेकर ने गैंगस्टर उदय शेट्टी का किरदार निभाया था। उनके इस हास्य किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वह इसके सीक्वल 'वेलकम बैक' में भी उदय शेट्टी की भूमिका में नजर आए।

सेना में भी दी सेवाएं

नाना पाटेकर ने फिल्म 'प्रहार : द फाइनल अटैक' में सेना के मेजर की भूमिका निभाने के लिए भारतीय सेना की मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ सैन्य प्रशिक्षण लिया था। इस दौरान उन्होंने करीब तीन साल तक प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नाना पाटेकर प्रादेशिक सेना से जुड़े। उन्हें मानद कप्तान के रूप में कमीशन मिला। बाद में उन्होंने लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक सेवाएं दीं और 2013 में सेवानिवृत्त हुए। नाना पाटेकर का सेना से जुड़ाव 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी सामने आया था। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस से विशेष अनुमति लेकर करीब दो महीने सेना के साथ अग्रिम इलाकों में बिताए थे।इस दौरान वह द्रास, लेह, कुपवाड़ा और सोपोर जैसे क्षेत्रों में गए थे।

किसानों की मदद के लिए शुरू किया 'नाम फाउंडेशन'

नाना पाटेकर सिर्फ अपनी फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यों के लिए भी जाने जाते थे। किसानों और उनके परिवारों की मदद के लिए उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ 2015 में 'नाम फाउंडेशन' शुरू किया था। संस्था ने खास तौर पर महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त इलाकों में किसानों की मदद के लिए काम किया।नाना ने किसान आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता दी। उनके बच्चों की पढ़ाई में भी मदद की गई। कई परिवारों की स्कूल और कॉलेज फीस का खर्च भी उठाया गया।

नाम फाउंडेशन ने गांवों में पानी की समस्या दूर करने के लिए भी काम किया। इसके तहत तालाब, कुएं और छोटे बांध बनाने के साथ नदियों और नहरों को दोबारा उपयोगी बनाने की कोशिश की गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्थापना के बाद से नाम फाउंडेशन ने 77.17 लाख किसानों की मदद की है। संस्था ने 50,908 परिवारों को आपदा राहत दी है। इसके अलावा 102 सैन्य शहीदों के परिवारों को आर्थिक सहायता पहुंचाई गई। फाउंडेशन ने 4,957 विधवाओं की भी मदद की है। शुरुआत में संस्था ने किसानों की विधवाओं और प्रभावित परिवारों को 15,000 से 25,000 रुपये तक के चेक दिए थे।

'शक्ति शालिनी' हो सकती है आखिरी फिल्म

नाना पाटेकर की आखिरी फिल्म 'शक्ति शालिनी' हो सकती है। यह मैडॉक फिल्म्स के डरावनी-कॉमेडी फिल्म जगत का हिस्सा है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसमें नाना पाटेकर के साथ अनीत पड्डा और विशाल जेठवा मुख्य भूमिकाओं में हैं।नाना पाटेकर अपने हिस्से की शूटिंग पहले ही पूरी कर चुके थे। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म जनवरी 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इसकी रिलीज की तारीख घोषित नहीं की है।

दया के...

75 वर्षीय नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए दया नायक ने 8 अक्टूबर को सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर लिखा, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। हमारी कुछ दिन पहले ही बात हुई थी और यह सोचना भी नामुमकिन लगता है कि वह हमारी आखिरी बातचीत थी।'साधु अगाशे' के किरदार ने भारतीय दर्शकों पर गहरा असर डाला था। नाना पाटेकर ने अंडरवर्ल्ड के प्रभाव वाले शहर में काम करने वाले एक पुलिस अधिकारी के साहस और संघर्ष को बेहद वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारा था।दया नायक के लिए यह अभिनय सिर्फ एक काल्पनिक पुलिस अधिकारी के किरदार को पर्दे पर उतारने तक सीमित नहीं था। उन्होंने लिखा कि पाटेकर की जबरदस्त बहुमुखी प्रतिभा और जिस ईमानदारी से उन्होंने इस किरदार को निभाया, उससे दर्शकों को खाकी वर्दी के पीछे छिपे इंसान को समझने में मदद मिली। उन्होंने पुलिस अधिकारी पर पड़ने वाले दबाव, उसकी इंसानियत और पुलिस अधिकारी होने के वास्तविक अर्थ को बेहद प्रभावशाली तरीके से सामने रखा। नायक ने लिखा, कितने शानदार और हर तरह के किरदार निभाने में माहिर अभिनेता थे आप। जिस अनोखे अंदाज में आपने हर किरदार निभाया, वह कमाल का था। आपने मुझे प्रेरित किया, जबकि आप मेरे ही किरदार से प्रेरित भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने आगे लिखा, आपने सिर्फ एक पुलिस अधिकारी का किरदार नहीं निभाया। आपने लोगों को वर्दी के पीछे के इंसान, दबाव, इंसानियत और एक पुलिस अधिकारी होने का असली मतलब समझाया और आपने यह सब इतनी ईमानदारी और गहराई के साथ किया।

फिल्मी किरदार से आगे बढ़कर बनी दोस्ती

एक-दूसरे को प्रेरित करने के इस अनोखे रिश्ते के अलावा दया नायक और नाना पाटेकर के बीच ऐसा संबंध भी था, जो पर्दे से कहीं आगे तक गया। दोनों की दोस्ती वर्षों तक कायम रही और नाना पाटेकर के अंतिम दिनों तक बनी रही।दया नायक ने उनके साथ बिताए एक भावुक पल का वीडियो भी साझा किया, जिसमें वह अपने 'नाना' के पैर छूते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने अभिनेता के पीछे छिपे इंसान को याद किया।

नायक ने लिखा, लेकिन अभिनेता से भी बढ़कर वे एक दोस्त थे। ऐसे नाना, जिन पर मैं हमेशा भरोसा कर सकता था। प्यारे, भरोसेमंद, दरियादिल और जरूरत के समय हमेशा साथ रहने वाले।

उन्होंने कहा, मुझे आपकी बहुत याद आएगी। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानता हूं कि मैं आपको जानता था और सबसे बढ़कर आपको अपना दोस्त और भाई कह सका।दया नायक ने अपनी श्रद्धांजलि का समापन नाना पाटेकर से किसी दिन फिर मिलने की एक शांत उम्मीद के साथ किया। उन्होंने न सिर्फ उस अभिनेता को अलविदा कहा, जिसे वह पसंद करते थे, बल्कि उस दोस्त और भाई को भी विदाई दी, जिसे वह बेहद मानते थे।

ग्रीन कार्ड...

दरअसल, अमेरिका में स्थायी नौकरी के आधार पर ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया में स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम (पीईआरएम) अहम भूमिका निभाता है। इसके तहत अमेरिकी श्रम विभाग से मंजूरी मिलने के बाद कोई भी कंपनी किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए प्रायोजित कर सकती है। इस प्रक्रिया में कंपनी को यह प्रमाणित करना होता है कि संबंधित पद के लिए योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं है। इसके बाद विदेशी कर्मचारी के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया आगे बढ़ती है।

अमेरिकी श्रम मंत्री ने लगाए दुरुपयोग के आरोप

अमेरिकी श्रम मंत्री कीथ सोंडरलिंग ने इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन बड़ी कंपनियों पर पीईआरएम व्यवस्था के दुरुपयोग के आरोप हैं। माइक्रोसॉफ्ट को लेकर सोंडरलिंग ने सबसे कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में इस व्यवस्था का दुरुपयोग माइक्रोसॉफ्ट से ज्यादा किसी अन्य कंपनी ने नहीं किया है।

जेडी वेंस का माइक्रोसॉफ्ट पर गंभीर आरोप

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी माइक्रोसॉफ्ट पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने 2025 में करीब 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। उस समय कंपनी ने यह प्रमाणित किया था कि उसे इन पदों के लिए योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। इसके बावजूद माइक्रोसॉफ्ट को 6,000 से अधिक एच-1बी वीजा मंजूर हुए और कंपनी ने 3,682 ग्रीन कार्ड के आवेदन दिए।

वेंस ने दावा किया कि इनमें करीब 1,000 आवेदन उन्हीं पदों के लिए थे, जिनसे अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया था।

वेंस ने कहा कि एच-1बी वीजा व्यवस्था का उद्देश्य उन पदों के लिए विदेश से अत्यधिक योग्य लोगों को लाना था, जिन्हें अमेरिकी कर्मचारियों से नहीं भरा जा सकता। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि यह व्यवस्था अब बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और गड़बड़ी से प्रभावित हो गई है।

9 विश्वविद्यालय भी जांच के घेरे में

अमेरिकी श्रम विभाग ने नौ विश्वविद्यालयों को भी जांच के दायरे में लिया है। इनमें हार्वर्ड, येल और स्टैनफोर्ड जैसे प्रमुख विश्वविद्यालय शामिल हैं। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि इन विश्वविद्यालयों ने अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों को काम पर रखने की कोशिश की।

श्रम विभाग के महानिरीक्षक एंथनी डी'एस्पोसिटो ने बताया कि इन मामलों में संबंधित संस्थानों को समन भी भेजे जा चुके हैं।

भारतीय आईटी कर्मचारियों पर क्या पड़ेगा असर?

इस कार्रवाई का असर अमेरिका में इन कंपनियों के माध्यम से ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले विदेशी कर्मचारियों पर पड़ सकता है। खास तौर पर जिन कर्मचारियों की ग्रीन कार्ड प्रक्रिया अभी चल रही है, उनके लिए देरी और अनिश्चितता बढ़ सकती है।हालांकि, किसी कंपनी को इस कार्यक्रम से निलंबित किए जाने का मतलब यह नहीं है कि पहले से मंजूर ग्रीन कार्ड अपने आप रद्द हो जाएंगे। इस कार्रवाई का मुख्य असर नई या चल रही ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर पड़ सकता है।अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि विदेशी कर्मचारियों को अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम लागत वाले विकल्प के तौर पर इस्तेमाल न किया जाए। इस पूरी कार्रवाई का उद्देश्य अमेरिकी कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना और रोजगार संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

हूतियों पर...

रिपोर्ट को फर्जी और मनगढ़ंत बताया है। ऐसे में पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा हूती ठिकानों पर सीधे हमले का दावा फिलहाल विवादित है।

सऊदी अरब में पाकिस्तानी सैनिकों की मौजूदगी की पुष्टि

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब में करीब 8,000 पाकिस्तानी सैनिक तैनात हैं। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर अखबार को बताया कि हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों में पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

वहीं, पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने पुष्टि की है कि पाकिस्तानी सेना के जवान पहले से ही सऊदी अरब में मौजूद हैं और वहां कई क्षमताओं और क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सैनिकों की संख्या, उनकी तैनाती की जगह और उनकी सटीक भूमिका को गोपनीय बताया।

मक्का समझौते के बाद बढ़ा सैन्य सहयोग

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। यह समझौता सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था का ढांचा तैयार करता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विश्लेषक कर्नल डेविड ओ. स्मिथ का अनुमान है कि सऊदी अरब में करीब 8,000 पाकिस्तानी सैनिक तैनात हैं। इनमें पाकिस्तान वायु सेना और सेना की वायु रक्षा से जुड़े जवान भी शामिल हैं। उनका इस्तेमाल सऊदी अरब के महत्वपूर्ण तेल ढांचे की सुरक्षा में किया जा सकता है।

स्मिथ ने कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों के हूतियों के खिलाफ सीधे जमीनी युद्ध में उतरने की संभावना कम है, क्योंकि इस्लामाबाद ईरान के साथ अपने संबंध भी बनाए रखना चाहता है। हालांकि, यदि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा हूतियों पर हमले की खबर सही साबित होती है, तो इससे ईरान की प्रतिक्रिया पर नजर रहेगी।

न्यूयॉर्क टाइम्स से नाम न बताने की शर्त पर बात करने वाले एक अन्य पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद की भूमिका यमन में जमीनी सेना भेजने के बजाय हवाई सहायता के जरिये हूतियों के मिसाइल और ड्रोन खतरे का मुकाबला करने पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

मस्क-अंबानी...

की रक्षा करने में अधिक रुचि रखती है।

इसी पोस्ट को साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से अधिक देशों में लाइसेंस मिल चुका है और कंपनी पिछले पांच वर्षों से भारत सरकार के हर नियम और कानून का पालन करने की पूरी कोशिश कर रही है। इसके बावजूद भारत में अब तक स्टारलिंक को लाइसेंस क्यों नहीं मिला?

इसके बाद मस्क ने एक अन्य पोस्ट में सवाल किया, क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं?

राहुल गांधी बोले'भारत में आपका स्वागत है एलन'

मस्क के इस बयान के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, भारत में आपका स्वागत है, एलन। तब तक इंतजार करें, जब तक आप दूसरे व्यक्ति को नहीं खोज लेते।

राहुल गांधी के इस बयान पर एलन मस्क ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, धन्यवाद राहुल। यह वाकई परेशान करने वाला है।

मस्क पहले भी लगा चुके हैं आरोप

मस्क इससे पहले भी बिना नाम लिए कुछ प्रभावशाली कारोबारियों पर अपनी एकाधिकार वाली स्थिति बचाने के लिए स्टारलिंक की भारत में प्रवेश की राह रोकने का आरोप लगा चुके हैं। हालांकि, भारत सरकार इन आरोपों को पहले ही खारिज कर चुकी है। सरकार का कहना है कि देश में सभी कंपनियों के लिए नियम समान हैं और स्टारलिंक के मामले में भी नियामकीय प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। विपक्षी दल लंबे समय से देश में चुनिंदा उद्योगपतियों को बढ़ावा दिए जाने का आरोप लगाते रहे हैं। एलन मस्क के ताजा बयान ने इस राजनीतिक बहस को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

राजघाट...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार दोपहर करीब 1:45 बजे कनॉट प्लेस के एक रेस्तरां में विपक्षी सांसदों और प्रमुख नेताओं को दोबारा दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया।

इसमें कांग्रेस के अलावा तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, साकेत गोखले, समीरुल इस्लाम, समाजवादी पार्टी के राजीव राय और मोहिबुल्लाह, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पी. संदोष और राष्ट्रीय जनता दल के सुधाकर सिंह समेत कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए। लंच के बाद सभी नेता बसों से राजघाट के लिए रवाना हुए। बस यात्रा के दौरान कुछ सांसद ऊपर चढ़कर हाथों में तिरंगा लहराते और नारे लगाते नजर आए। करीब पांच किलोमीटर की यात्रा के बाद विपक्षी नेता राजघाट पहुंचे। वहां उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और कुछ समय मौन रहकर धरना दिया।

राजघाट पर प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी थी। इलाके में बैरिकेडिंग के साथ पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। पुलिस ने राजघाट पर भीड़ जुटाने को लेकर निषेधाज्ञा भी लागू की थी।

राहुल गांधी बोले'देश को हाईजैक किया गया'

राजघाट रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि करीब 300 विपक्षी सांसद शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का कथित तौर पर उल्लंघन कर रहा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक आपराधिक साजिश के तहत देश को हाईजैक कर लिया है। उन्होंने संविधान को नष्ट कर दिया है और जनता के वोट चुराए हैं। उन्होंने कहा कि इस कथित साजिश में शामिल सभी लोगों को कानून के दायरे में लाकर न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा।

खड़गे बोले'इनको सद्बुद्धि दे ईश्वर'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्षी सांसद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर जाकर शांतिपूर्ण प्रार्थना करेंगे। उन्होंने कहा, हम वहां बैठकर प्रार्थना करेंगे कि ईश्वर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को सद्बुद्धि दे।

खड़गे ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश के नागरिकों के वोट देने के अधिकार को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे नेताओं ने देश को जो स्वतंत्रता दिलाई, उसे सरकार छीनने में लगी है।

सर के सपोर्ट में...

बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले करने से चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर हो सकता है।

इस खुले पत्र पर पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मित्तल समेत 42 पूर्व जजों के हस्ताक्षर हैं। पत्र में लिखा गया है, वोट चोरी के आरोप अदालतों में नहीं, बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं। जब आयोग शपथ पत्र मांगता है, तो कोई दाखिल नहीं किया जाता। ईवीएम को हार के बाद ही दोषी ठहराया जाता है। उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। एक पार्टी, जिसने पांच दशकों से अधिक समय तक इस देश पर शासन किया, अब दावा कर रही है कि जो व्यवस्था उसे सत्ता में लाई, वही धांधली वाली है।

पूर्व जजों ने पत्र में चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर चिंता जताई है।

पूर्व जजों के तीन प्रमुख दावे

चुनावों को अवैध ठहराने के प्रयास अशांति को बढ़ावा दे सकते हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

चुनाव कराने वाले अधिकारियों को अपशब्द कहे जा रहे हैं और अधिकारियों को सत्ता बदलने के बाद बदला लेने की चेतावनी दी जा रही है।

कार्यकर्ता संगठन आरोपों को कानूनी रूप देने की कोशिश करते हैं। वे एक के बाद एक याचिकाएं दायर करते हैं, लेकिन शायद ही कभी सबूत पेश करते हैं।

2000 नागरिक एसआईआर रोकने के लिए लिख चुके हैं पत्र

इससे पहले सितंबर में 2,000 से अधिक नागरिकों ने एक खुले पत्र के माध्यम से अदालत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) रोकने की अपील की थी। उन्होंने इसकी वैधता और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच होने तक अभियान रोकने की मांग की थी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को लिखे गए इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों ने मतदाता सूची के प्रबंधन और चुनाव आयोग के ईसीआईनेट मंच से जुड़ी कथित गड़बड़ियों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की थी।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अदिति मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, इतिहासकार आदित्य मुखर्जी और अभिनेता प्रकाश राज सहित शिक्षाविद, वकील, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज का बयान भी चर्चा में

4 अक्टूबर- वोटिंग से रोकने वाली प्रक्रिया मनमानी

सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज जस्टिस उज्जल भुइयां ने 4 अक्टूबर को नालसार विश्वविद्यालय में कहा था कि लाखों भारतीय नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी है।

5 अक्टूबर- पूर्व सीजेआई गवई बोले, विचाराधीन मामले पर बयान मर्यादा के खिलाफ

पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई ने कहा था कि किसी लंबित मामले पर सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज को सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने इसे न्यायिक मर्यादा के खिलाफ बताया। दिल्ली हाईकोर्ट के दो सेवानिवृत्त जजों ने भी कहा था कि ऐसा बयान देने से पहले हजार बार सोचना चाहिए था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 09 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा, 400 से 500 परिवारों को मिलेगा राशन

आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों को मासिक राशन किट के साथ 5 किलो सब्जी और बिस्किट पैकेट भी वितरित किए जाएंगे

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मानव सेवा ही माधव सेवा की भावना से प्रेरित अग्रवाल समाज तेलंगाना ने जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए 'प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा' शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों को मासिक राशन किट वितरित की जा रही हैं। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा पहली बार इस प्रकार के सेवा भाव से जुड़े कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि 10 अक्टूबर, शनिवार को शाम 4 बजे से हाईकोर्ट के समीप स्थित मुरलीधर मंदिर में लगभग 400 से 500 राशन किट का वितरण किया जाएगा। प्रत्येक राशन किट में महीने भर का राशन उपलब्ध कराने के साथ 5 किलो सब्जी और बिस्किट के पैकेट भी वितरित किए जाएंगे।

5 या उससे अधिक राशन किट के सहयोग के लिए संपर्क की अपील

प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा के चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल (सीएसके) ने कहा कि यह समाज द्वारा किया जा रहा एक महत्वपूर्ण सेवा कार्य है। उन्होंने सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा कार्य में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि जो भी अग्रबंधु 5 या उससे अधिक राशन किट का सहयोग करना चाहते हैं, वे सुरेश अग्रवाल (सीएसके) से मोबाइल नंबर 9849090000 पर संपर्क कर अपना नाम लिखवा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा कोई भी अग्रबंधु अपने परिवार के सदस्य के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ अथवा किसी भी मांगलिक कार्यक्रम के अवसर पर 'प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा' से जुड़कर अपना सहयोग दे सकता है।समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि अग्रवाल समाज में कोई भी अग्रबंधु भोजन के अभाव में भूखा न रहे।उन्होंने कहा कि समाज की ओर से सदस्यों के लिए समय-समय पर सेवा भाव से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं और भविष्य में भी समाज कल्याण से संबंधित सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

एनएमडीसी में सतर्कता मामलों पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी लिमिटेड के सतर्कता विभाग ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह (तअथ) 2026 के तहत केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा पहचाने गए प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 7 और 8 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पब्लिक प्रोक्यूरमेंट में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं, जीईएम – नई विशेषताएं और कार्यक्षमताओं, प्रभावी खरीद के लिए अनुबंध डिजाइन, और साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता पर चार विषयगत सत्र शामिल थे, जिसका मुख्य उद्देश्य था – व्यावसायिक क्षमता को मजबूत करना, नैतिक निर्णय लेने को बढ़ावा देना और संगठनात्मक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाना । उद्घाटन सत्र श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक), एनएमडीसी और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी

(सीवीओ), एनएमडीसी की गरिमामयी उपस्थित में संपन्न हुआ । कार्यक्रम के समापन समारोह में श्री विवेक निशांत नाथ,निदेशक (वाणिज्य), एनएमडीसी और श्री सी नीलकंठ रेड्डी, सीवीओ की भव्य उपस्थित थी, जिन्होंने निरंतर क्षमता निर्माण, नैतिक आचरण, पारदर्शी प्रणालियों और निवारक सतर्कता उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन के महत्व को रेखांकित किया। पहले दिन श्री संजय अग्रवाल, आईआरएसएस, पीसीएमएम, आरसीएफ-कपूरथला द्वारा सार्वजनिक खरीद में लोकाचार पर सत्र में व्याख्यान व प्रस्तुतीकरण दिए गएं, जिनमें सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, नैतिक निर्णय लेने और स्थापित खरीद सिद्धांतों के अनुपालन पर जोर दिया गया। इसके अलावा, श्री अनुज कुमार, निदेशक (जीईएम) ने जीईएम – नए विशेषताएं और कार्यविधियां पर एक सत्र का संचालन किया, जिसमें हाल के घटनाक्रमों, डिजिटल खरीद तंत्र और सरकारी ई-मार्केटप्लेस के प्रभावी उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया।

दूसरे दिन, श्री अंकुर श्रीवास्तव, कंट्रोलर, एनआरएससी ने प्रभावी खरीद अनुबंध विकसित करने पर व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और प्रासंगिक केस स्टडी साझा करते हुए प्रभावी खरीद के लिए अनुबंध डिजाइन पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया । श्रीमती के.इन्द्रावेणी, वैज्ञानिक-एफ, और एसोसिएट डायरेक्टर, सी-डेक ने साइबर खतरों, जिम्मेदार डिजिटल प्रथाओं और कार्यस्थल में सुरक्षा-सचेत व्यवहार बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया ।

इन सत्रों में एथिकल प्रोक्यूरमेंट, अनुबंध प्रबंधन, डिजिटल खरीद प्लेटफॉर्म और साइबर सुरक्षा के संबंध में प्रतिभागियों की समझ को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ दृष्टिकोणों को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के साथ जोड़ा गया। संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से व्यावसायिक अनुभवों के आदान-प्रदान को सुगम बनाया और इस संबंध में अपने प्रतिभागियों को कार्यालय के कामकाज में आनेवाली कठिनाइयों को कम करने और अनियमितताओं को रोकने में मजबूत प्रणालियों, ठोस निर्णय लेने और प्रक्रियात्मक अनुपालन की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। एनएमडीसी के मुख्यालय और विभिन्न परियोजनाओं से नामित अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। यह क्षमता निर्माण कार्यक्रम ज्ञान साझाकरण, व्यावसायिक विकास और निवारक सतर्कता के माध्यम से संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एनएमडीसी के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

इस महत्वपूर्ण दो दिवसीय कार्यक्रम ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 और सुशासन के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मारवाड़ी हिंदी विद्यालय के 1973 बैच का मित्र मिलन समारोह

पुराने सहपाठियों ने साझा की विद्यालय से जुड़ी यादें

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार स्थित मारवाड़ी हिंदी विद्यालय में वर्ष 1973 बैच के विद्यार्थियों का मित्र मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पुराने सहपाठियों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर विद्यालय से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया।

कार्यक्रम के मंच पर डॉ. संदीप साबू, गोपाल लाल राठी, नंदकिशोर व्यास, विश्वनाथ जी एवं गांधी जी ने उपस्थित मित्रों को मारवाड़ी हिंदी विद्यालय से संबंधित विभिन्न जानकारियां दीं। इस अवसर पर विद्यालय से जुड़ी पुरानी स्मृतियों और अनुभवों को भी साझा किया गया।

समारोह में 1973 बैच के गोपाल लाल राठी, नंदकिशोर व्यास, ओम प्रकाश श्रीमाली, ओमप्रकाश व्यास, हरि किशन अटटल, मुरारी लाल मुंदड़ा, बालकिशन गौड़, गोविन्द गोपाल, प्रकाश बंसल, मुन्ना लाल, अनिरुद्ध प्रसाद शर्मा, कालिदास, रमेश चंद्र, दिनेश बाहेती, विजय बाहेती, प्रेम सिंह, प्रीतपाल सिंह, बिहारी लाल यादव, शशिकांत शुक्ल और सुनील कुमार सहित अन्य मित्र उपस्थित रहे।समारोह में विद्यालय की प्रबंधन टीम की उपस्थिति भी सराहनीय रही। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आपसी मेल-मिलाप के साथ पुराने दिनों की यादें ताजा कीं और विद्यालय के साथ अपने जुड़ाव को याद किया।

भुवनगिरी के शिव शक्ति अनुग्रह धाम में गूंजा सनातन का शंखनाद

86 संत-महात्माओं का पावन समागम, 80 किलो स्वर्ण निर्मित शिवलिंग का हुआ दिव्य रुद्राभिषेक

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के भुवनगिरी जिले के रामानंद गांव स्थित शिव शक्ति अनुग्रह पीठम के प्रांगण में लगभग 160 एकड़ में फैले भव्य शिव शक्ति अनुग्रह धाम में सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को ऐतिहासिक दिव्य सनातन धर्म सभा का आयोजन किया गया। यह धाम 2600 शिवलिंग एवं 3400 श्री यंत्रों से सुशोभित है।

शिव शक्ति अनुग्रह पीठम द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महासभा में देश के कोने-कोने से लगभग 86 संत-महात्माओं का पावन समागम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य यजमान महर्षि रामानंद महाराज जी रहे, जिनके द्वारा इस अलौकिक धाम का निर्माण कराया गया है। उनके द्वारा 'सहस्त्र शिव सूक्त' पुस्तक का विमोचन किया गया तथा 80 किलो शुद्ध स्वर्ण से निर्मित शिवलिंग का दिव्य रुद्राभिषेक किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय संत समिति के तेलंगाना-आंध्र महामंत्री स्वामी कमलेश दास जी महाराज के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में सुमेर पीठाधीश्वर जगतगुरु नरेंद्रानंद सरस्वती जी, जगद्गुरु योगेश्वर आचार्य जी, महामंडलेश्वर स्वामी विमलदेव जी, महामंडलेश्वर राजेंद्र दास जी, महामंडलेश्वर अवधेशानंद जी, स्वामी अरविंद जोशी जी, स्वामी अतिथि जी, स्वामी कमलेश दास जी, स्वामी राम मंगलदास जी, योग गुरु हर्षानंद जी, स्वामी आत्माराम जी, महामंडलेश्वर स्वामी कामेश्वरपुरी जी, महामंडलेश्वर स्वामी हंसदेव आनंद जी, योगेश प्रभु जी, भाग्यलक्ष्मी मंदिर ट्रस्टी शशिकला दीदी, लव का काऊ चेयरमैन जसवंतभाई पटेल, मैनेजिंग ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, महर्षि गुरुकुल यूनिवर्सिटी के प्रिंसिपल शेखर रेड्डी सहित 86 संत उपस्थित रहे।

सभा के अंत में सभी संतों ने शिव शक्ति धाम के लिए मंगलकामना की तथा महर्षि रामानंद महाराज को इस दिव्य कार्य के लिए साधुवाद दिया।

सभा के मुख्य अतिथि सुमेर पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि सनातन धर्म जीवन जीने की पद्धति है। जब तक शिव में श्रद्धा है और शक्ति की उपासना है, तब तक सनातन को कोई मिटा नहीं सकता। यह शिव शक्ति अनुग्रह धाम केवल मंदिर नहीं, बल्कि सनातन की आत्मा है।उन्होंने कहा कि तेलंगाना की धरती पर 3600 शिवलिंगों की स्थापना करना सामान्य बात नहीं है। महर्षि रामानंद जी ने जो कार्य किया है, वह युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हर हिंदू को अपने घर में गौ-सेवा, वेद-सेवा और संत-सेवा का संकल्प लेना चाहिए। महाराज जी ने सभी भक्तों को गौ-रक्षा, राष्ट्र-रक्षा और धर्म-रक्षा का संकल्प भी दिलाया।जगद्गुरु योगेश्वर आचार्य जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि सनातन धर्म सभा का यह आयोजन आज की आवश्यकता है। युवाओं को सनातन से जोड़ना ही असली राष्ट्र सेवा है। महामंडलेश्वर स्वामी विमलदेव जी महाराज, महामंडलेश्वर राजेंद्र दास जी, महामंडलेश्वर अवधेशानंद जी एवं अन्य संतों ने भी अपने विचार रखे।

सेवा का भाव संस्कारों से मिलता है : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव मनुष्य को अपने संस्कारों से मिलता है। जब परिवार में बचपन से ही जरूरतमंदों की सहायता, गौसेवा, अन्नदान और मानव सेवा के संस्कार दिए जाते हैं, तो यही संस्कार आगे चलकर समाज के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का रूप लेते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद को भोजन कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में प्रेम, अपनत्व और मानवता को मजबूत करने का माध्यम है। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना

ही सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा इसी भावना को समाज के बीच मजबूत कर रही है। पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ी को सेवा एवं सहयोग का महत्व समझाएं। इस अवसर पर अनिल धरशुवाले, शिव भगवान, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने और समाज में सेवा, संस्कार तथा सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

मूक-बधिर आश्रम विद्यालय में 'पोषण माह' जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), गड्डीअन्नाराम की ओर से 8 अक्टूबर 2026 को मलकपेट स्थित मूक-बधिर आश्रम विद्यालय में 'राष्ट्रीय पोषण माह' के उपलक्ष्य में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं (स्तनपान कराने वाली माताओं), किशोरियों तथा विशेष रूप से छोटे बच्चों में कुपोषण, एनीमिया (रक्ताल्पता) और पोषण संबंधी कमियों को दूर करना है। इसी उद्देश्य के तहत स्कूली विद्यार्थियों को स्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित करने तथा पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम डॉ. जी. पी. प्रसाद (सहायक निदेशक प्रभारी) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के पुस्तकालयाध्यक्ष के. श्रीनिवास राव, डॉ. अक्षय, आयुर्वेद विद्वान, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. माधवी, श्रीमती तुलसी तथा विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में बच्चों एवं किशोरियों सहित विभिन्न वर्गों में पोषण संबंधी कमियों को दूर करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जीबिशन सोसाइटी द्वारा आयोजित रामायण मेला में दशहरा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनर को आमंत्रित करते हुए रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, गिरधारी लाल दगा एवं मनोज जायसवाल।

गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्टन के चेयरमैन चुने जाने पर महावीर प्रसाद अग्रवाल तथा अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के तेलंगाना राज्य अध्यक्ष मनोनीत होने पर सुरेश अग्रवाल 'दिल्लीवाला' का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार के साथ बद्रीविशाल बंसल, सुरेश जगनानी, राजेश अग्रवाल, हरिगोविंद अग्रवाल, दीनेश बलदेव, डी. पी. अग्रवाल, अशोक बंसल, रामनिवास बंसल एवं अन्य उपस्थित रहे।

दशहरा पर यात्रियों के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था

9, 10, 16, 17 तथा 25-26 अक्टूबर को यात्रियों की भीड़ के अनुसार विशेष व्यवस्था

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दशहरा (विजयादशमी) पर्व के अवसर पर अपने घर जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीए-सआरटीसी) ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। यात्रियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए निगम ने राज्यभर में करीब 7,000 विशेष बस सेवाएं संचालित करने का निर्णय लिया है।

टीजीएसआरटीसी के अनुसार करीमनगर क्षेत्र में कुल 3,533 बसें संचालित की जाएंगी। इनमें आदिलाबाद में 431, निजामाबाद में 719, करीमनगर में 1,175, वारंगल में 530 और खम्मम में 678 बसें शामिल हैं। वहीं हैदराबाद क्षेत्र में कुल 2,155 बसों की व्यवस्था की गई है। इनमें महबूबनगर की 645, मेदक की 255, नलगोंडा की 815 और रंगारेड्डी की 440 बसें शामिल हैं। इसके अलावा ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में दशहरा के लिए 1,312 विशेष सेवाएं चलाने का निर्णय लिया गया है।

निगम के मुताबिक 9, 10, 16 और 17 अक्टूबर को यात्रियों की भारी भीड़ रहने की संभावना है। इन दिनों यात्रियों की संख्या के अनुसार अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसी तरह दशहरा के बाद 25 और 26 अक्टूबर को गृहनगर से हैदराबाद एवं अन्य क्षेत्रों की ओर लौटने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

हैदराबाद में एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल (नल्ला चेरुवु), आरामघर, एलबी नगर क्रॉस रोड्स, केपीएचबी, बोइनपल्ली और गच्चीबौली सहित प्रमुख भीड़भाड़ वाले स्थानों से विशेष बस सेवाएं संचालित की जाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इन स्थानों पर पंडाल, शामियाने, कुर्सियां, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, पेयजल तथा मोबाइल शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने बताया कि प्रमुख त्योहारों और विशेष अवसरों के दौरान यात्रियों को परिवहन संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए मांग के अनुसार बसों का संचालन किया जाता है। वापसी यात्रा के दौरान जिन मार्गों पर यात्रियों की संख्या कम रहती है, वहां से बसों को तेजी से उन मार्गों पर वापस भेजा जाएगा, जहां यात्रियों की भीड़ अधिक होगी।

विशेष बसों के किराए को लेकर निगम ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2003 में जारी शासनादेश संख्या 16 के तहत त्योहारों और विशेष अवसरों पर संचालित विशेष बसों के किराए में डेढ़ गुना तक संशोधन करने की अनुमति दी गई है। इसी प्रावधान के तहत अविभाजित आरटीसी के समय से प्रमुख त्योहारों पर विशेष बसों के किराए में संशोधन किया जाता रहा है। टीजीएसआरटीसी के गठन के बाद भी यह व्यवस्था जारी है।

इस दशहरा पर्व पर भी राज्य सरकार के उक्त शासनादेश के अनुसार विशेष बसों के किराए में डेढ़ गुना तक संशोधन किया गया है।

यह संशोधित किराया केवल विशेष बस सेवाओं पर लागू होगा, चाहे उनका संचालन तेलंगाना के भीतर हो या अन्य राज्यों के लिए किया जा रहा हो। संशोधित किराया 9, 10, 16, 17 तथा वापसी की भीड़ वाले 25 और 26 अक्टूबर को ही प्रभावी रहेगा। नियमित बस सेवाओं में सामान्य किराया ही लागू रहेगा।

टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार की 'महालक्ष्मी योजना' के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दशहरा के दौरान भी यथावत जारी रहेगी। पल्ले वेलुगु, एक्सप्रेस, सिटी साधारण और मेट्रो एक्सप्रेस की नियमित एवं विशेष बस सेवाओं में पात्र महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलता रहेगा।

निगम ने यात्रियों से अपील की है कि वे दशहरा यात्रा की योजना पहले से बनाएं और जहां संभव हो, अग्रिम आरक्षण का लाभ उठाएं। टीजीएसआरटीसी की बसों में अग्रिम बुकिंग www.tgsrtcbus.in के माध्यम से की जा सकती है।

विशेष बसों और यात्रा संबंधी जानकारी के लिए यात्री टीजीएसआरटीसी के कॉल सेंटर नंबर 040-69440000 और 040-23450033 पर संपर्क कर सकते हैं।

राजस्थान में 'सरसों संकल्प' पांच वर्षीय कार्यक्रम शुरू

आधुनिक और जलवायु अनुकूल सरसों की खेती को मिलेगा बढ़ावा

जयपुर, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान में सरसों की खेती को अधिक टिकाऊ और जलवायु अनुकूल बनाने के उद्देश्य से सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड, सॉलिडरीडाड नेटवर्क एशिया लिमिटेड और भारतखंड फाउंडेशन ने 'सरसों संकल्प' नाम से पांच वर्षीय कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल के माध्यम से राजस्थान के बूंदी, टोंक और झालावाड़ जिलों में आधुनिक सरसों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के सीएआर कार्यक्रम के सहयोग से संचालित इस पहल का उद्देश्य मिट्टी की सेहत में सुधार, पानी और कृषि संसाधनों के बेहतर उपयोग, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की किसानों की क्षमता बढ़ाने तथा कृषि परिणामों को बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

कार्यक्रम के तहत वित्त वर्ष 2026-27 में 15 हजार किसानों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से कार्यक्रम का विस्तार करते हुए वित्त वर्ष 2030-31 तक 40 हजार किसानों तक पहुंचने की योजना है। इस कार्यक्रम के लिए कुल 16 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मुंबई स्थित द वेस्टिन, पॉवई लेक में आयोजित सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की वार्षिक आमसभा और वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड के कार्यकारी उपाध्यक्ष अंशु मलिक ने कहा कि 'सरसों संकल्प' के माध्यम से किसानों, स्वस्थ मिट्टी और मजबूत कृषि समुदायों में दीर्घकालिक निवेश किया जा रहा है। यह साझेदारी व्यावहारिक पुनर्योजी खेती के तरीकों को लागू करने और उनके परिणामों को मापने के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी।

बैठक में सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा कि 'सरसों संकल्प' यह दर्शाता है कि खाद्य तेल उद्योग व्यवस्थित कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों और कृषि समुदायों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस अवसर पर एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. बी.वी. मेहता, सॉलिडरीडाड नेटवर्क एशिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. शतद्रु चट्टोपाध्याय तथा सॉलिडरीडाड के जनरल मैनेजर एवं सॉलिडरीडाड सस्टेनेबल ऑयलसीड मिशन के समन्वयक डॉ. सुरेश मोटवानी ने भी अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन पर जगमोहन सिंह ने गिनाईं उपलब्धियां

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के तेलंगाना राज्य अध्यक्ष श्री जगमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक यात्रा को 'सेवा से संकल्प तक की यात्रा' बताते हुए कहा कि उनके 25 वर्ष का सार्वजनिक जीवन विकास, सुशासन, समर्पण और विकसित भारत की परिकल्पना का प्रतीक है।

जगमोहन सिंह ने कहा कि वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से लेकर आज प्रधानमंत्री पद तक नरेंद्र मोदी का ध्यान बुनियादी ढांचे के विकास, कल्याणकारी योजनाओं और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत भूमिका पर रहा है।उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में भारत में तीन बड़े बदलाव देखने को मिले हैं।

उन्होंने कहा कि 'स्थानीय के लिए मुखर' अभियान, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने से नागरिकों में राष्ट्रीय गौरव और आत्मविश्वास बढ़ा है।जगमोहन सिंह ने कहा कि राम मंदिर निर्माण और 'मन की बात' जैसे मंचों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक चेतना तथा आमजन की उपलब्धियों को सम्मान मिला है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण और अवसरों के विस्तार से भारत का बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा, आज भारत अधिक आत्मविश्वासी है और वैश्विक स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है।

जगमोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' सभी समुदायों के उत्थान पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लिए तीन तलाक उन्मूलन अधिनियम, 2019 के माध्यम से मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की गई। सिख समुदाय के लिए करतारपुर कॉरिडोर, हेमकुंड साहिब यात्रा की सुविधा और सिख गुरुओं के सम्मान में विभिन्न पहल की गईं।

उन्होंने कहा कि ईसाई समुदाय के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में ईसाई संस्थाओं के योगदान को मान्यता दी गई है। वहीं, जैन समुदाय के लिए 'नवकार महामंत्र दिवस' का उत्सव तथा अहिंसा और अनेकांत जैसे सिद्धांतों को सम्मान दिया गया है।

जगमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे करने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, हमारा दायित्व है कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। 2047 तक विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हम सभी को योगदान देना है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निरंतर अच्छे स्वास्थ्य, शांति और आत्मनिर्भर भारत के मिशन में सफलता की कामना की।

आरोप साबित हुए तो सिर कलम करने को तैयार : वड्डी मोहन रेड्डी

सोशल मीडिया पर लगाए आरोपों को बताया साजिश, कहा- गलत सूचना फैलाने वालों पर दर्ज हों आपराधिक मामले

निजामाबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राइस मिलर्स एसोसिएशन के राज्य महासचिव वड्डी मोहन रेड्डी ने चुनौती दी है कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ लगाए गए आरोप यदि सबूतों के साथ साबित होते हैं तो वह अपना सिर कलम करने को तैयार हैं और एसोसिएशन के नेतृत्व तथा राजनीति से स्थायी रूप से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने सीपी साई चैतन्य से भी अपील की कि यदि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सबूतों के साथ गलत साबित होते हैं तो उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर जेल भेजा जाए। उन्होंने गुरुवार को शहर के श्रद्धानंद गंज स्थित राइस भवन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

तरक्की बर्दाश्त नहीं होने से रची जा रही साजिश : मोहन रेड्डी

वड्डी मोहन रेड्डी ने कहा कि उनकी तरक्की को बर्दाश्त नहीं कर पाने के कारण उनके खिलाफ साजिशें रची जा रही हैं। उन्होंने किसानों से ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। झूठी सूचनाएं फैलाकर उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास करने वालों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि वे इस तरह की गतिविधियों से बाज आएं।

उन्होंने चावल मिल मालिकों को राजनीति से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि वह किसानों के साथ खड़े रहेंगे और अंत तक उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और टीआरएस के नेता किसानों को भड़का रहे हैं और वह चुप नहीं बैठेंगे।

उकसाया तो नेताओं के भ्रष्टाचार का इतिहास उजागर करने की चेतावनी

मोहन रेड्डी ने चेतावनी दी कि यदि उन्हें उकसाया गया तो वह संबंधित पार्टी नेताओं के भ्रष्टाचार का पूरा इतिहास उजागर कर देंगे। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि पिछले 15 वर्षों में उनकी संपत्ति कितनी बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि यदि किसानों और जनता को भड़काने वाले बीआरएस और टीआरएस के नेता गांधी चौक पर चर्चा के लिए आते हैं तो वह भी भाजपा की ओर से वहां आने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं का इन दलों के नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर चुप रहना उचित नहीं है। सांसद अरविंद और सरकारी सलाहकारों द्वारा सुदर्शन रेड्डी को इस मामले में घसीटना भी उन्होंने शर्मनाक बताया।

90 प्रतिशत मिलों के गोदाम सीएमआर अनाज से भरे होने का दावा

मोहन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि जिले की करीब 90 प्रतिशत मिलों के गोदाम सीएमआर अनाज से भरे हुए हैं। मिल मालिकों ने कहीं से अनाज नहीं खरीदा है और उनके पास अनाज रखने के लिए जगह नहीं है।

उन्होंने भाजपा के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों को बर्दाश्त नहीं करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें रोककर भाजपा पर आरोप लगाना और पार्टी को बदनाम करने का प्रयास करना शर्मनाक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के खिलाफ किए जा रहे झूठे प्रचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा किसानों के लिए काम करने वाली एकमात्र पार्टी : दावा

मोहन रेड्डी ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो किसानों के लिए काम करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में अनाज का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 700 रुपये अधिक है।उन्होंने कहा कि चावल मिल मालिक कहीं भी संगठित नहीं हैं और कोई भी व्यक्ति कहीं से भी फसल उत्पाद खरीद सकता है।

अन्य राज्यों के व्यापारियों को धमकाने के आरोपों की जांच की मांग

उन्होंने कलेक्टर और मुख्य याचिकाकर्ता से अन्य राज्यों के व्यापारियों को धमकाने और उनके ट्रकों को रोकने के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित करने का अनुरोध किया। साथ ही, उन्होंने इन अफवाहों के फैलने के कारणों का पता लगाने की भी मांग की।

बैठक में राइस मिलर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मोतुरी दयानंद गुप्ता, नेता लभिसेट्टी श्रीनिवास, पवन खेड़िया, श्रीनिवास गौड़, सुरेंद्र तथा आर्मूर, बोधन और धरपल्ली के चावल मिल मालिक उपस्थित थे।

14 घंटे काम और साप्ताहिक अवकाश नहीं

हैदराबाद जेनपैक्ट कर्मचारियों ने लैंगिक भेदभाव व कार्यस्थल पर उत्पीड़न के आरोप लगाए

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी जेनपैक्ट के हैदराबाद स्थित कर्मचारियों के एक समूह ने एक वरिष्ठ प्रबंधक पर लैंगिक भेदभाव, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और अत्यधिक काम के दबाव के आरोप लगाए हैं। कर्मचारियों का दावा है कि कंपनी की आंतरिक मानव संसाधन (एचआर) व्यवस्था के माध्यम से शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सोशल मीडिया और कंपनी के आंतरिक मंचों पर अपनी चिंताएं साझा करने वाले कर्मचारियों के अनुसार, एक प्रबंधक के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज की गई हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि उठाए गए मुद्दों में लैंगिक आधार पर भेदभाव, महिलाओं की मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की अनदेखी, लंबे समय तक काम करने की मांग तथा प्रदर्शन और नौकरी को लेकर धमकियां शामिल हैं।

कर्मचारियों का दावा है कि इन चिंताओं पर कंपनी के आधिकारिक एचआर मंच पर चर्चा की गई थी और कई ऐसे टीम सदस्यों ने भी शिकायतों का समर्थन किया, जिन्होंने कथित तौर पर इसी तरह की समस्याओं का सामना किया है। उनका आरोप है कि तीन सप्ताह से अधिक समय पहले मामला उठाए जाने के बावजूद संबंधित प्रबंधक के खिलाफ अब तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई है।

सिर्फ नीतियों के उल्लंघन का मामला नहीं

कुछ कर्मचारियों ने स्थिति को कार्यस्थल की नैतिकता और कंपनी के अनुपालन मानकों का उल्लंघन बताया है। उनका कहना है कि ये आरोप केवल कंपनी की नीतियों के उल्लंघन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कर्मचारियों के कल्याण, लैंगिक संवेदनशीलता और कार्यस्थल पर गरिमा से जुड़े व्यापक सवाल भी उठाते हैं।यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्य-जीवन संतुलन, कर्मचारियों की निगरानी और कार्यस्थल की संस्कृति को लेकर व्यापक चर्चा चल रही है।

हाल के वर्षों में प्रौद्योगिकी और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग क्षेत्रों में लंबे समय तक काम करने और प्रबंधकीय दबाव को लेकर उठी चिंताओं ने कर्मचारियों के कल्याण और संगठनों की जवाबदेही पर बहस को तेज किया है।

कंपनी कुछ लोगों को बचा रही है

कंपनी की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाने वाले कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि प्रबंधन कुछ नेताओं के प्रति जरूरत से ज्यादा संरक्षण का रवैया अपना रहा है और शिकायतों का पारदर्शी तरीके से समाधान करने में विफल रहा है। कर्मचारी इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और कंपनी के नेतृत्व तथा एचआर टीमों से अधिक जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

फिलहाल, जेनपैक्ट ने संबंधित प्रबंधक के खिलाफ लगाए गए इन विशिष्ट आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। कंपनी पहले भी कह चुकी है कि वह पेशेवर कार्यस्थल के मानकों और कर्मचारियों के कल्याण को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

इन आरोपों की अभी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यदि कोई आंतरिक जांच की गई है, तो उसके निष्कर्ष भी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। यदि कर्मचारी औपचारिक शिकायतों को आगे बढ़ाते हैं या श्रम एवं कार्यस्थल संबंधी अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग करते हैं, तो इस मामले पर आगे भी ध्यान आकर्षित होने की संभावना है।

यह रिपोर्ट कर्मचारियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर आधारित है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और शिकायतों में नामित प्रबंधक की ओर से भी आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

महात्मा गांधी जयंती एवं अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस समारोह का समापन

21 विभूतियों को महात्मा गांधी शांति पुरस्कार-2026 से किया सम्मानित

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अबिड्स स्थित तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागार में तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा के तत्वावधान में महात्मा गांधी जयंती एवं अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस समारोह का समापन हुआ। मुख्य अतिथि तेलंगाना काउंसिल ऑफ एजुकेशन के अध्यक्ष प्रो. वी. बालकृष्ण रेड्डी ने कहा कि महात्मा गांधी ने शांति, सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से विश्व को नई दिशा दी। उन्होंने युवाओं से गांधीजी के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति वामन राव, प्रो. सूर्य धनुंजय सहित कई गणमान्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर 21 विभूतियों को महात्मा गांधी शांति पुरस्कार – 2026 दिया गया जिनमें-श्रीमती टी. अंजना देवी, प्रो. जगनमोहन सिद्ध, डॉ. मृदुला नंदना, डॉ. एम. राज कुमार, डॉ. संगीता मोत्कर, डॉ. रवितेजा, लेफ्टिनेंट डॉ. बी. दीपिका, डॉ. पी. अश्विनी रेड्डी, श्री सादुला मधुसूदन, श्री गाजुला अंजैया, श्री मडिगाला विजयभास्कर रेड्डी, श्री के. जोजी रेड्डी, श्री तरुण कुमार मेहता, एडला बालराज, पी. सुंदर, एम. किरणमयी, श्री कुंभर्ति रविंदर, मोहम्मद सोहैब रूमी, जमील रब्बानी, श्री मित्रा जॉन बनयन तथा श्रीमती कंदुला प्रपूर्णा रेड्डी को महात्मा गांधी शांति पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया।कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम कलाकारों तथा निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.